CMYK

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :31°C
न्यूनतम :20°C

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

हल्द्वानी, मंगलवार 2 जून 2026 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 23 अंक 275 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

shahtimes2015@gmail.com | आषाढ़ कृष्ण पक्ष 1 विक्रमी सम्वत् 2083 | 15 जिलहिज्जा 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण हो: मुख्यमंत्री योगी पेज 2

सूर्यवंशी ने जीते ऑरेंज कैप, एमवीपी और इमर्जिंग प्लेयर अवॉर्ड खेल टाइम्स

महंगाई की मार झेलता आम आदमी, मजे में जिंदगी जीता एक वर्ग! सम्पादकीय

अमेरिका ने ईरान की रडार-ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर किया हमला पेज 12

JEE एडवांस में बिहार के शुभम कुमार टॉपर

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई)- 2026 का परिणाम रविवार देर रात घोषित किया गया। बिहार के शुभम कुमार ने ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया। दिल्ली के कबीर छिल्लर दूसरे और राजस्थान के झुंझुनूं निवासी जतिन चाहर तीसरे स्थान पर रहे।

शुभम कुमार

कबीर जतिन

■ दिल्ली के कबीर दूसरे, झुंझुनूं के जतिन तीसरे नंबर पर, टॉप-10 में 6 स्टूडेंट ने राजस्थान में कोचिंग की

इस वर्ष टॉप-10 में शामिल 6 छात्रों ने राजस्थान के कोटा स्थित कोचिंग संस्थानों से तैयारी की है। परीक्षा में कुल 1,79,694 अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 56,880 उम्मीदवार सफल घोषित किए गए। सफलता प्रतिशत 31.65 रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर माना जा रहा है। इस बार क्वालिफाइंग कटऑफ 74 से बढ़कर 92 अंक पहुंच गई है, जबकि सामान्य वर्ग के लिए विषयवार कटऑफ में भी 8 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रिजल्ट घोषित होने के बाद कोटा के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में जश्न का माहौल देखने को मिला। छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और नृत्य के साथ सफलता का उत्सव मनाया। ऑल इंडिया रैंक-7 प्राप्त करने वाले अर्णव ने बताया कि उन्होंने पिछले दो वर्षों से लगातार तैयारी की और अब उनका लक्ष्य आईआईटी मुंबई से कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई करना है। वहीं, गर्ल्स कैटेगरी में आरोही देशपांडे ने शीर्ष स्थान हासिल किया, जिन्हें 360 में से 280 अंक मिले और उनकी ऑल इंडिया रैंक 77 रही। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस वर्ष परीक्षा का स्तर संतुलित रहा, जिसके कारण कटऑफ में बढ़ोतरी देखने को मिली।

सीजेपी के फाउंडर छह जून को लौटेंगे भारत

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके 6 जून को भारत लौटेंगे। इसके बाद वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। इस प्रदर्शन में वे शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करेंगे।

दीपके ने इसकी जानकारी अपने एक्स अकाउंट 'कॉकरोच इज बैक' पर दी है। कॉकरोच जनता पार्टी एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की हालिया कॉकरोच टिप्पणी के बाद सामने आया। सीजेपी के इंस्टाग्राम पर 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। दीपके ने सोमवार को पार्टी के एक्स अकाउंट से 6 जून को भारत लौटने की जानकारी दी। 30 साल के अभिजीत दीपके महाराष्ट्र के संभाजी नगर के रहने वाले डिजिटल मीडिया स्ट्रैटेजिस्ट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिजीत ने पुणे से पत्रकारिता की पढ़ाई की है।

■ शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय हथियारों की डिमांड बढ़ी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लायटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के इस्तेमाल के बाद दुनिया में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। कई देशों ने इन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है, जबकि कुछ के साथ हजारों करोड़ रुपये के सौदे भी हो चुके हैं। इनकी कीमत 21,000 करोड़ रुपये से अधिक है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले साल से 62 फीसदी ज्यादा है। ब्रह्मोस के लिए फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों से करीब 12,500 करोड़ रुपये के सौदे हो चुके हैं। इंडोनेशिया के साथ लगभग 3,600 करोड़ रुपये की डील अंतिम मंजूरी के चरण में है।

प. बंगाल मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार, 35 मंत्रियों ने ली शपथ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सुवेंदु अधिकारी सरकार ने सत्ता संभालने के एक महीने के भीतर सोमवार को अपना पहला बड़ा कैबिनेट विस्तार किया। इसमें 35 नए मंत्रियों को शामिल किया गया है और इसके साथ ही मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी समेत कुल मंत्रियों की संख्या 41 हो गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री के साथ पांच अन्य मंत्रियों ने शपथ ली थी। शपथ ग्रहण समारोह लोक भवन में आयोजित किया गया था, जहां राज्यपाल आरएन रवि ने नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। सोमवार को शपथ लेने वालों में 13 कैबिनेट मंत्री, 19 राज्य मंत्री और तीन स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री शामिल हैं।

भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता लागू

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौते के सोमवार से लागू होने को दोनों देशों के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत बताया। श्री गोयल ने कहा कि आज से भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) लागू हो रहा है, और मैं इस बारे में लिख रहा हूं कि यह समझौता दोनों देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को कैसे और मजबूत करेगा। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि पीएम मोदी जी के भारत की वैश्विक व्यापार साझेदारी को विस्तार देने के दृष्टिकोण से प्रेरित यह समझौता नए बाजार खोलकर, निर्यात बढ़ाकर, निवेश आकर्षित करके और रोजगार सृजन में तेजी लाकर भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और लघु एवं मध्यम उद्यमों को महत्वपूर्ण रूप से लाभ पहुंचाएगा।

म्यांमार दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए भारत का प्रवेश द्वार: मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में म्यांमार राष्ट्रपति यू मिन आंग हलिंग का स्वागत किया और कहा कि म्यांमार दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए भारत का प्रवेश द्वार है। भारत की पांच दिन की यात्रा पर आए म्यांमार के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति हलिंग का स्वागत करते हुए, कहा कि भारत और म्यांमार के बीच गहरे सांस्कृतिक, सभ्यतागत और आध्यात्मिक संबंध हैं, जो सदियों पुराने हैं।

NEET-UG परीक्षा कंप्यूटर आधारित कराने से सुप्रीम इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने ऑफलाइन मोड को ही बरकरार रखा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आगामी 21 जून को फिर से होने वाली नीट-यूजी परीक्षा को कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) प्रारूप में आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को निर्देश देने से सोमवार को इन्कार कर दिया और मौजूदा 'पेन-एंड-पेपर' (ऑफलाइन) मोड को ही बरकरार रखने का फैसला किया।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने इस संबंध में राहत देने से इन्कार कर दिया और मामले की सुनवाई जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी। न्यायालय के इस फैसले से नीट-यूजी की दोबारा होने वाली परीक्षा के सीबीटी मोड में कराने की किसी भी संभावना पर फिलहाल विराम लग गया है। पीठ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें नीट परीक्षा से जुड़े कई निर्देश देने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने स्पष्ट किया कि वह केवल एक ही मांग पर जोर दे रहे हैं- 21 जून को होने वाली परीक्षा सीबीटी मोड में आयोजित की जाए। वकील ने दलील दी कि आज मैं किसी अन्य मांग पर जोर नहीं दे रहा हूं। परीक्षा सीबीटी मोड में ही होनी चाहिए। न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने हालांकि ध्यान दिलाया कि न्यायालय अतीत में भी इस तरह की समान याचिकाओं को खारिज कर चुकी है। उन्होंने टिप्पणी की कि इस तरह की राहत देने का 'कोई सवाल ही नहीं उठता', विशेषकर तब जब अधिकारी पहले ही पिछली परीक्षा रद्द होने और दोबारा परीक्षा आयोजित करने की साजो-सामान संबंधी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। जब याचिकाकर्ता के वकील ने एक बार फिर कहा कि वह केवल सीबीटी से जुड़ी मांग पर ही जोर दे रहे हैं, तो पीठ ने संकेत दिया कि वह इस मुद्दे पर तुरंत विचार करने के पक्ष में नहीं है और इसके बाद मामले को जुलाई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

■ एनटीए को राहत!
■ मामले की सुनवाई जुलाई तक स्थगित की

पुणे के टीचर ने नीट पेपर अरेंज कराया: सीबीआई

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने सोमवार को कहा कि पुणे की एक मेडिकल एकेडमी में फिजिक्स फैकल्टी रहे हर्षद कुमार शाह ने क्वेश्चन पेपर अरेंज कराने में भूमिका निभाई थी।

एजेंसी के मुताबिक, शाह ने फिजिक्स का प्रश्नपत्र मनीषा हवालदार तक पहुंचाया था। जांच में यही पेपर मनीषा के मोबाइल से बरामद हुआ। इसी मामले में गिरफ्तार डा. मनोज शिरुरे, हर्षद कुमार शाह और मनीषा हवालदार को सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने तीनों को 15 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीबीआई ने अदालत को बताया कि डा. मनोज शिरुरे पेपर लीक से जुड़े नेटवर्क का हिस्सा थे। एजेंसी का दावा है कि उन्होंने मुख्य आरोपी शिवराज मोटेगांवकर से 5 लाख रुपये लिए थे।

■ तीन आरोपी 15 जून तक न्यायिक हिरासत में

सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीशों की नियुक्ति कर दी। इनके शपथ ग्रहण करने के बाद शीर्ष न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़कर 37 हो जाएगी। विधि एवं न्याय मंत्रालय के तहत न्याय विभाग की ओर से सोमवार को जारी अलग-अलग अधिसूचनाओं के अनुसार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता वेंकिटा सुब्रमणि मोहना और चार उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। इनमें पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति चंद्रशेखर, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा तथा जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अरुण पल्ली शामिल हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि इन सभी की नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पिछले महीने इन न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए केंद्र सरकार को सिफारिश भेजी थी।

कमर्शियल LPG सिलेंडर ₹42 महंगा

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। देशभर में वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडरों की कीमतों में सोमवार को एक बार फिर बढ़ोतरी की गई। इससे होटल, रेस्तरां, कैटरिंग सेवाओं और एलपीजी पर निर्भर अन्य व्यवसायों की परिचालन लागत बढ़ने की आशंका है।

दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 42 रुपये बढ़ाकर 3,113.50 रुपये कर दी गई है। कोलकाता में सबसे अधिक 53.50 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि मुंबई और चेन्नई में कीमतें क्रमशः 43.50 रुपये और 46 रुपये बढ़ाई गई हैं। तेल विपणन कंपनियों ने पांच किलोग्राम के फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की वृद्धि की है। हालांकि घरेलू इस्तेमाल वाले 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह नवीनतम बढ़ोतरी हाल के महीनों में वाणिज्यिक एलपीजी दरों में लगातार हुई वृद्धि के बाद की गई है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ईंधनों की कीमतों में बढ़ोतरी और आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण ईंधन बाजारों पर दबाव बना हुआ है, जिससे वाणिज्यिक उपभोक्ताओं की लागत बढ़ रही है। इस मूल्य वृद्धि का सबसे अधिक असर आतिथ्य और खाद्य सेवा क्षेत्र के व्यवसायों पर पड़ने की संभावना है, जहां रसोई गैस एक प्रमुख परिचालन आवश्यकता है। उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि ईंधन की लागत में लगातार वृद्धि से रेस्तरां, होटल और छोटे खाद्य विक्रेताओं का मुनाफा प्रभावित हो सकता है। इसके विपरीत, घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के दाम दिल्ली में 913 रुपये, मुंबई में 912.50 रुपये, कोलकाता में 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये पर स्थिर रखे गए हैं। सरकार और तेल विपणन कंपनियों ने आश्वासन दिया है कि देशभर में एलपीजी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वैश्विक ऊर्जा बाजारों में उतार-चढ़ाव के बावजूद रसोई गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं।

■ होटल, रेस्तरां, कैटरिंग सेवाओं परिचालन व अन्य व्यवसायों की लागत बढ़ने की आशंका

शिक्षा को कारोबार बनाना सभी बुराइयों का आधार: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) पर उसकी गलतियों के लिए छात्रों से शुल्क वसूली को लूट करार देते हुए कहा है कि जब शिक्षा को सेवा के बजाय कारोबार बना दिया जाता है, तो उससे अनेक बुराइयां जन्म लेना शुरू कर देती हैं।

राहुल गांधी नेएक्स पर कहा कि सीबीएसई की गलती से नंबर गलत आएं, तो उसकी कीमत छात्रों को चुकानी पड़ती है। डिजिटल स्कैन कॉपी, री-टोटलिंग और री-इवैल्यूएशन के लिए अलग-अलग शुल्क देना पड़ता है। अपनी ही उत्तर पुस्तिका की सही जांच कराने के लिए एक छात्र को हजारों रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं।

■ कांग्रेस नेता ने छात्रों से शुल्क वसूली को लूट करार दिया

दिल्ली में स्कूल ऑफ प्लानिंग की बिल्डिंग में आग

नई दिल्ली। दिल्ली के आईटीओ इलाके में स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) में सोमवार सुबह आग लग गई। दमकल की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कुछ घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। शुरुआत में कुछ रिपोर्ट्स में आग शिक्षा मंत्रालय के ऑफिस में लगने की बात कही गई थी, जिस पर कांग्रेस ने मामले को संदिग्ध बताया। बाद में कहा गया कि आग मंत्रालय के ऑफिस में नहीं, एसपीए भवन में लगी थी।

GST संग्रह मई में बढ़कर 1.94 लाख करोड़ पर पहुंचा

आयात पर प्राप्त कर राजस्व में 19 प्रतिशत का रहा जबरदस्त उछाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। आयात पर प्राप्त कर राजस्व में 19 प्रतिशत के जबरदस्त उछाल के कारण इस साल मई में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 1.94 लाख करोड़ के पार दर्ज किया गया। वित्त मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि मई में कुल जीएसटी संग्रह 1,94,184 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल मई के मुकाबले 3.2 प्रतिशत अधिक है।

इसमें घरेलू जीएसटी संग्रह 2.6 प्रतिशत घटकर 1,34,530 करोड़ रुपये रह गया, जबकि आयातित वस्तुओं पर संकलित जीएसटी की राशि 19.1 प्रतिशत बढ़कर 59,654 करोड़ रुपये दर्ज की गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में आयातित वस्तुओं, विशेषकर कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेज उछाल के कारण उन पर जीएसटी की राशि भी उसी अनुपात में बढ़ी है। सरकार ने कुल 27,281 करोड़ रुपये का जीएसटी रिफंड दिया जो सालाना आधार पर 2.6 प्रतिशत अधिक है। इसमें घरेलू रिफंड 4.3 फीसदी कम होकर 17,030 करोड़ रुपये और निर्यातकों को दिया गया रिफंड 16.6 प्रतिशत बढ़कर 10,250 करोड़ रुपये रहा। सकल जीएसटी संग्रह में से रिफंड को घटाकर शुद्ध जीएसटी राजस्व 1,66,904 करोड़ रुपये रहा। यह मई 2025 के मुकाबले 3.3 प्रतिशत अधिक है। शुद्ध घरेलू जीएसटी संग्रह 1,17,500 करोड़ रुपये रहा। यह सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत कम है। वहीं, शुद्ध सीमा शुल्क राजस्व 19.7 प्रतिशत बढ़कर 49,403 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2026-27 के पहले दो महीने में सकल जीएसटी संग्रह 6.2 फीसदी बढ़कर 4,36,887 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है। इसमें 59,063 करोड़ रुपये की रिफंड की राशि घटा देने पर शुद्ध जीएसटी संग्रह 3,77,824 करोड़ रुपये बना है। रिफंड में सालाना 10.9 प्रतिशत और शुद्ध संग्रह में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

■ घरेलू जीएसटी संग्रह 2.6 प्रतिशत घटकर 1,34,530 करोड़ रुपये रहा

मानसून दो-तीन दिन में केरलम पहुंचेगा

नई दिल्ली। मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि दक्षिण- पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में केरल पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरल पहुंचता है, लेकिन इस बार इसमें थोड़ी देरी हुई है।

आईएमडी के मुताबिक अरब सागर, लक्षद्वीप, केरल और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम अनुकूल है। बंगाल की खाड़ी के कई इलाकों में भी मानसून आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने पहले अनुमान लगाया था कि मानसून 26 मई को केरल पहुंचेगा, लेकिन बाद में इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई। अब इसके जून के पहले सप्ताह में पहुंचने की संभावना है। देशभर में फिलहाल हीटवेव का असर खत्म हो गया है। राजस्थान के अजमेर, नागौर और चित्तौड़गढ़ में सोमवार को ओलावृष्टि हुई। मध्य प्रदेश के 4 जिलों में आंधी और बारिश का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर में तेज बारिश हुई, जबकि 63 जिलों में आंधी -बारिश का अलर्ट जारी है। झारखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा और पंजाब समेत 27 राज्यों में हल्की से भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

■ देशभर में हीटवेव खत्म, राजस्थान के 3 जिलों में ओले गिरे

CMYK

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री आवास के पास चार बस परिचालकों ने किया आत्मदाह का प्रयास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के हाई-सिक्योरिटी वाले वीवीआईपी जोन में सोमवार सुबह दुबग्गा डिपो के चार संविदा सिटी बस परिचालकों ने मुख्यमंत्री आवास के निकट आत्मदाह का प्रयास किया। हालांकि मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और गौतमपल्ली थाना पुलिस ने समय रहते हस्तक्षेप कर चारों को हिरासत में ले लिया। सभी सुरक्षित हैं और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था सामान्य है। परिचालकों के मुताबिक दुबग्गा सिटी बस स्टेशन पर तैनात करीब 350 संविदा कर्मचारियों को प्रशासन सीधे संविदा से हटाकर 'एस' नामक निजी कंपनी के अधीन कर रहा है। उनका आरोप है कि नई व्यवस्था में वेतन 18,600 से घटाकर 11,000 कर दिया गया है। पिछले कई दिनों से वे अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। सोमवार करीब 11 बजे मांगों पर सुनवाई न होने पर चार परिचालक सीएम आवास की ओर बढ़े और ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास किया।

शिक्षा मंत्रालय कार्यालय में आग पर उठे सवाल

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय से जुड़े एक कार्यालय में आग लगने की घटना को लेकर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। चिब ने कहा कि देशभर में परीक्षा घोटालों, पेपर लीक और प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त करने और उनके इस्तीफे की मांग तेज हो रही है। ऐसे समय में शिक्षा मंत्रालय से जुड़े कार्यालय में आग लगना गंभीर चिंताओं को जन्म देता है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर महंगा होने पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी होने के बाद कांग्रेस के राज्यसभा उपनेता और सांसद प्रमोद तिवारी ने केंद्र सरकार पर जनता की जेब पर डाका डालने का आरोप लगाते हुए कहा है कि एक तरफ प्रधानमंत्री मन की बात करते हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी सरकार गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाकर आम लोगों पर आर्थिक बोझ डाल रही है।

तिवारी ने सोमवार को कहा कि 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 42 रुपये की वृद्धि कर दी गई है। इसके बाद दिल्ली में इसकी कीमत 3113.50 रुपये और कोल. काता में 3255.50 रुपये पहुंच गई है। उन्होंने यह भी कहा कि 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर के दाम में 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है, जिससे छात्रों, मजदूरों और छोटे कारोबारियों पर सीधा असर पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि जनवरी से जून के बीच 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में कुल 1560 रुपये और 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमत में 323 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने इसे लूट का सिलसिला बताते हुए कहा कि सरकार लगातार जनता पर महंगाई का बोझ डाल रही है। श्री तिवारी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 116 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गई हैं, इसके बावजूद एलपीजी के दाम बढ़ाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम जनता की जेब काट रही है और लोग इस स्थिति को भली-भांति समझ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गैस कंपनियों ने 1 जून से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 42 रुपये की बढ़ोतरी की है। इससे पहले 1 मई को भी कमर्शियल सिलेंडरों के दाम बढ़ाए गए थे।

राज्यसभा उपनेता और पार्टी सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा- जनता की जेब पर डाका

सीबीएसई विवाद को कांग्रेस ने बनाया मुद्दा

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली की खामियों को देश के शिक्षा इतिहास की सबसे बड़ी संस्थागत विफलता बताते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इसके लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें पद से इस्तीफा देना चाहिए अन्यथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उन्हें तत्काल हटा देना चाहिए।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि मोदी सरकार के 12 वर्षों के शासन में देश की शिक्षा व्यवस्था लगातार कमजोर हुई है। सीबीएसई, नीट, यूजीसी-नेट और सीयूईटी जैसे मामलों ने देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खेड़ा ने यह भी आरोप लगाया कि सीबीएसई ने डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली लागू करने से पहले शिक्षकों और विशेषज्ञों की गंभीर चेतावनियों को नजर. अंदाज किया। उनके अनुसार परीक्षण के दौरान दर्जनों तकनीकी कमियां सामने आई थीं, लेकिन इसके बावजूद प्रणाली को जल्दबाजी में लागू कर दिया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि हजारों छात्रों को धुंधली, अधूरी अथवा गलत तरीके से स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाएं मिलीं और बड़ी संख्या में उत्तर पुस्तिकाओं को दोबारा स्कैन तथा मैनुअल मूल्यांकन के लिए भेजना पड़ा। उन्होंने कहा कि टेंडर प्रक्रिया के दौरान तकनीकी मानकों, स्कैनिंग गुणवत्ता और पात्रता संबंधी नियमों को कमजोर किया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए हैं। उनका कहना था कि डिजिटल प्रणाली में सुरक्षा संबंधी गंभीर खामियां भी सामने आईं, जिनसे छात्रों के डेटा और परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि यह संकट केवल सीबीएसई तक सीमित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में नीट, यूजीसी-नेट, सीएसआईआर- नेट, नीट-पीजी, सीयूईटी, जेईई मेन तथा अन्य भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, तकनीकी गड़बड़ियों और प्रशासनिक विफलताओं के कारण करोड़ों छात्र प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार छात्रों की आवाज उठा रहे हैं और परीक्षा प्रणाली से जुड़े मामलों में जवाबदेही की मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार छात्रों की चिंता का समाधान करने के बजाय अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रही है। खेड़ा ने कहा कि सरकार ने शिक्षा बजट में कटौती की है, विश्व. विद्यालयों की स्वायत्तता को कमजोर किया है, शिक्षकों के रिक्त पद नहीं भरे हैं और शिक्षा तथा रोजगार के बीच की खाई को बढ़ने दिया है। इन सबका खामियाजा देश के युवाओं को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से पूछा कि डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली को लेकर मिली चेतावनियों की अनदेखी क्यों की गई, टेंडर प्रक्रिया में बदलाव किसके निर्देश पर किए गए, पात्रता नियमों में संशोधन क्यों किए गए।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें या उन्हें तत्काल पद से हटाएं प्रधानमंत्री मोदी: पवन खेड़ा

जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं

आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण हो: योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आयोजित जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदे. ही भी तय की जाए। जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष राजस्व और पुलिस विभाग से जुड़े कई प्रकरण प्रस्तुत किए गए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित राजस्व वादों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण किया जाए। छह माह से अधिक समय से लंबित मामलों की विशेष समीक्षा की जाए और बिना उचित कारण विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति को न्याय मिले और पात्र लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के पहुंचे। उन्होंने अधिका. रियों से संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए जरूरतमंदों के उपचार, सहायता और समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर खुशहाली लाना शासन-प्रशासन का दायित्व है। जनता दर्शन के दौरान हापुड़ से आई एक छात्रा ने अपने परिवार की आर्थिक स्थिति और पढ़ाई में आने वाली कठिनाइयों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने छात्रा से उसकी पढ़ाई के बारे में जानक. री ली। छात्रा द्वारा कक्षा सात में अध्ययनरत होने की जानकारी देने पर मुख्यमंत्री ने उसे आश्वस्त करते हुए कहा कि तुम सिर्फ पढ़ाई करो, बाकी हम पर छोड़ दो। मुख्यमंत्री ने छात्रा के अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षित बच्चा ही सशक्त भारत की नींव है। उन्होंने अधिकारियों को भी आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाए: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी ने छात्र-शिक्षक-अभिभावकों को किया सम्मानित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन सभागार में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह में प्रदेश के विभिन्न शिक्षा बोर्डों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों और प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। मेधावियों को चेक, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। समारोह के दौरान सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा और अभिभावकों के चेहरे गर्व से दमक उठे। प्रदेश स्तर पर टॉप-10 स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को एक लाख रुपये, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल दिए गए। जनपद स्तर पर टॉप-10 में जगह बनाने वाले 1,459 मेधावियों को 21 हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र और मेडल से सम्मानित किया जा रहा है। सीतापुर की कशिश वर्मा (97.83 प्रतिशत) को मुख्यमंत्री ने सबसे पहले सम्मानित किया। लखनऊ पब्लिक कॉलेज के शिवम अवस्थी, कानपुर की अनन्या गर्ग और श्रेष्ठी सिंह, सीटीएमएस गोमती नगर के वैवस्वत नारायण दुबे ने 99.80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

भाजपा की नीतियों से खेती घाटे का सौदा बनी: सैलजा

चंडीगढ़, वार्ता

हरियाणा में सिरसा सीट से सांसद कुमारी सैलजा ने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार की नीतियों के कारण खेती किसानों के लिए घाटे का सौदा बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा पूरा नहीं हुआ, जबकि खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल और कृषि उपकरणों की कीमतों में लगातार वृद्धि से खेती की लागत बढ़ी है।

कुमारी सैलजा ने यहां एक बयान में कहा कि हाल ही में एनपीके और पोटाश जैसे उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी से किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। उनके अनुसार खेती के लिए आवश्यक संसाधनों के महंगे होने से किसानों की परेशानियां बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को राहत देने के लिए कृषि आदानों की कीमतों पर नियंत्रण, डीजल पर राहत तथा फसलों के लिए लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने केंद्र सरकार से उर्वरकों की बढ़ी हुई कीमतें वापस लेने और किसानों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करने की मांग की। वह कांग्रेस किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों को उठाती रही हैं और आगे भी किसानों के अधिकारों के लिए आवाज उठाती रहेंगी।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

छी के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 74267.34
निफ्टी 23382.60

सोना 160400
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 269700
प्रति किलो

सप्ताह के पहले दिन लुढ़के शेयर बाजार

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में सप्ताह के पहले दिन शुरुआती तेजी के बाद गिरावट देखी गई। बीएसई का सेंसेक्स 508.40 अंक (0.68 प्रतिशत) लुढ़ककर 74,267.34 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी.50 सूचकांक भी 165.15 अंक यानी 0.70 फीसदी उतरकर 23,382.60 अंक पर रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से निवेश धारणा प्रभावित हुई है।

कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड वायदा आज तीन प्रतिशत से ज्यादा चढ़कर 94 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। वृहत बाजार में बिकवाली और ज्यादा रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.21 प्रतिशत और स्मॉलकैप.100 सूचकांक 0.88 प्रतिशत टूट गया। आईटी, मीडिया और धातु को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों में बिकवाली हावी रही। आईटी समूह का सूचकांक 2.66 फीसदी चढ़ा। इस सेक्टर में पिछले कुछ समय से लिवाली चल रही है। एफएमसीजी, बैंकिंग, वित्त, ऑटो, रियलटी, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों में ज्यादा गिरावट रही। सेंसेक्स की कंपनियों में हिंदुस्तान यूनी. लिवर का शेयर तीन प्रतिशत के करीब लुढ़क गया।

आईटीसी में भी ढाई फीसदी की गिरावट रही। ईंधन के दाम बढ़ने से दोनों एफएमसीजी कंपनियां दबाव में हैं। एनटीपीसी और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर दो प्रतिशत से ज्यादा टूट गए। कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, टाइटन, एशियन पेंट्स, अडानी पोर्ट्स और भारती एयरटेल में भी एक प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। आईटी कंपनियों टेक महिंद्रा और इंफोसिस के शेयर साढ़े तीन से चार प्रतिशत तक की बढ़त में बंद हुए। टीसीएस, इंडिगो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टाटा स्टील के शेयर भी ऊपर बंद हुए।

सर्राफा बाजार में उथल-पुथल, सोना 2,500 रुपये टूटा चांदी भी 5,000 लुढ़की

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का सीधा असर अब सर्राफा बाजार पर दिखाई दे रहा है। वैश्विक बाजारों में आई इस उथल-पुथल और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच, सोमवार को भारतीय सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कीमती धातुओं के भाव धड़ाम हो गए। बाजार में बिकवाली के अहम आंकड़े इस प्रकार हैं। सोना: 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,500 रुपये (1.53:) की भारी गिरावट के साथ 1,60,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। पिछले कारोबारी सत्र (शुक्रवार) में यह 1,62,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतों में भी जोरदार गिरावट देखी गई है। यह 5,000 रुपये (लगभग 2 प्रतिशत) फिसलकर 2,69,700 रुपये प्रति किला. ग्राम पर आ गई है। पिछले सत्र में इसका भाव 2,74,700 रुपये था। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, इस भारी गिरावट के पीछे भू- राजनीतिक तनाव और मजबूत होता डॉलर मुख्य कारण हैं।

विनिर्माण गतिविधियों की रफ्तार मई में और मजबूत हुई

मुंबई, वार्ता

घरेलू मांग आने और तैयार माल का भंडार बढ़ाने की कंपनियों की रणनीति के कारण मई में विनिर्माण क्षेत्र की गति. विधियों में तेजी देखी गई। माह.दर.माह आंकड़ों की तुलना के आधार पर एचएसबीसी द्वारा जारी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अप्रैल के 54.7 से बढ़कर मई में 55.0 पर पहुंच गया। यह मार्च में 54.3 रहा था। सूचकांक 50 से जितना ऊपर होता है वह गतिविधियों में उतनी ही तेजी दर्शाता है जबकि 50 से यह जितना नीचे रहता है गतिविधियों में उतनी ही बड़ी गिरावट का संकेत होता है।

वहीं 50 का स्तर स्थिरता दिखाता है। पीएमआई सूचकांक तैयार करने के लिए नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्तिकर्ता को डिलिवरी में लगने वाले समय और कच्चे माल के भंडार जैसे कारकों का विश्लेषण किया जाता है। भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भट्टाचार्य ने कहा कि पीएमआई के आंकड़े दिखाते हैं कि पश्चिम संकट के अनसुलझे रहने के बीच विनिर्माता एक बार फिर तैयार माल का भंडार बढ़ा रहे हैं। उत्पादन वृद्धि में तेजी आई है। साथ ही कच्चे माल की खरीद और तैयार माल का भंडार उससे भी कहीं तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि घरेलू मांग आने से नए ऑर्डर में भी तेजी दर्ज की गई। हालांकि निर्यात के ऑर्डर की रफ्तार कम हुई है। अप्रैल की तुलना में लागत मुद्रास्फीति में मामूली राहत रही, जबकि उत्पादों की मुद्रास्फीति उससे कहीं तेजी से गिरी। यह दिखाता है कि कंपनियां कम मुनाफे पर सामान बेच रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्पादन बढ़ाने के लिए कंपनियों ने नए रोजगार दिए। हालांकि रोजगार बढ़ने की रफ्तार अप्रैल के मुकाबले कम थी, लेकिन फिर भी यह मजबूत रही।

प्रधानमंत्री ने छह वर्ष पूरे होने पर पीएम स्वनिधि योजना की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के छह साल पूरे होने पर इसके प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि इस पहल ने बिना गारंटी ऋण, वित्तीय समावेशन और विकास के अवसर प्रदान कर अनगिनत रेहड़ी पटरी वालों के जीवन को बदल दिया है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, योजना के लाभार्थियों को शुभकामनाएं दीं और देश की अर्थव्यवस्था में उनके योगदान की सराहना की। श्री मोदी ने कहा, ष्आज हम पीएम स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे कर रहे हैं, जिसने बिना गारंटी ऋण, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसरों तक पहुंच सुनिश्चित करके अनगिनत रेहड़ी पटरी वालों के जीवन को बदल दिया है। यह

योजना विश्वास, गरिमा और सशक्तिकरण के बारे में है। सभी लाभार्थियों को मेरी शुभकामनाएं, जिनका दृढ़ संकल्प और उद्यम हमारे देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना जारी रखता है। केंद्र सरकार द्वारा जून 2020 में कोविड महामारी के बीच शुरू की गई, पीएम स्वनिधि को उन रेहड़ी पटरी वालों को आर्थिक सहारा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था जिनकी आजीविका लॉकडाउन और आर्थिक व्यवधानों से गंभीर रूप से प्रभावित हुई थी। यह योजना पात्र विक्रेताओं को बिना किसी गारंटर के कार्यशील पूंजी ऋण प्राप्त करने में सक्षम बनाती है, जिससे उन्हें अपने व्यवसाय को फिर से शुरू करने और विस्तार करने में मदद मिलती है। पिछले कुछ वर्षों में, यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरा है जिसका उद्देश्य सड़कों पर रेहड़ी पटरी लगाने वालों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में लाकर उनके बीच वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना है। लाभार्थियों को डिजिटल लेनदेन अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है और वे समय पर ऋण चुकौती से जुड़े प्रोत्साहन के पात्र हैं। सरकारी अधिकारियों ने पीएम स्वनिधि को एक परिवर्तनकारी कल्याणकारी उपाय के रूप में वर्णित किया है जिसने शहरी क्षेत्रों में लाखों छोटे उद्यमियों को सशक्त बनाया है, जिससे उन्हें अपनी आय में सुधार करने और अपनी वित्तीय लचीलापन मजबूत करने में मदद मिली है।

लेखपाल भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले पर सियासत तेज

शाह टाइम्स ब्यूरो

प्रयागराज। प्रदेश की लेखपाल भर्ती परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले को लेकर प्रयागराज में छात्र आंदोलन और राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह सोमवार को प्रयागराज पहुंचे और प्रतियोगी छात्रों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संजय सिंह ने प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। इस मौके पर कांग्रेस के पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता केके राय भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उस समय विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब प्रशासनिक अधिकारियों ने सर्किट हाउस परिसर में आयोजित संवाद कार्यक्रम को लेकर आपत्ति जताई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार इस दौरान एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा और पुलिस अधिकारियों के साथ सांसद संजय सिंह की तीखी बहस भी हुई। हालांकि बाद में छात्रों और प्रतिनिधिमंडल के बीच संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय सिंह ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

छात्रों से मिले संजय सिंह

उप्र को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने में ग्राहक-केंद्रित व्यवसाय की भूमिका अहम

लखनऊ, वार्ता

प्रसिद्ध प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता एवं मुंबई डब्बावाला मॉडल के लिए चर्चित डॉ. पवन अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में ग्राहक-केंद्रित व्यवसायों और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

लखनऊ के एक होटल में आयोजित बीएनआई नेटकॉन 2026 को संबोधित करते हुए डॉ. अग्रवाल ने कहा कि ग्राहक संतुष्टि किसी भी सफल व्यवसाय की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राहक संतुष्टि प्रत्येक व्यवसाय का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए। किसी भी संगठन की हर गति. विधि ग्राहक-केंद्रित होनी चाहिए और ग्राहक को सर्वोत्तम अनुभव प्रदान करना प्रत्येक कर्मचारी और प्रबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है। विश्व की प्रमुख बिजनेस नेटवर्किंग एवं रेफरल संस्था बीएनआई (बिजनेस नेटवर्क इंटरनेशनल) द्वारा आयोजित नेटकॉन 2026 में 900 से अधिक उद्यमियों, पेशेवरों, निर्माताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के व्यवसायियों के बीच नेटवर्किंग, रेफरल और रणनीतिक सहयोग को बढ़ावा देना था। आयोजकों के अनुसार इस वर्ष के आयोजन से 30 करोड़ रुपये से अधिक के संभावित व्यावसायिक अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है, जो पिछले संस्करण की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। बीएनआई नॉर्थ लखनऊ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर संजय तिवारी ने कहा कि आर्थिक विकास का आधार विश्वास और सहयोग पर आधारित व्यावसायिक संबंध होते हैं। उन्होंने कहा कि नेटकॉन ऐसा मंच उपलब्ध कराता है, जहां उद्यमी एक-दूसरे से जुड़ते हैं, नए अवसर तलाशते हैं और साझेदारी के माध्यम से विकास की नई संभावनाएं निर्मित करते हैं।

ग्राहक संतुष्टि किसी भी सफल व्यवसाय की आधारशिला: अग्रवाल

सीएम ने 276 अभ्यर्थियों को दी नियुक्ति पत्र की सौगात

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, प्राविधिक शिक्षा विभाग, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग तथा वन विभाग के अंतर्गत चयनित कुल 276 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। जिसमें वन विभाग के अंतर्गत 109, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत 88, प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 65 एवं नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग में चयनित 14 अभ्यर्थी शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी नवचयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्यसेवक सदन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि जनसेवा के नए दायित्व की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि वर्षों के परिश्रम, अनुशासन, संघर्ष और धैर्य के बाद युवाओं को यह सफलता प्राप्त हुई है, जो उनकी प्रतिभा, आत्मविश्वास और समर्पण का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं को पूर्णत: पारदर्शी, निष्पक्ष एवं जवाब. देह बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नकल माफियाओं और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए राज्य में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। इसके परिणामस्वरूप आज प्रदेश में युवाओं की सफलता का आधार केवल उनकी योग्यता और मेरिट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कि पिछले साढ़े चार वर्षों में लगभग 33 हजार युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता एवं मेरिट के आधार पर सरकारी सेवाओं से जोड़ने का कार्य किया गया है।

नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, प्राविधिक शिक्षा विभाग, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग तथा वन विभाग के अंतर्गत चयनित हुए अभ्यर्थी , कहा - नियुक्ति पत्र प्राप्त करना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि जनसेवा के नए दायित्व की शुरुआत

उन्होंने नवचयनित कार्मिकों से अपेक्षा की कि वे अपनी कार्यकुशलता, ईमानदारी, संवे. दनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के माध्यम से जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में जब योग्य और कर्मठ युवा आगे आते हैं, तब विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है।

कहा, प्रदेश में आधारभूत संरचना का तेजी से हो रहा विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत-2047 के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार भी विक. सित उत्तराखंड के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हो रहा है, निवेश बढ़ रहा है तथा युवाओं के लिए नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ऐसी कार्यसंस्कृति को बढ़ावा दे रही है, जहां घोषणा से अधिक डिलीवरी, वादों से अधिक परिणाम और राजनीति से अधिक विकास को महत्व दिया जाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवचयनित युवा अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करते हुए उत्तराखंड के विकास और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों में चयनित युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के कार्मिक प्रदेश के सुनियोजित विकास में योगदान देंगे, प्राविधिक शिक्षा विभाग से जुड़े युवा तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा देंगे, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के कार्मिक मातृ एवं बाल कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों का निर्वहन करेंगे तथा वन विभाग में चयनित युवा राज्य की वन संपदा एवं जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, डॉ. धन सिंह रावत, रेखा आर्या, खजान दास, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक सविता कपूर, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, चन्द्रेश कुमार, डॉ. आर. राजेश कुमार एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कुमार का उत्तराखंड भाजपा को अजेय बनाने में अहम योगदान : चौहान

सांगठनिक प्रक्रिया अनुसार नई भूमिका के लिए अजेय को दी शुभकामनाएं

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून । भाजपा प्रदेश संगठन मंत्री अजेय कुमार को राजस्थान में पार्टी प्रदेश महामंत्री संगठन की जिम्मेदारी के लिए प्रदेश भाजपा परिवार की तरफ से शुभकामनाएं दी गई ।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने कहा कि अजेय कुमार के कुशल नेतृत्व में भाजपा ने चुनावी रणनीति में अजेय बनते हुए, संगठनिक विस्तार के क्षेत्रों में अपार सफलता हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन द्वारा सामान्य सांगठनिक प्रक्रिया के तहत उन्हें राजस्थान में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। जिसका उद्देश्य संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा संगठनात्मक गतिविधियों को गति देना है। उन्होंने प्रदेश महामंत्री संगठन के शानदार दो कार्यकाल के रूप में उन्होंने उत्तराखंड में पार्टी को बहुमूल्य योगदान दिया है। उनकी कुशल रणनीति, शानदार प्रबंधन और दूरदर्शी मार्गदर्शन में उत्तराखंड में पार्टी ने 2022 विधानसभा चुनाव समेत 2024 लोकसभा एवं निकाय, पंचायत आदि लगभग सभी चुनाव में प्रचंड जीत हासिल की है। इतना ही नहीं संगठन के विस्तार की दृष्टि से बूथ से लेकर पन्ना स्तर तक कार्यकर्ताओं को मजबूती से स्थापित करने उनके मार्गदर्शन में पार्टी सफल हुई है। देवभूमि का प्रत्येक कार्यकर्ता भी उनके संवे. दनशील, गभीर, अपनत्व और सबकी चिंता करने वाले व्यवहार को हमेशा याद रखेगा।

उन्होंने अजेय कुमार को राजस्थान में मिली बड़ी भूमिका को लेकर प्रसन्नता जताते हुए अनंत शुभकामनाएं दी। वहीं पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने भरोसा जताया कि उनका अनुभव राजस्थान में भाजपा के संगठनात्मक ढांचे को अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में अहम योगदान देने का काम करेगा।

उत्तराखंड के आईटीआई में बढ़ेंगी सीटें और सुविधाएं

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के कौशल विकास एवं सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में छात्र संख्या बढ़ाने, सुविधाओं के विस्तार और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण को मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

सोमवार को आयोजित बैठक में मंत्री ने आगामी प्रवेश सत्र को देखते हुए विभागीय योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कौशल विकास योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाई जाए, ताकि छात्र प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार के बेहतर अवसर हासिल कर सकें। इसके लिए स्कूलों और कॉलेजों के अभिभावकों के साथ संवाद स्थापित करने तथा शिक्षण संस्थानों के आसपास विभागीय योजनाओं से संबंधित होर्डिंग लगाने के निर्देश भी दिए गए।

168 नए प्रशिक्षकों की होगी तैनाती: सौरभ बहुगुणा

मंत्री ने बताया कि देहरादून के निर. जनपुर, श्रीनगर और अल्मोड़ा स्थित आईटीआई में टीवीएस कंपनी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन आगामी 16 तारीख को किया जाएगा। इन केंद्रों के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा ज्जं ज्मबीदवसवहपमे को सौंपे गए 13 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जुलाई माह से अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इसके लिए आवश्यक मशीनरी और प्रशिक्षकों की व्यवस्था टाटा टेक्नोलॉजीज के माध्यम से कर दी गई है।सौरभ बहुगुणा ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 32 आईटीआई ड्यूल सिस्टम ऑफ ट्रेनिंग (डीएसटी) मॉडल के तहत संचा. लित हो रहे हैं, जिसमें छात्र छह माह संस्थान और छह माह उद्योगों में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। युवाओं को अधिक रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऐसे आईटीआई की संख्या बढ़ाकर 45 करने की तैयारी की जा रही है।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग प्रदेश में 168 नए आईटीआई प्रशिक्षकों की नियुक्ति करने जा रहा है, जिससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता में सुधार होगा और संस्थानों में शिक्षण व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ बनेगी।

बैठक में कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग के निदेशक संजय कुमार, संयुक्त निदेशक मनमोहन कुड़ियाल, उपनिदेशक शैलेन्द्र शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

रानीखेत स्थित को-ऑपरेटिव ड्रग फैक्ट्री के फिर बहुरेंगे दिन: डॉ. रावत

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में सहकारिता आधारित औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ (यूसीएफ) आगे आया हे। यूसीएफ ने लंबे समय से निष्क्रिय पड़ी रानीखेत स्थित को-ऑपरेटिव ड्रग फैक्ट्री (सीडीएफ) और हल्दूचौड़ स्थित उत्तराखंड स्टेट मेडिसिन एंड पैरामेडिकल्स लिमिटेड (यूएमपीएल) को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया गया है। दोनों इकाइयों में आधुनिक मशीनरी, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और उन्नत उत्पादन प्रणाली स्थापित कर आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण शुरू किया जाएगा।

सूबे के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार सहकारिता क्षेत्र को आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से वर्षों से बंद पड़ी सहकारी औद्योगिक इकाइयों को पुनर्जीवित कर उन्हें आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीडीएफ और यूएमपीएल के पुनरुद्धार के लिए यूसीएफ ने व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। दोनों इकाइयों में नवीनीकरण, आधुनिक उपकरणों की स्थापना तथा गुणवत्ता आधारित उत्पादन प्रणाली विकसित की जा रही है, जिससे उत्तराखंड को आयुर्वेदिक औषधि निर्माण के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी।

यूसीएफ ने तैयार किया निष्क्रिय पड़ी औद्योगिकी इकाईयों के पुनरुद्धार का रोडमैप, कहा,स्टेट मेडिसिन एंड पैरामेडिकल्स लिमिटेड का भी होगा कायाकल्प

200 से अधिक युवाओं को मिलेगा प्रत्यक्ष रोजगार

डॉ. रावत ने बताया कि दोनों इकाइयों के पूर्ण संचालन से स्थानीय स्तर पर 200 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। रानीखेत, हल्दूचौड़ और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को रोजगार मिलने के साथ-साथ औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती करने वाले 500 से 1000 किसान भी सीधे इन इकाइयों से जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कच्चे माल की आपूर्ति, परिवहन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, विपणन और वितरण जैसी गतिविधियों के माध्यम से हजारों लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार एवं आजीविका के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

100 करोड़ रुपये वार्षिक कारोबार का लक्ष्य

सहकारिता मंत्री ने बताया कि दोनों इकाइयों के पूर्ण क्षमता से संचालन के बाद लगभग 100 करोड़ रुपये वार्षिक कारोबार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे प्रतिवर्ष 10 से 15 करोड़ रुपये तक लाभ अर्जित होने की संभावना है। आधुनिक तकनीक और उच्च गुणवत्ता मानकों के माध्यम से सीडीएफ और यूएमपीएल को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी संस्थानों के रूप में विकसित किया जाएगा।

'आयुर्वेदिक उत्पादों का होगा व्यापक उत्पादन'

दोनों इकाइयों में चूर्ण, वटी, रस, भस्म, तैल, आसव-अरिष्ट, गुग्गुल तथा पाक-अवलेह जैसी पारंपरिक आयुर्वेदिक औषधियों का निर्माण किया जाएगा। इनमें महाशंख वटी, आरोग्यवर्धिनी वटी, त्रिफला चूर्ण, अश्वगंधा चूर्ण, अर्जुनारिष्ट, दशमूलारिष्ट, महानारायण तैल एवं अभ्रक भस्म शामिल रहेंगे।

सहकारिता आधारित औद्योगिक विकास का बनेगा मॉडल

डॉ. रावत ने कहा कि उत्तराखंड औषधीय एवं सुगंधित वनस्पतियों की दृष्टि से देश के सबसे समृद्ध राज्यों में शामिल है। राज्य सरकार का उद्देश्य किसानों को औषधीय खेती से जोड़ना, युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना तथा सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि सीडीएफ और यूएमपीएल का पुनर्संचालन केवल औषधि उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा , बल्कि यह सहकारिता आधारित औद्योगिक विकास का एक आदर्श मॉडल बनकर उभरेगा।

खण्डूड़ी का व्यक्तित्व व जीवन दर्शन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत : धामी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को गढ़ी कैंट स्थित स्वर्गीय हरबंश कपूर मेमोरियल कम्युनिटी हॉल में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारत सरकार के पूर्व मंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खण्डूड़ी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खण्डूड़ी का व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने एक अनुशासित सैनिक, दूरदर्शी प्रशासक, आदर्श जनप्रति. निधि तथा उत्तराखंड के विकास पुरुष के रूप में अपने जीवन का प्रत्येक क्षण राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया।

श्रद्धांजलि सभा में पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खण्डूड़ी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन किए अर्पित

मुख्यमंत्री ने कहा कि खण्डूड़ी कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, सादगी और राष्ट्रसेवा के ऐसे प्रतीक थे, जिनके जीवन से सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समर्पण की प्रेरणा प्राप्त होती रहेगी।

मुख्यमंत्री धामी ने उनके सैन्य जीवन को स्मरण करते हुए कहा कि भारतीय सेना में रहते हुए उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में अद्वितीय साहस, नेतृत्व क्षमता और रणनीतिक कौशल का परिचय दिया। सेना के इंजीनियरिंग कार्यों में भी उन्होंने सीमांत क्षेत्रों के विकास और आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। राष्ट्र के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें 'अति विशिष्ट सेवा मेडल' से सम्मानित किया गया, जो उनकी कर्तव्यपरायणता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना से सेवानिवृत्ति के बाद भी खण्डूड़ी जी का जनसेवा का संकल्प निरंतर जारी रहा। वर्ष 1991 में गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित होने के बाद उन्होंने संसद में पृथक उत्तराखंड राज्य की मांग को मजबूती से उठाया और पाँच बार सांसद के रूप में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए पहाड़ की आवाज को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। उनके ओजस्वी विचारों और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता ने राज्य आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि खण्डूड़ी का व्यक्तित्व और उनका जीवन दर्शन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने स्वयं को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि उन्हें समय-समय पर खण्डूड़ी का स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त होता रहा, जिसने उनके सार्वजनिक जीवन को दिशा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री के रूप में खण्डूड़ी जी ने देश के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। श्रद्धांजलि सभा में विधानसभा अध्यक्ष रितु खण्डूड़ी, पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी , स्वामी रामदेव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभिन्न साधु संत,गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सीएम ने की सीमांत पर्यटन विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

शाह टाइम्स ब्यूरो

चमोली। जनपद चमोली की नीति घाटी में 31 मई से 2 जून तक आयोजित 'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन' के पुरस्कार वितरण समारोह में वर्चुअल माध्यम से जुड़ते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने क्षेत्र में पर्यटन विकास को नई गति देने को कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आजीविका सुदृढ़ करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसी क्रम में जनपद चमोली के नीति, मलारी, कोशा, फरकिया, बाम्पा, गुरगुटी, कैलाशपुर एवं

मुख्यमंत्री धामी की नीति घाटी को बड़ी सौगात, नीति घाटी में पर्यटन विकास को नई उड़ान, बॉर्डर टूरिज्म और होम स्टे विकास को मिलेगा बढ़ावा

महरगांव में सामुदायिक सहभागिता आधारित पर्यटन को प्रोत्साहित किया जाएगा।

इसके अंतर्गत सामुदायिक होम स्टे निर्माण के साथ ग्रामीण पर्यटन हेतु आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि नीति घाटी के विभिन्न गांवों एवं प्रमुख पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की सुविधा के लिए साइनज एवं व्यू प्वाइंट विक. सित किए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त जनपद चमोली के रिमखिम एवं बाड़ाहोती क्षेत्र में बॉर्डर टूरिज्म को विकसित करने के उद्देश्य से 'सीमा दर्शन केंद्र' का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री धामी ने यह भी घोषणा की कि ग्राम गमशाली स्थित दुग्फूधार मैदान में आधारभूत सुविधाओं का विकास कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र में साहसिक पर्यटन एवं बड़े आयोजनों को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री श्री धामी की इन घोषणाओं से नीति घाटी सहित पूरे सीमांत क्षेत्र में पर्यटन, रोजगार एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

द्वाराहाट इंजीनियरिंग कॉलेज को शीघ्र मिलेगा नया कुलसचिव

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। बिपिन त्रिपाठी कुमाऊं प्रौद्योगिकी संस्थान, द्वाराहाट में शीघ्र ही नियमित कुलसचिव की नियुक्ति की जायेगी। इसके लिये प्राविधिक शिक्षा विभाग के निद. `शक को निर्देश दे दिये गए हैं, ताकि संस्थान में प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके।

सूबे के तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने सोमवार को अपने शासकीय आवास पर तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। जिसमें उन्होंने बिपिन त्रिपाठी कुमाऊं प्रौद्योगिकी संस्थान द्वाराहाट में नियमित कुलसचिव न होने पर विभागीय अधिकारियों से नाराजगी जताई। उन्होंने तकनीकी शिक्षा निद. `शक को एक सप्ताह के भीतर कुलसचिव की नियुक्ति को विज्ञप्ति जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नियमित कुलसचि. चव न होने से प्रशासनिक कार्यों में अवरोध उत्पन्न हो रहा है। जिसका

समीक्षा बैठक में तकनीकी निदेशक को दिए शीघ्र नियुक्ति के निर्देश

खामियाजा छात्र-छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। बैठक में मंत्री ने प्रदेश के विभिन्न पॉलीटेक्निक कॉलेजों के छात्रावासों की स्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कई छात्रावासों में आवश्यक मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्य लंबित होने पर अधिकारियों को फटकार लगाते हुए सभी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

डॉ. रावत ने पॉलीटेक्निक संस्थानों में खेल मैदानों के विकास, खेल सामग्री की उपलब्धता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गति. विधियों को भी बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है। डॉ रावत ने बैठक में प्रत्येक जनपद में एक-एक मॉडल पॉलीटेक्निक संस्थान विकसित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही विभाग के अंतर्गत संचालित पॉलीटेक्निक कॉलेजों एवं अन्य तकनीकी संस्थानों में लंबे समय से रिक्त पड़े विभिन्न संवर्गों के पदों को शीघ्र भरने तथा पदोन्नति के पात्र कार्मिकों को समयबद्ध रूप से पदोन्नत करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में सचिव तकनीकी शिक्षा डॉ रंजीत सिन्हा, कुलपति तकनीकी विश्वविद्यालय प्रो. तृप्ता ठाकुर, निदेशक तकनीकी शिक्षा देशराज, उप सचिव ब्योमकेश दुबे सचिव यूबीटीआर डॉ मुकेश पांडेय सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों के लिए 191 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुम्भ मेला-2027 की तैयारियों के साथ ही राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास के तहत बाढ सुरक्षा कार्यों, विभिन्न सड़कों एवं शासकीय आवासों के निर्माण तथा सार्वजनिक सुविधाओं से संबंधित योजनाओं के लिए 191 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने जनपद देहरादून के रायपुर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत प्रभावित क्षेत्र में सांग नदी के चौनलाईलेशन के लिए 3.62 करोड़, विकासनगर कॉलोनी में नलकूप निर्माण के लिए 63.62 लाख स्वीकृत किये जाने के साथ ही जनपद हरिद्वार में पुराना दिल्ली नीतिपास राज्य मार्ग एवं हरिद्वार, शहर लोक निर्माण विभाग के

अधीन अन्य आन्तरिक मार्गो के निर्माण के लिए 21.64 करोड स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री द्वारा जनपद टिहरी गढ़वाल के अन्तर्गत बाह्य न्यायालय नरेन्द्रनगर में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए टाईप-2 के 09 आवासों एवं टाईप-3 के 02 आवासो के प्रथम चरण के कार्यों के लिए लागत 5. 42 लाख, राजकीय विशेष गृह, हरिद्वार परिसर में राजकीय सुरक्षा

कुम्भ मेला-2027 की तैयारियों के साथ ही राज्य के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में कार्यों को मिलेगी तेजी

का स्थान भवन के निर्माण कार्य के लिए 5.55 करोड़, पर्यटन विभाग के अन्तर्गत, जनपद नैनीताल के विकासखण्ड रामगढ़ में मोहन बाजार मुक्तेश्वर में कार पार्किंग निर्माण के लिए 9.89 करोड़, कारागार विभाग के अन्तर्गत, सम्पूर्णानन्द शिविर, सितारगंज को पुरानी गौशाला के टिन शैड के निर्माण के लिए धनराशि 32.74 लाख तथा विधानसभा क्षेत्र सितारगंज के अन्तर्गत निर्माणाधीन पर्वतीय विकास भवन के अवशेष कार्यों को पूर्ण करने के लिए 80 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने के साथ ही जनपद बागेश्वर में काण्डा क्षेत्र के अन्तर्गत मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण के लिए 5.41 करोड़ स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा उत्तराखण्ड पावर कॉरपोरेशन को आर०डी०एस०एस० योजना के अन्तर्गत संचालित कार्यों के लिए 70 करोड़ अवमुक्त किये जाने के साथ ही आस्था पथ परियोजना, ऋषिकेश के सौन्दर्यीकरण के लिए 35.78 करोड स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अन्तर्गत निर्माणाधीन योजनाओं हेतु चालू वित्तीय वर्ष में अंशपूजी के रूप में कुल धनराशि 25 करोड एवं भवनों के ऊपर से गुजरने वाली विभिन्न, विभव (वोल्टेज) की विद्युत लाईनों को शिफ्ट किए जाने के लिए 5 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा कुम्भ मेला-2027 के अन्तर्गत जनपद हरिद्वार में श्री प्रेमनगर आश्रम गंगा घाट का सौन्दर्यीकरण किये जाने के लिए 1.50 करोड़ तथा वीरभद्र बैराज ऋषिकेश से चंडी घाट हरिद्वार तक सड़क की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए 4.68 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा विकासखण्ड कनालीछीना के ग्राम पंचायत सुरूण में कालसीन देवता मन्दिर में धर्मशाला निर्माण एवं मार्ग का चौड़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण के लिए 27 लाख तथा विकासखण्ड जौनपुर के तहसील नैनबाग के अन्तर्गत ग्राम विरोड़ में स्थित नाग देवता के प्राचीन मन्दिर के नवनिर्माण एवं सौन्दर्यीकरण के लिए ₹ 49.86 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

फैक्ट्री लगाने के नाम पर साढ़े चार करोड़ की धोखाधड़ी, केस दर्ज

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। एक व्यक्ति ने फैक्ट्री लगाने के नाम पर करीब साढ़े चार करोड़ रूपये की धोखाधड़ी करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। सेक्टर-3, रोहणी, दिल्ली स्थित पेरामाउंट पॉलीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर संजीव गोयल पुत्र स्व. देवेन्द्र गोयल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसे उक्त कम्पनी की यूनिट उत्तराखण्ड में प्रारम्भ करनी थी। जिसके लिए उसने महुआखेड़ गंज स्थित जमीन का सौदा का इकरारनामा 12 दिसंबर 2022 को मैसर्स अडोराटैक्स द्वारा महुआखेड़ा गंज निवासी मैसर्स होम फ्लोरिंग एण्ड डेकोर प्रा. लि. के मालिक मौ. रिजवान अंसारी पुत्र स्व. हाजी मोहम्मद इलियास के साथ तेरह करोड इकत्तीस लाख रूपये किया था तथा पेरामाउंट पॉलीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड के हक में भूमि, प्लांट मशीनरी समस्त निर्माण सहित का इकरारनामा तहरीर कराकर नोटरी अधिवक्ता के समक्ष तस्दीक किया गया।

भूमि के एवज में एक करोड़ 45 लाख रूपये चेक व आरटीजीएस के माध्यम से मौ. रिजवान अंसारी को दिये थे तथा भूमि का बैनामा 28 नवंबर 2024 को होना तय किया गया था। मौ. रिजवान अंसारी ने कहा कि जब-तक बैनामें का समय आयेगा तब तक उक्त फैक्ट्री की मशीनों की मरम्मत कराकर अपने उपयोग में लेलों और इसका 705500 रूपये किराया दे देना। जिसके बाद किरायानामा पंजीकृत कराया गया। मौ. रिजवान अंसारी ने उससे 70,77,531 का तैयार माल खरीदा और उसकी रकम जमीन के बैनामे की धनराशि में सम्मिलित को कहा गया। इसके बाद उसने मौ. रिजवान अंसारी को अलग-अलग तिथियों में एक करोड़ तीस लाख रूपये और दिये। फैक्ट्री की मरम्मत में लगभग अस्सी लाख रूपये भी लगाये गये। कुछ समय के बाद जमीन के मूल्यों में वृद्धि होने लगी तो मौ. रिजवान अंसारी ने सौदे की कीमत में वृद्धि करने को कहा तो उसने पूर्ण धनराशि लेकर बैनामा कराने को कहा तो मौ. रिजवान व उसके रिश्तेदार मुन्ना अंसारी ने कहा कि यह जमीन बैंक में गिरवी रखी हुयी है बैंक से ऋण मुक्त नहीं हो सकती है। हम तुम्हे यह जमीन नहीं देंगे। जिसके बाद उनके डराने धमकाने व दबाव बनाने पर माह जून 2023 में उसने फैक्ट्री खाली कर दी। जिसके बाद चार करोड़ पच्चीस लाख सतत्तर हजार पांच सौ इकत्तीस रूपये मौ. रिजवान द्वारा तीन माह में वापस करने को कहा। जब उसने समयानुसार पैसे मांगे तो मौ. रिजवान अंसारी और मुन्ना अंसारी धनराशि वापस नहीं की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिंदुखत्ता में राशन कार्ड सत्यापन शुरू, 8 अपात्र चिह्नित

शाह टाइम्स संवाददाता

लालकुआं। बिंदुखत्ता क्षेत्र में चल रहे राशन कार्ड सत्यापन अभियान के दौरान 25 एकड़ कालोनी में 130 राशन कार्डों की जांच में 8 सफेद राशन कार्डधारक अपात्र पाए गए हैं। जांच में सामने आया कि संबंधित परिवारों के सदस्य सेंचुरी पल्प एंड पेपर मिल में स्थायी नौकरी कर रहे हैं और नियमित आय के बावजूद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ ले रहे थे। उपजिलाधिकारी रेखा कोहली के निर्देशन में गठित टीम द्वारा घर-घर जाकर दस्तावेज, आय और पात्रता का सत्यापन किया जा रहा है। शासन के निर्देश पर क्षेत्र में संचालित 9,645 स्फेद, 211 अंत्योदय और 5,439 पीले राशन कार्डों की जांच की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच में अपात्र पाए जाने वाले कार्डधारकों के राशन कार्ड निरस्त किए जाएंगे और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सत्यापन अभियान एक माह के भीतर पूरा कर रिपोर्ट जिला पूर्ति अधिकारी को सौंपी जाएगी।

एक नजर

पुलिस पर हमला करने के दो आरोपी गिरफ्तार

काशीपुर। सत्यापन के दौरान पुलिस पर हमला करने और सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने के दो आरोपियों को काशीपुर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। रविवार को कोतवाली काशीपुर की पुलिस टीम एसआरएफ फैक्ट्री एवं गड्ढा कॉलोनी में सत्यापन कार्य में जुटी थी कि इसी दौरान सरकारी गाड़ी से गलत साइड से आ रहे पारस नाम के लड़के की मोटर साइकल टकरा गई और उसे हल्की फुलकी खरोंचें आ गई। इस पर उक्त पारस नाम का उक्त लड़का उग्र होकर गालीगलौच करता हुआ मौके से चला गया तथा थोड़ी देर बाद अपने भाई पीयूष और चाची के साथ मौके पर आ गया और पुलिसकर्मियों से गालीगलौच करते हुए और चालक वीरेंद्र का गिरेबान पकड़कर खींचने लगा। जिस कारण उसकी वर्दी फट गई और चोटें भी आ गईं। इसके अलावा पीयूष द्वारा भी पुलिस से गालीगलौच करते हुए धमकी देकर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई। पारस अधिकारी पुत्र श्याम सिंह अधिकारी निवासी कुमाऊं कालोनी काशीपुर और पीयूष अधिकारी पुत्र दीवान सिंह अधिकारी निवासी कुमाऊं कॉलोनी काशीपुर को उनके जुर्म से अवगत कराते हुए हिरासत में लिया गया।

देहरादून के लिए एसी बस चलाने की मांग

काशीपुर। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बलकार सिंह ने काशीपुर से देहरादून के लिए एक वातानुकूलित रोडवेज बस का संचालन किये जाने की मांग उठाई है। उत्तराखंड परिवहन निगम के सहायक महाप्रबन्धक को लिखे पत्र में बलकार सिंह ने क्षेत्र की जनता की ओर से सशक्त मांग करते हुए कहा कि काशीपुर से देहरादून के लिए एक वातानुकूलित रोडवेज बस का संचालन किया जाना जन हित में अति आवश्यक है। उन्होंने सहायक महाप्रबन्धक से आग्रह किया है कि उक्त मांग का संज्ञान लेते हुए अतिशीघ्र रोडवेज बस का संचालन कराया जाये।

ससुरालियों ने मारपीट कर घायल किया

काशीपुर। साले से उधार के पैसे मांगने पर ससुरालियों ने युवक, उसके भाई व बहन का मारपीट कर घायल कर दिया। घटना में युवक व उसके भाई का हाथ टूट गया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने ससुरालियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। गड्ढा कॉलोनी निवासी अंजार पुत्र अनवार हुसैन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसने अपने साले गुलशेर को जरूरत पड़ने पर पैसे उधार दिये थे। जो उसने कुछ माह बाद वापस देने को कहा था। कहा कि उसकी बहन का विवाह 24 मई को होना था तो वह अपनी ससुराल में जाकर गुलशेर से पैसे मांगने लगा। जिस पर गुलशेर, अनीस, शमशेर व सलज कौसर और उसके परिवार के अन्य लोगों ने उसके साथ गाली-गलौच शुरू कर दी। विरोध करने पर उस पर हमला कर उसका सीधा हाथ तोड़ दिया। जब उसे बचाने उसकी बहन चांदनी व भाई फरमान आये तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की तथा उसके भाई का भी हाथ तोड़ दिया। आस-पड़ोस के लोगों ने बमुश्किल उन्हें बचाया। तहरीर में कहा कि उसकी पत्नी शबनम भी जब मायके गयी तो बहन के बनवाये गये जेवरात भी अपने साथ ले गई जो अब वापस नहीं कर रही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दुष्कर्म के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बागेश्वर। कपकोट पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार 29 मई को प्राप्त तहरीर के आधार पर कर्मी गांव निवासी उमेश सिंह पुत्र हीरा सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने रविवार शाम आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में अल्मोड़ा जेल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष प्रताप नगरकोटी ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सरयू नदी बाढ़ सुरक्षा परियोजना का शिलान्यास

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। कपकोट क्षेत्र के अंतर्गत केदारेश्वर मैदान, कपकोट में राज्य आपदा न्यूनीकरण मद से स्वीकृत 12 करोड़ 13 लाख की लागत की सरयू नदी बाढ़ सुरक्षा परियोजना का क्षेत्रीय विधायक सुरेश गढ़िया ने शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर विधायक गढ़िया ने कहा कि यह महत्वपूर्ण परियोजना सरयू नदी से होने वाले कटाव एवं बाढ़ के खतरे को कम करने में अहम भूमिका निभाएगी तथा क्षेत्र की आबादी, कृषि भूमि और सार्वजनिक परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन एवं जनसुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के तहत शुरू की गई यह योजना क्षेत्रवासियों को सरयू नदी के कटाव और बाढ़ की समस्या से स्थायी राहत प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और जनहितकारी पहल है। इस मौके पर अन्य वक्ताओं ने कहा कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना कपकोट क्षेत्र में आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगी तथा स्थानीय लोगों को लंबे समय से चली आ रही समस्या से राहत दिलाएगी। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष कपकोट गीता ऐठानी, ब्लॉक प्रमुख कपकोट भावना शाही, मंडल अध्यक्ष कपकोट प्रकाश जोशी, समाज कल्याण अनुश्रवण समिति सदस्य चम्पा देवी, मंडल अध्यक्ष शिखर हरीश कोरंगा, राम सिंह कोरंगा, प्रताप कठायत, भुवन गड़िया, ओम प्रकाश ऐठानी, गिरीश जोशी, सभासद गजेंद्र कपकोटी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

दो वारंटी गिरफ्तार

काशीपुर। कोतवाली आईटीआई पुलिस ने लंबे समय से फरार दो वारंटियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली आईटीआई विक्रम राठौर के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा की लंबे समय से न्यायालय में अनुपस्थित नहीं हो रहे दो वारंटियों आकाश कुमार उर्फ पंकज पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी खड़कपुर देवीपुरा थाना आईटीआई काशीपुर तथा कलवा उर्फ कलुवा पुत्र रघुनाथ निवासी श्यामपुरम कॉलोनी थाना आईटीआई काशीपुर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि ग्राम गोजाजाली उत्तर तहसील हल्द्वानी जिला नैनीताल के खसरा नं. -155/281 मध्ये रकबा 1800 वर्ग फीट से सम्बंधित पुरानी मूल रजिस्ट्री कहीं गुम हो गयी है। जिसके मिलने पर निम्न पते पर सूचित करें:-

विक्रेता-पृथ्वी पाल सिंह रावत पुत्र स्व. श्री सुरेन्द्र सिंह रावत निवासी मौ0 बद्रीपुरा हल्द्वानी नैनीताल।

क्रेता- श्रीमती सत्यवती काबरा पत्नी स्व. भगवत स्वरूप काबरा निवासी अब्दुल्लाह बिल्डिंग, बरेली रोड, हल्द्वानी (नैनीताल), जो सब रजिस्ट्रार कार्यालय (प्रथम) हल्द्वानी में बही संख्या-01, जिल्द सं.-626 पृष्ठ सं.-299/314 व क्रमांक 1879 तथा दिनांक-10.05.1999 को पंजीकृत है।

उपरोक्त रजिस्ट्री का उपयोग किसी भी व्यक्ति, बैंक अथवा संस्था द्वारा पूर्णतय: अवैध माना जाएगा। उक्त प्रॉपर्टी केनरा बैंक, मुख्य शाखा बरेली रोड हल्द्वानी में ऋण विरुद्ध साम्य मूलक बंधक की जा रही है। अगर किसी को कोई आपत्ति है तो केनरा बैंक हल्द्वानी से 7 दिन में लिखित सम्पर्क करें।

बिन्दुखत्ता राजस्व गांव के लिए 'चाय पर चर्चा'

राजनीतिक दलों से अपील, वन अधिकार संगठन अपना प्रत्याशी उतारने के मूड में

शाह टाइम्स संवाददाता

लालकुआं। वन अधिकार संगठन द्वारा बिंदुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित किए जाने की मांग को लेकर आयोजित 'चाय पर चर्चा' कार्यक्रम आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम सूबेदार केदार सिंह बिष्ट (पुराना बिंदुखेड़ा) के आवास पर आयोजित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वन अधिकार संगठन द्वारा अब तक राजस्व ग्राम की दिशा में किए गए प्रयास सराहनीय एवं ऐतिहासिक रहे हैं। लालकुआं विधानसभा क्षेत्र में 50 हजार से अधिक मतदाता गैर-राजस्व भूमि पर निवास कर रहे हैं, लेकिन उनके

स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। बैठक में सभी राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय राजनीतिक दलों से अपील की गई कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में वन भूमि पर बसे परिवारों में से किसी योग्य व्यक्ति को प्रत्याशी बनाने पर विचार करें। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि आचार संहिता लागू होने से पूर्व राजस्व ग्राम की अधिसूचना जारी नहीं होती है और किसी वन भूमि पर बसे व्यक्ति को उम्मीदवार नहीं बनाया जाता है तो वन अधिकार संगठन स्वयं अपना प्रत्याशी उतारने के विकल्प पर विचार कर सकता है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 19 जून 2026 को राजस्व ग्राम संबंधी दावों की स्वीकृति के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। पूर्व निर्धारित रणनीति के अनुसार मौसम अनुकूल होने पर जिला मुख्यालय का घेराव किया जाएगा तथा उसके उपरांत राजधानी देहरादून के परेड ग्राउंड में आमरण अनशन प्रारंभ करने की तैयारी की जाएगी। कार्यक्रम में सुबेदार मेजर खिलाफ सिंह दानू, कैप्टन प्रताप सिंह बिष्ट, कैप्टन चंचल सिंह कोरंगा, कैप्टन इंद्र सिंह पनेरी, सूबेदार केदार सिंह बिष्ट, सुबेदार बलवन्त सिंह बिष्ट, अर्जुन नाथ गोस्वामी, बलवंत सिंह बिष्ट एडवोकेट, भुवन भट्ट, गोविंद बोरा, सुंदर बिष्ट, दर्शन सिंह, रमेश सुयाल, एसडी मेलकानी, तारा दत्त जोशी, दीपक नेगी, भूपेश जोशी, धन सिंह गड़िया, प्रदीप कुंवर, गोबिन्द सिंह बिष्ट सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आंखों की जांच कर वितरित की दवाएं

अल्मोड़ा। कल्याणिका हिमालय देवस्थानम धर्माथ चिकित्सालय कनरा (डोल) में निशुल्क चिकित्सा विभाग शुरू हो गया है। सोमवार को चिकित्सा विभाग का शुभारंभ पूर्व विस अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों की निशुल्क आंखों की जांच की गई। वहीं, कुंजवाल ने क्षेत्र की जनता से अपील की आंखों से संबंधित किसी भी बीमारी के रोगी इस निशुल्क चिकित्सालय में आकर अपनी आंखों की जांच अवश्य कराए। बताया कि आंखों से संबंधित समस्त बीमारियों का इलाज निशुल्क किया जाएगा। यहां सुमित नैनवाल, दिनेश मेहरा, आक्टोमैक्टस, दनेश, नीकीता, मनोज रावत, देवेंद्र धौनी, दीवान सतवाल, दीपकन्त्याल, रमेश बिष्ट, मोहन नगरकोटी, कमल बिष्ट, दीपक मलडा, चंदन बोरा, नवीन राम, सुरेन्दर कुमार, मोहित रहे।

जनता दरबार में फरियादियों की समस्याओं का निदान

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। जिले की नव नियुक्त जिलाधिकारी अपूर्वा पांडे की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित जिले में इनके पहले जनता दरबार में जिले के विभिन्न तहसील क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जनता दरबार में कुल 38 शिकायतें दर्ज की गईं, जिन्हें जिलाधिकारी ने गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को निर्धारित समयसीमा के भीतर समाधान के निर्देश दिए। जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दरबार में सड़क, पेयजल, बिजली, मुआवजा, खनन तथा बंदरों के आतंक से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। बोडी के पूर्व ग्राम प्रधान मोहन सिंह रावत ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य पूर्ण हुए कई समय बीत चुका है,

लेकिन ठेकेदारों को अब तक भुगतान नहीं मिल पाया है। उन्होंने कठपुड़िया-छीना-रौखौली 8.2 किलोमीटर मोटर मार्ग की बदहाल स्थिति का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था कि सड़क का डामरीकरण कार्य गारंटी अवधि के अंतिम वर्ष में किया गया, लेकिन एक वर्ष के भीतर ही सड़क उखड़ गई। उन्होंने सड़क की जांच कर मरम्मत कराने की मांग की। जनता दरबार में सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन देव ने कांडा टैक्सी स्टैंड के समीप स्थित मीट मार्केट का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि बाजार का गंदा पानी और कचरा सीधे नदी में जा रहा है, जिससे सरयू नदी का पानी प्रदूषित हो रहा है। उन्होंने इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को जनसमस्याओं के समाधान की पूरी जिम्मेदारी सौंपते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि केवल पत्राचार कर औपचारिकता पूरी न करें, बल्कि मौके पर जाकर जनता से समन्वय स्थापित करते हुए समस्याओं का निस्तारण सुनिश्चित करें। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों की समीक्षा भी की और संबंधित विभागों को लंबित मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। बैठक में डीएम ने अधिकारियों को पूरी तैयारी के साथ बैठकों में उपस्थित होने तथा पिछले जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों की प्रगति रिपोर्ट अगले जनता दरबार में प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। वहीं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे लोगों को नव नियुक्त जिलाधिकारी से कई उम्मीदें हैं। अब देखने वाली बात होगी कि जनता दरबार में उठाई गई समस्याओं का विभागीय स्तर पर कितना प्रभावी समाधान हो पाता है।

तम्बाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के निर्देशानुसार सत्येन्द्र चन्द्र गुड़िया लॉ कॉलेज में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर एवं तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण काशीपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक विधिक एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिविल जज (सी.डी.) ममता पंत, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उधम सिंह नगर तथा विशिष्ट अतिथि सिविल जज (जू.डी.) सृष्टि बानियाल, सचिव तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण काशीपुर, उप-चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रियांक चौहान एलडी भट्ट चिकित्सालय, एसएसआई पुष्कर जोशी कोतवाली

आईटीआई काशीपुर, अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग विकास समिति की सचिव राशिदा अंसारी डॉ. दीपिका गुड़िया आत्रेय प्राचार्या चंद्रावती तिवारी कन्या पीजी कॉलेज काशीपुर तथा डॉ. सुधीर दुबे रजिस्ट्रार सत्येन्द्र चन्द्र गुड़िया लॉ कॉलेज उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कॉलेज के समस्त फैकल्टी सदस्य, स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर आकांक्षा बाटला द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज के संस्थापक स्व. सत्येन्द्र चन्द्र गुड़िया एवं माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को विभिन्न जानकारी दी। कार्यक्रम में हेमा कुमारी, कुसुम लता, रणधीर सिंह सैनी, गायत्री गुप्ता, ज्योति प्रभाकर और मनीषा भी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के दौरे के लिए कांग्रेसियों ने कसी कमर

शाह टाइम्स संवाददाता

रानीखेत। आगामी 4 जून को नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के अल्मोड़ा दौरे को लेकर सोमवार को रानीखेत स्थित कांग्रेस कार्यालय (डोलिया पहाड़ी के निकट) में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) सदस्य करन माहरा ने किया, जबकि अध्यक्षता नगर कांग्रेस अध्यक्ष उमेश भट्ट ने की। बैठक में राहुल गांधी के प्रस्तावित अल्मोड़ा दौरे की तैयारियों, संगठनात्मक रणनीति तथा जनसंपर्क अभियान को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा प्रदेश की जनता की आवाज़ को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने महिला

अपराध, बेरोजगारी, महंगाई, अग्निवीर योजना, भर्ती घोटालों तथा स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति जैसे जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। कांग्रेस नेताओं ने कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में लोगों तक पहुंच बनाकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने तथा जनहित के मुद्दों को जनता के बीच प्रभावी ढंग से रखने पर भी चर्चा की गई। रानीखेत कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में आयोजित इस बैठक में पीसीसी सदस्य कैलाश पांडेय, नगरपालिका अध्यक्ष अरुण रावत, अगस्त लाल साह, महिला जिला अध्यक्ष गीता पवार, महिला नगर अध्यक्ष नेहा माहरा, कॉर्डिनेटर कुलदीप कुमार, मीडिया प्रभारी सोनू सिद्दीकी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीप उपाध्याय एवं विजय तिवारी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष दीपक पंत, यूथ जिला महासचिव अरसलान शेख, सभासद सुरेन्द्र सिंह कुवार्बी, सतीश नेगी, हेमंत बिष्ट, सुनील कुमार, पान सिंह मेहरा, रुद्र माहरा, मनोज कोरंगा, कुबेर मेहरा, संदीप बंसल, भूपेंद्र आर्या थे।

लोकतंत्र की मजबूती का पड़ाव साबित होगी रैली: तिवारी

अल्मोड़ा। लोस नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की प्रस्तावित रैली को लेकर तैयारियां जोरों पर है। चार जून को रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से लेकर कार्यकर्ता स्तर तक व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। विधायक मनोज तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी की यह जनसभा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं होगी, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगी। जिसका संदेश उत्तराखंड ही नहीं बल्कि देश के कोने-कोने तक पहुंचेगा। कहा कि राहुल के अल्मोड़ा आगमन को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम जनता में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। कहा कि पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को जनसभा में शामिल होने का आमंत्रण दे रहे हैं तथा कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश जिन राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, उस पर राहुल गांधी का संबोधन महत्वपूर्ण दिशा देने वाला होगा।

मेडिकल कालेज में सीएमई कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना मेडिकल कालेज अल्मोड़ा में 'ब्लड ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस व गाइडलाइन्स' पर सीएमई कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान विशेषज्ञों ने ब्लड ट्रांसफ्यूजन की चुनौतियों व समाधान पर मंथन किया। वहीं, आधुनिक तकनीकों की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में एसएसजे विवि के कुलपति प्रो. एसएस बिष्ट ने कहा कि रक्त आधान (ब्लड ट्रांसफ्यूजन) चिकित्सा का महत्वपूर्ण स्तंभ है। जिला अस्पताल के पीएमएस डा. एचसी गड़कोटी ने ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन की चुनौतियों और समाधानों के बारे में बताया। वहीं, मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. चंद्र प्रकाश भैसोड़ा ने कहा कि कार्यक्रम से छात्रों और डाक्टरों को नवीनतम वैश्विक मानकों से अवगत कराने में

मदद करेंगे। एम्स ऋषिकेश के डा. आशीष जैन ने रक्त के तर्कसंगत उपयोग, एम्स दिल्ली के डा. राहुल चौरसिया ने रक्त आधान की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं, डा. आशीष ने समस्याओं व उनके प्रबंधन और डा. समायर हेमोलिटिक एनीमिया में ब्लड ट्रांसफ्यूजन की भूमिका बताई। यहां डा. अमित कुमार सिंह, डा. उर्मिला पलारिया, डा. अशोक कुमार, डा. श्वेता, डा. हेमंत के दत्त, डा. शालिनी यादव, डा. नीलिमा, डा. साजिद, डा. आस्था, डा. उमंग शर्मा, डा. कौशल पांडे, डा. मनीषा पांडे, डा. समीर, विक्रांत नेगी, डा. हेमंत दत्त, डा. संजय गौड़, डा. भावना पंत, डा. मेघा, डा. समीर पांडे, अंकुर यादव, डा. दिलनवाज, डा. अंकित कौशिक, डा. निशा धामी, राजदेव सिंह, दिगम्बर टम्टा, भाष्कर पांडेय, शुभम पोखरियाल, कृति जोशी, नीलम रावत आदि रहे।

राजमार्ग कार्यों का डीएम ने किया निरीक्षण

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने सोमवार को क्वारब क्षेत्र में वैकल्पिक बाईपास मार्ग एवं राष्ट्रीय राजमार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही वर्षा के बाद मार्गों की स्थिति तथा संचालित निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने व्यापार मंडल प्रतिनिधियों के साथ पूरे वैकल्पिक बाईपास मार्ग का निरीक्षण कर मार्ग को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को मुख्य मार्ग के सुधार कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजमार्ग पर आवागमन को शीघ्र सामान्य बनाने के लिए मशीनों की संख्या बढ़ाई जाए तथा कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने साप्ताहिक प्रगति योजना तैयार कर निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को ट्रैफिक की सतत निगरानी रखने तथा किसी भी स्थिति में जाम की समस्या उत्पन्न न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों एवं स्थानीय लोगों को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। व्यापार मंडल प्रतिनिधियों ने मार्ग निर्माण, यातायात संचालन एवं स्थानीय समस्याओं से संबंधित अपनी चिंताओं को जिलाधिकारी के समक्ष रखा। जिलाधिकारी ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक समाधान का आश्वासन दिया।

महिला रामलीला प्रतियोगिता में हुक्का क्लब अल्मोड़ा प्रथम

शाह टाइम्स संवाददाता

रानीखेत। सांस्कृतिक समिति के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय महिला रामलीला प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसएसबी के सेवानिवृत्त सहायक सेना नायक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता दीप पांडे, विशिष्ट अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख रचना रावत, सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष विमल सती तथा मिशन इंटर कालेज के प्रधानाचार्य हेमंत अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में विभिन्न महिला समूहों ने रामायण के प्रसंगों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। उन्नति महिला समूह सौनी ने अशोक वाटिका में रावण-सीता संवाद, श्रीराम सांस्कृतिक सामाजिक सेवा समिति अल्मोड़ा ने श्रवण भक्ति प्रसंग, चौरा विश्वनाथ रामलीला समिति ने हनुमान-मकरध्वज संवाद तथा श्री लक्ष्मी भंडार हुक्का क्लब अल्मोड़ा ने लक्ष्मण-मेघनाथ संवाद का मंचन कर दर्शकों की सराहना बटोरी। अपने संबोधन में दीप पांडे ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन धर्म, कर्तव्य और मानवीय मूल्यों का सर्वोच्च आदर्श प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि कुमाऊंनी रामलीला क्षेत्र की अमूल्य सांस्कृतिक विरासत है, जिसे संरक्षित रखना सभी की जिम्मेदारी है। रचना रावत ने महिला कलाकारों को मंच प्रदान करने के लिए समिति की सराहना की, जबकि हेमंत अग्रवाल ने भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को सहयोग देने का आश्वासन दिया। प्रतियोगिता में श्री लक्ष्मी भंडार हुक्का क्लब अल्मोड़ा प्रथम, मातृ शक्ति समूह रानीखेत द्वितीय तथा गौरा स्वयं सहायता समूह चिलियानौला तृतीय स्थान पर रहा। सर्वश्रेष्ठ अभिनय, निर्देशन और वेशभूषा का पुरस्कार भी हुक्का क्लब को मिला। विजेताओं को ट्राफी और नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन दीपक पंत और संजय पंत ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और समिति पदाधिकारी मौजूद रहे।

गौलापार के गांव में सूखी नदी पर पुल निर्माण की मांग

भूख हड़ताल पर बैठी विजयपुर की जनता

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। गौलापार क्षेत्र के विजयपुर गांव में सूखी नदी पर पुल निर्माण की मांग को लेकर सोमवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और ग्रामीणों ने

शासन-प्रशासन के खिलाफ जबरदस्त गुबार

शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तिकोनिया स्थित बुद्धपार्क में धरना प्रदर्शन कर अनिश्चितकाल. ीन भूख हड़ताल पर बैठ गए। ग्रामीणों ने चेताया कि अगर शीघ्र ही पुल निर्माण नहीं हुआ तो उनका आंदोलन इसी तरह से जारी रहेगा। सोमवार को विजयपुर ग्राम के लोग पूर्व क्षेत्रपंचायत सदस्य अर्जुन सिंह बिष्ट के नेतृत्व में तिकोनिया स्थित बुद्धपार्क में एकत्र हुए और शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबा. जी करते हुए अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। इस दौरान अर्जुन सिंह बिष्ट ने कहा कि गौलापार क्षेत्र के ग्राम विजयपुर को जाने वाले रास्ते के बीच में सूखी नदी में पुल के निर्माण की मांग को लेकर पूर्व में प्रशासन को लिखित व मौखिक रूप से अवगत करा चुके थे। लेकिन प्रशासन द्वारा ग्रामीणों की मांगों को अनदेखा किया गया। जिससे ग्रामीणों को मजबूर होगा अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के लिए बैठना पड़ रहा है। धरना स्थल पर हुई सभा को संबो. धित करते हुए ग्रामीणों का कहना है कि विजयपुर क्षेत्र घनी आबादी वाला इलाका है और गांव तक पहुंचने के रास्ते में पड़ने वाली सूखी नदी बरसात के दौरान लोगों की परेशानी का बड़ा कारण बन जाती है। बारिश में नदी में पानी बढ़ने से आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है और लोगों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती है। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूली बच्चे बरसात के दिनों में स्कूल नहीं पहुंच पाते, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती उन्होंने कहा कि पूर्व में पुल निर्माण का शिलान्यास भी किया जा चुका है, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही पुल निर्माण को लेकर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्रवासियों का अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रहेगी। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य लीला बिष्ट, अर्जुन बिष्ट, परमानंद, शांति, गीता, कुंती देवी, किरन, सतीश चन्द्र, ललित सिंह संभल, तुला राम, शेर सिंह, प्रेम बल्लभ, दिवान सिंह, राम दत्त, दयानंद कोटलिया, महेश चन्द्र पलडिया, बच्ची सिंह चिलवाल, महेन्द्र बिष्ट, त्रिलोचन कोटलिया, राधा देवी, रमेश चन्द्र, भावना संभल, गीता देवी, खष्टी देवी, शेखर कोटलिया समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

23 वीडियो बनाकर ब्लॉगर ने कोतवाली में गटका जहर

फौजियों की पत्नियों को अपशब्द कहने पर ट्रोल हो रही थी दीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी को लेकर चर्चा में आई ब्लॉगर दीक्षा पांडे ने इस बार घर बैठे मुसीबत बुला ली। उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए फौजियों की पत्नियों को अपशब्द कह दिए। जिसके बाद वह बुरी तरह ट्रोल होने लगी। उसने फिर एक वीडियो बनाकर सुसाइड की धमकी दी। पुलिस ने उसे काउंसिलिंग के लिए कालाढूंगी कोतवाली बुलाया और यहां उसने जहर गटक लिया। दीक्षा को उपचार के लिए सुशीला तिवारी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार छोटी हल्द्वानी निवासी दीक्षा पांडे ने कुछ दिन पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो अपलोड किया था। इस वीडियो में उन्होंने फौजियों की पत्नी के लिए आपत्ति. जनक टिप्पणी की थी। ये वीडियो कुछ ही घंटे में वायरल हो गया और लोग दीक्षा को ट्रोल करने लगे। ट्रोलिंग ज्यादा बढ़ी तो दीक्षा ने फिर एक वीडियो बनाया और सफाई देते हुए फौजियों से माफी मांगी। हालांकि यह भी कहाकि उनका वीडियो बिल्कुल सही है। इसके बाद लोगों ने सोशल मीडियो पर दीक्षा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इससे उक्ताई दीक्षा ने एक के बाद एक 23 वीडियो अपने अकाउंट पर अपलोड किए। वीडियो में उन्होंने लोगों को ही दोषी ठहराया और कहाकि सोमवार की शाम चार बजे वह लाइव आकर न सिर्फ जहर खाएंगी, बल्कि इसकी वजह बने लोगों के नाम भी उजागर करेंगी। सुसाइड की धमकी के बाद पुलिस दीक्षा के घर पहुंच गई और काउंसिलिंग के लिए उसे कोतवाली लाया गया। यहां वॉशरूम में उसने जहर खा लिया। आनन-फानन में उसे एसटीएच पहुंचाया गया। चिकित्सकों का कहना है कि दीक्षा की हालत बिल्कुल ठीक है। वह पता कर रहे हैं कि दीक्षा ने क्या खाया था। सीओ अमित सैनी का कहना है कि दीक्षा ने आत्महत्या की धमकी दी थी, जिस पर उसे काउंसिलिंग के लिए पुलिस ने बुलाया था।

वीडियो को लेकर दी सफाई

विवाद बढ़ने के बाद दीक्षा ने वीडियो जारी कर कहा कि उन्होंने न तो पहाड़ की महिलाओं को अपशब्द कहे और ही फौजियों की पत्नियों को। दरअसल, उन्होंने जो भी कहा वह एक महिला ब्लॉगर के लिए था, जिसका पति भी फौज में है। उक्त महिला ब्लॉगर ने दीक्षा के वीडियो को तोड़-मरोड़ कर अपने अकाउंड पर अपलोड कर दिया, उन्होंने स्वयं को सैनिक परिवार से जुड़ा बताते हुए गलतफहमी दूर करने की कोशिश की।

दीक्षा की बड़ी बहन ने लगाया पुलिस पर आरोप

ब्लॉगर दीक्षा की बड़ी बहन संध्या ने आरोप लगाया कि पुलिस भी उसकी बहन पर दबाव बना रही थी। रविवार शाम और सोमवार सुबह भी पुलिस उनके घर आई थी। जिस कारण दीक्षा मानसिक रूप से परेशान हो गई। कालाढूंगी पुलिस ने दीक्षा को कोतवाली बुलाया। यहां उस पर हल्द्वानी जाकर ब्लॉगर और विरोध कर रहे एक संस्था के पदाधिकारियों से माफी मांगने का दबाव बनाया। जिसके बाद परेशान होकर वह कोतवाली के वाशरूम में जहर खा लिया।

शिक्षकों ने आंदोलन की बनाई रणनीति

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले के बाद प्रदेश के हजारों शिक्षकों में भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। वर्षों से सेवाएं दे रहे शिक्षकों के समक्ष सेवा के अंतिम चरण में टीईटी उत्तीर्ण

करने की अनिवार्यता को लेकर असमंजस और मानसिक दबाव की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में शिक्षकों ने टीईटी के लिए वैकल्पिक परीक्षा अथवा व्यवहारिक समाधान की मांग उठाई है। इसी मुद्दे को लेकर उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ की प्रांतीय तदर्थ समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें टीईटी और अनिवार्य स्थानांतरण से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में शिक्षकों के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों और आगामी आंदोलन की रूपरेखा पर गंभीर मंथन किया गया। साथ ही अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के साथ समन्वय स्थापित कर राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के समक्ष विषय को प्रभावी ढंग से उठाकर व्यावहारिक समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। संगठन का मानना है कि लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार को सकारात्मक पहल करनी चाहिए। बैठक में प्रांतीय तदर्थ समिति के सदस्य मनोज तिवारी, जितेंद्र सिंह वाल्दिया, दिगंबर सिंह नेगी, दीपक सजवान, उत्तम सिंह फर्त्याल, विनोद रतूड़ी, देवेंद्र सिंह चौधरी, धन्नाथ गोस्वामी, अश्विनी कुमार, पूरन बोरा, देवेश डोभाल और दीपक सिंह रावत आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

कलसिया पुल के पास गरजी जेसीबी

पुल निर्माण होना है, अतिक्रमणकारियों को जारी हुए थे नोटिस

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। काठगोदाम स्थित कलसिया पुल के पुनर्निर्माण की दिशा में प्रशासन ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पुल के आसपास किए गए अतिक्रमणों को हटा दिया। सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी और नगर आयुक्त परितोष वर्मा के नेतृत्व में नगर निगम व प्रशासन की संयुक्त टीम ने जेसीबी मशीनों की मदद से अतिक्रमण ध्वस्त किए। कार्रवाई के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि लगातार बारिश के चलते कलसिया पुल लंबे समय से क्षतिग्रस्त है। वर्तमान में कुमाऊं मंडल

के छह जिलों की यातायात व्यवस्था वैकल्पिक बेली ब्रिज के जरिए संचा. लित की जा रही है। ऐसे में स्थायी पुल निर्माण को प्रशासन ने प्राथमिकता में रखा है। अधिकारियों के अनुसार पुल निर्माण कार्य शुरू करने के लिए आसपास के अतिक्रमणों को हटाना जरूरी था। इस संबंध में अतिक्रमणकारियों को पहले ही नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समयावधि बीतने के बाद भी कब्जे नहीं हटाए जाने पर प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी। कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानों पर अस्थायी निर्माण और अन्य अवैध कब्जों को हटाया गया। सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी ने कहा कि मानसून से पहले स्थायी पुल निर्माण का कार्य पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पुल के तैयार होने से कुमाऊं की यातायात व्यवस्था और अधिक सुरक्षित व सुगम हो सकेगी तथा लोगों को आवागमन में होने वाली दिक्कतों से राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परियोजनाओं में बाधा बनने वाले अतिक्रमणों के खिलाफ आगे भी अभियान जारी रहेगा।

53 लाख की ठगी: फर्जी रजिस्ट्री थमाकर विधवा से हड़पी रकम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। मुखानी क्षेत्र की एक विधवा महिला ने पड़ोसी समेत चार लोगों पर जमीन और प्लॉट बेचने के नाम पर 53 लाख रुपये की ठगी करने तथा फर्जी रजिस्ट्री दस्तावेज देने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने पर पीड़िता को न्यायालय की शरण लेनी पड़ी, जिसके बाद न्यायालय के आदेश पर मुखानी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हरिप्रिया नगर नन्दपुर निवासी दशरथी गर्वयाल के अनुसार मार्च 2023 में पड़ोसी मनोज कुमार सिंह धपोला ने भगवानपुर क्षेत्र में एक प्लॉट दिखाकर 20 लाख रुपये में सौदा कराया। आरोप है कि मनोज ने उन्हें कथित भूमि स्वामिनी पुष्पा बोरा से मिलवाया और नकद व चेक के माध्यम से पूरी रकम दिलवा दी। बाद में तहसील से मिले दस्तावेजों की जांच में वे फर्जी निकले। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद सितंबर 2023 में आरोपियों ने अल्मोड़ा के हवालबाग क्षेत्र में 10 नाली भूमि दिखाकर 33 लाख रुपये और ले लिए, लेकिन जमीन की रजिस्ट्री नहीं कराई गई। इस तरह कुल 53 लाख रुपये की ठगी की गई। महिला ने आरोप लगाया कि जब उसने रकम और फर्जी दस्तावेजों को लेकर सवाल उठाए तो आरोपियों ने गाली-गलौज की और पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के अनुसार उसके पति का वर्ष 2022 में निधन हो चुका है और उसने पहले थाना मुखानी तथा बाद में एसएसपी कार्यालय में शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मुखानी थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर संबंधित आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पनीर का नमूना भेजा जांच को

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रानीबाग क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर एएस रावत व फूड इंस्पेक्टर अभय सिंह ने

रानीबाग के रेस्टोरेंट में खाद्य विभाग की छापा

सोमवार को रेस्टोरेंट और भोजनालयों में औचक निरीक्षण किया। इस छापेमारी के दौरान जांच टीम ने कई प्रतिष्ठानों में स्वच्छता संबंधी अनियमितताएं सामने आने पर संच. ालकों को कड़ी चेतावनी देते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एक रेस्टोरेंट से पनीर का नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया। वहीं कई रसोईघरों में साफ-सफाई के मानकों का पालन नहीं पाया गया, जिस पर विभाग ने नाराजगी जताते हुए जमकर फटकार भी लगाई। उल्लेखनीय है कि हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक होटल संचालक को नहर में रसोई का कचरा और अन्य अपशिष्ट फेंकते हुए देखा गया था। वीडियो के बाद प्रशासन और संबंधित विभागों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए निरीक्षण अभियान चलाया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जब रानीबाग स्थित शीतला माता मंदिर के पास एक रेस्टोरेंट में छापा मारा तो रेस्टोरेंट में नगर निगम की कूड़ा निस्तारण पर्ची भी नहीं मिली। इससे कचरा निस्तारण व्यवस्था को लेकर संदेह उत्पन्न हुआ। विभाग अब यह जांच कर रहा है कि प्रतिष्ठान का कचरा निर्धारित प्रक्रिया के तहत निस्तारित किया जा रहा है या नहीं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता और कचरा निस्तारण नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दुग्ध सहकारिता को मिली नई मजबूती

शाह टाइम्स संवाददाता

लालकुआं। नैनीताल दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड के अध्यक्ष मुकेश बोरा की अध्यक्षता में सोमवार को विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर पर्वतीय क्षेत्र की कुमियाखाल दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति में स्वस्थ दुग्ध उत्पादन किट एवं बोनस वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों दुग्ध उत्पादकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख डा. हरीश सिंह बिष्ट ने किया। इस अवसर पर दुग्ध उत्पादकों को गुणवत्तापूर्ण एवं स्वच्छ दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वस्थ दुग्ध उत्पादन किट वितरित की गईं तथा बोनस देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस दौरान मुकेश बोरा ने कहा कि दुग्ध

701वीं महिला दुग्ध समिति का हुआ शुभारंभ

सहकारिता आंदोलन ग्रामीण एवं पर्वतीय क्षेत्रों की आर्थिक सशक्ता का मजबूत आधार बन चुका है। उन्होंने दुग्ध उत्पादकों से उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्ता बनाए रखने तथा सहकारी समितियों को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर पर्वतीय क्षेत्र की 701वीं भांकर दुग्ध उत्पादक सहकारी महिला समिति का भी शुभारंभ किया गया। दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा ने फीता काटकर नई समिति का उद्घाटन किया। नई समिति के गठन पर ग्राम प्रधान नवीन चंद्र आर्या, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता निनेश बिष्ट, समिति अध्यक्ष आशा देवी एवं सचिव कुमारी खुशबू संचालन प्रतिनिधि महेन्द्र सिंह पडियार, दुग्ध समिति की अध्यक्ष मुन्नी देवी सहित क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता खीमा शर्मा, ज्येष्ठ प्रमुख उमेश चंद्र पड़लिया, जिला पंचायत प्रतिनिधि कमलेश भट्ट, पूर्व ग्राम प्रधान कमलेश आर्या, समिति अध्यक्ष भुवनी देवी, सचिव ईश्वरी दत्त पड़लिया, सहित सामान्य प्रबंधक अनुराग शर्मा, प्रशासन/विपणन प्रभारी संजय सिंह भाकुनी, पीएंडआई प्रभारी सुभाष बाबू, एफओ शांति कोरंगा, हरीश आर्या, पूरन मिश्रा, मीना रौतेला, नीमा शाह, रेखा आर्या, तारादत्त बुधलाकोटी, संतोष कुमार मौजूद रहे।

सेना शिक्षा कोर का 106वां स्थापना दिवस मनाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सेना शिक्षा कोर (आर्मी एजुकेशन कोर) के 106वें स्थापना दिवस के अवसर पर रामपुर रोड स्थित एक होटल में पूर्व सैनिक शिक्षकों एवं सैन्य अधिकारियों ने विशेष समारोह आयोजित कर कोर की गौरवशाली परंपराओं और योगदान को याद किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सेना शिक्षा कोर भारतीय सेना में शिक्षा, प्रशिक्षण, विदेशी भाषाओं के अध्ययन, मानव संसाधन विकास और सैनिकों के बौद्धिक सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वर्ष 1921 में औपचारिक रूप से स्थापित यह कोर राष्ट्र निर्माण और सैन्य शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही है। पूर्व सैनिक शिक्षक एसोसिएशन हल्द्वानी के अध्यक्ष कैप्टन राजेंद्र सिंह राठौर ने कहा कि सेना शिक्षा कोर से जुड़े सैनिक देश की सुरक्षा के साथ-साथ शिक्षक के रूप में ज्ञान और संस्कारों का प्रसार भी करते हैं। समारोह में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक शिक्षक, उनके परिवार. जन तथा सेना और वायुसेना के सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष कैप्टन भुवन चंद्र जोशी, केसी बसवाल, नरेंद्र सिंह बिष्ट, देवेंद्र बिष्ट, राजेश उपाध्याय, जगदीश पांडे, प्रेम गिरी गोस्वामी, आनंद मेहता और महेंद्र कोश्यारी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सिंथिया स्कूल में छात्र परिषद का शपथ ग्रहण

लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ और नेतृत्व क्षमता को मिलेगा प्रभावी मंच: प्रवींद्र रौतेला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सिंथिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए नव निर्वाचित स्कूल छात्र परिषद, सदन परिषद एवं कक्षा परिषद के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

रंगारंग कार्यक्रम के बीच छात्र नेताओं ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर अपनी जिम्मेदारियां संभाली। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवींद्र कुमार रौतेला ने अभिभावकों के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर स्कूल कप्तान के रूप में अक्षत भाकुनी और मानसी जोशी को शपथ दिलाई गई।

वहीं गांधी सदन की कप्तान दीक्षिता गहतोरी, रमन सदन की कप्तान नव्या मेहरा, सुभाष सदन की कप्तान अंजि. कता पाठक, टैगोर सदन की कप्तान नंदिनी बिष्ट, खेल कप्तान मोहित बिष्ट तथा सांस्कृतिक कप्तान मौलिक कपिल सहित अन्य पदा. धिकारियों ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस मौके पर प्रधानाचार्य प्रवींद्र कुमार रौतेला ने कहा कि वर्तमान समय में पढ़ाई के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता और व्यक्तित्व विकास भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों से समय का सदुपयोग करते हुए सतत परिश्रम और मजबूत इच्छाशक्ति विकसित करने का आह्वान किया। अकाद. मिक समन्वयक बीबी जोशी ने स्कूल परिषद, सदन परिषद एवं कक्षा परिषद की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। इस दौरान सुरेश चंद्र मिश्रा, महेश चंद्र जोशी, प्रदीप मित्रा, नीमा पांडेय, मंजू जोशी, बीसी सती, प्रकाश शर्मा, वीएस बजेठा, आईडी जोशी सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

युवाओं में बढ़ता वेपिंग का चलन बना चिंता का विषय

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। युवाओं के बीच तेजी से बढ़ रही वेपिंग ई-सिगरेट की प्रवृत्ति स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। आम धारणा है कि वेपिंग पारंपरिक धूम्रपान की तुलना में सुरक्षित है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि

यह धारणा पूरी तरह भ्रामक हो सकती है। वेपिंग से निकलने वाला पदार्थ केवल फ्लेवरयुक्त भाप नहीं, बल्कि एक एरोसोल होता है, जिसमें कई ऐसे रासायनिक तत्व मौजूद हो सकते हैं जो फेफड़ों और शरीर के अन्य अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। बीएलके-मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के थोरासिक सर्जरी एवं लंग ट्रांसप्लांटेशन विभाग के सीनियर डायरेक्टर डा. प्रमोज जिंदल ने बताया कि कई लोग वेपिंग को धूम्रपान छोड़ने का माध्यम मानते हैं, लेकिन युवाओं में इसके विपरीत परिणाम भी सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि वेपिंग करने वाले युवाओं में बाद में सिगरेट पीने की संभावना अधिक हो सकती है। ऐसे में वेपिंग धूम्रपान से दूरी बनाने के बजाय उसके लिए प्रवेश द्वार साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि फेफड़ों में स्वयं को काफी हद तक ठीक करने की क्षमता होती है, लेकिन उनकी सहनशक्ति सीमित होती है। इसलिए युवाओं को अस्थायी ट्रेंड के बजाय अपने दीर्घकालिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए।

समाज को दिशा देने का समय: सरोज सोनी

विहिप मातृशक्ति का चार दिवसीय प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रेलवे बाजार स्थित श्री रामचंद्र मंदिर धर्मशाला में आयोजित विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति का चार दिवसीय प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग सोमवार को विधिवत संपन्न हो गया। समापन सत्र का शुभारंभ विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति की राष्ट्रीय संयोजिका सरोज सोनी, प्रांत मंत्री धीरेंद्र शर्मा एवं प्रांत संयोजिका नीता कपूर ने मां भारती और राम दरबार के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान प्रांत संयोजिका नीता कपूर ने बताया कि वार्षिक प्रशिक्षण वर्ग में उत्तराखंड के 14 जिलों से कार्यकर्ता बहनों ने भाग लिया। चमोली, कर्णप्रयाग जैसे दूरस्थ क्षेत्रों के साथ हरिद्वार, अल्मोड़ा, काशीपुर, रुद्रपुर समेत विभिन्न जनपदों से आई प्रतिभागियों को दंड प्रहार, यष्टि प्रहार

और नियुद्ध जैसी आत्मरक्षा कलाओं का प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय संयोजिका सरोज सोनी ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को अपनी ऐतिहासिक विरासत और मातृशक्ति के आदर्शों से सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इतिहास और सांस्कृतिक मूल्यों की जानकारी के अभाव में युवा वर्ग दिशाहीन हो रहा है। ऐसे प्रशिक्षण वर्ग समाज और भावी पीढ़ी को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि परिवार व्यवस्था और पारिवारिक मूल्यों को पुन: मजबूत किया जाए तथा नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ा जाए। इसके साथ ही बौद्धिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विषयों पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान क्षेत्रीय संगठन मंत्री मुकेश खांडेकर, अखिल भारतीय गौ रक्षा प्रमुख दिनेश उपाध्याय, केंद्रीय प्रचार-प्रसार प्रमुख विजय शंकर तिवारी, राष्ट्रीय सह-संयोजिका सरोज सोनी, अधिवक्ता ऋचा फर्त्याल, अमरनाथ जोशी सहित विभिन्न वक्ताओं ने अपने विचार रखे। समापन अवसर पर जिला अध्यक्ष कृष्ण जोशी, महापौर गजराज सिंह बिष्ट, विपिन अग्रवाल, डा. अनिल कपूर डब्बू, राजीव अग्रवाल, नवीन वर्मा, स्वर्ण लाल, विजय पाल, रामचंद्र मंदिर धर्मशाला प्रबंध समिति के पदाधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रति. निधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समाजसेवी मौजूद रहे।

लोकेश्वर शिव मंदिर में चोरी, मुकदमा

हल्द्वानी। गौलापार क्षेत्र के कुंवरपुर चौराहे स्थित लोकेश्वर शिव मंदिर में चोरी की घटना सामने आई है। मंदिर से तांबे का कलश, नाग और जलाभिषेक में प्रयुक्त होने वाली श्रृंगी चोरी कर ली गई। मामले में ग्राम प्रधान ने कोतवाली काठगोदाम में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार देवला तल्ला के ग्राम प्रधान बालम सिंह नौला ने पुसि को दी तहरीर में कहा कि बीते शनिवार को ग्रामीणों से मंदिर में चोरी की सूचना मिलने पर सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। फुटेज में 27 मई की सुबह करीब साढ़े 11 बजे एक व्यक्ति शिवलिंग के ऊपर स्थापित तांबे का कलश, नाग और श्रृंगी चोरी करते हुए दिखाई दिया। ग्राम प्रधान के अनुसार चोरी हुए सामान की कीमत करीब 8 से 10 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने ग्राम प्रधान की तहरीर और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की पहचान में जुट गई।

किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हल्द्वानी। रामपुर रोड क्षेत्र के जीतपुर नेगी में एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में शोक की लहर है। पुलिस ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार जीतपुर नेगी रामपुर निवासी प्रकाश राम यहां अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में उनकी 15 वर्षीय पुत्री खुशी भी रहती थी। परिजनों का कहना है कि रविवार की शाम उन्होंने किसी बात को लेकर किशोरी को डांट लगा दी थी। जिससे नाराज होकर वह ऊपरी मंजिल पर बने कमरे में चली गई। जब देर तक वह नीचे नहीं आई तो परिजन कमरे में पहुंचे तो वह कमरे के अंदर फंदे से लटकी हुई थी। परिजनों ने आनन फानन में उसे फंदे से उतारकर सुशीला तिवारी अस्पताल उपचार के लिए लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

काशी सिंह ऐरी का जन्मदिन मनाया

हल्द्वानी। उत्तराखंड क्रांति दल के शीर्ष नेता एवं वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी काशी सिंह ऐरी का जन्मदिन सोमवार को उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डीके पार्क में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन में काशी सिंह ऐरी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अलग राज्य की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका संघर्ष, समर्पण और जनहित के मुद्दों पर स्पष्ट सोच आज भी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि काशी सिंह ऐरी ने हमेशा उत्तराखंड की अस्मिता, संस्कृति और जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। उनके विचारों और सिद्धांतों से नई पीढ़ी को सीख लेने की आवश्यकता है। इस दौरान दीवान मेवाड़ी, शंभू दत्त साहिल, हरीश मेवाड़ी, अभिषेक जोशी, नीशू मेवाड़ी, रवि बाल्मीकि, श्याम सिंह नेगी, शिवम ठाकुर थे।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक: एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक **आनन्द बत्रा 'सुमन'**

☎05946-250286

मुख्यालय:

मोबाइल-9720007290

R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264

www.shahtimesnews.com

email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

धर्मान्तरण और महिला अपराध पर हो कड़ी कार्रवाई: डीएम

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों को दिए लम्बित वादों के त्वरित निस्तारण करने को नियमित कोर्ट लगाने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सरकार भूमि अतिक्रमण, धर्मान्तरण, महिला अपराध को लेकर बेहत संजीदा है इसलिए पुलिस और प्रशासन जनपद में कानून व्यवस्था को बनाने हेतु मुस्तैदी व कड़ाई से कार्य करें ताकि अपराध की प्रवृति रखने वालों में भय पैदा हो व समाज को सुरक्षित माहौल मिल सकें, यह निर्देश जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने सोमवार को जिला सभागार में मासिक स्टाफ बैठक लेते हुए अधिकारियों को दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारियों, तहस. लिदारों को नियमित कोर्ट लगाकर लम्बित वादों को त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुराने वादों को प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी

ने कहा कि बकायदारों से कड़ाई से राजस्व वसूली की जाए व 10 बड़े बकायेदारों की सूची तहसीलों में लगाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि जनपद में कानून व्यवस्था और बेहतर बनाने के पुलिस विभाग को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अपराधों को रोकने के लिए सक्रियता से कार्य करना सुनश्चित करें। उन्होंने जनपद में गतिविधियों पर पैनी नजर रखने के निर्देश पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को दिए। उन्होंने न्यायालयों में अभियोजन पक्ष द्वारा पैरवी प्रभावी तरीके से रखने के निर्देश दिए ताकि पीड़ितों को समय से न्याय मिल सके। जिलाधिकारी ने आबकारी अधिकारी को कच्ची शराब व अवैध मदिरा बिक्री पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने हेतु नियमित छापेमारी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सीएम हैल्पलाईन, सीएम जन समर्पण पोर्टल, आयोग के सन्दर्भों, रिट याचिका सन्दर्भों, ऑडिट आपत्तियों, पेंशन प्रकरणों आदि की आख्या रिपोर्टिंग को समय सीमा के भीतर भेजने के निर्देश दिए। एआरटीओ को ओवर लोड वाहनों व एनएच सर्विस लेन में पार्किंग करने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। डीएम ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को खाद्य पदार्थों की नियमित सैम्पलिंग करने के निर्देश दिए ताकि जनमानस को शुद्ध व सुरक्षित खाद्य पदार्थ मिल सकें।

बैठक में पुलिस अधीक्षक क्राईम जितेन्द्र चौधरी, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, कौस्तुभ मिश्र, उप जिलाधिकारी मनीष बिष्ट, ऋचा सिंह, तुषार सैनी, गौरव पाण्डेय, संयुक्त निदेशक अभियोजन डीएस जंगपांगी, डीजीसी मनोज कुमार तिवारी, बरीत सिंह, एआरटीओ मो. हित कोठारी, पूजा नयाल, जिला पूर्ति अधिकारी विनोद चन्द्र तिवारी, अभिहित अधिकारी एलएम पाण्डे उपस्थित थे तथा अन्य उप जिलाधिकारी, तहसीलदार व सम्बन्धित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े थे।

अब भूतबंगला बस्ती में हुआ स्मार्ट मीटर का विरोध

बस्ती वासियों और बिजली कर्मियों के बीच हुई नोकझोंक

पुलिस ने मौके पर पहुंच कराया मामला शांत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। शहर की भूतबंगला बस्ती में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची विद्युत विभाग की टीम को सोमवार को स्थानीय लोगों के तीव्र विरोध का सामना करना पड़ा। क्षेत्रवासियों ने स्मार्ट मीटर स्थापना का विरोध करते हुए नारेबाजी की और टीम को कार्य करने से रोक दिया।

विरोध की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर स्मार्ट मीटर लगाए जाने की कार्रवाई का विरोध किया। बढ़ते विवाद को देखते हुए पुलिस को भी मौके पर पहुंचना पड़ा।

जानकारी के अनुसार विद्युत विभाग की टीम पुलिस बल के साथ भूतबंगला क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने पहुंची थी। टीम के पहुंचते ही स्थानीय लोगों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। लोगों का आरोप था कि स्मार्ट मीटर के माध्यम से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला जा रहा है और इससे बिजली बिलों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए और विभागीय टीम के खिलाफ नारेबा. जी शुरू कर दी। इसी दौरान पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनने के बाद विभागीय अधिकारियों से बातचीत की। ठुकराल ने कहा कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर स्मार्ट मीटर के नाम पर नया बोझ डालने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

स्थिति तनावपूर्ण होती देख पुलिस ने हस्तक्षेप कर लोगों को शांत कराया। इस दौरान राकेश, अफजल, सुनीता, राकेश कुमार, अर्जुन मीणा, पप्पू कोली, रिंकू श्रीवास्तव, हरे राम, गीता देवी, पुष्पा राहुल, दिनेश सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

एक नजर

लंबे समय से फरार तीन वारंटीं दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधम सिंह नगर द्वारा फरार अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान आपरेशन प्रहार के तहत प्रभारी निरीक्षक कोतवाली जसपुर राजेश पाण्डेय के नेतृत्व में कोतवाली जसपुर पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए लम्बे समय से फरार चल रहे तीन वारंटियों शहजाद उर्फ राजा पुत्र सईद अहमद निवासी ग्राम नारायणपुर,

शमीम उर्फ शम्मू उर्फ शब्बू पुत्र मुजीर निवासी नारायणपुर, सोनू पुत्र दामा. दर निवासी नारायणपुर कोतवाली जसपुर उधम सिंह नगर को जसपुर क्षेत्र से दिनांक 31/05/26 की रात्रि और को गिरफ्तार किया गया है। तीनों के विरुद्ध माननीय न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट जारी किए गए हैं।

पकड़ने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक ललित दिगारी, उप निरीक्षक हरीश आर्या, कां. विपिन चंद्र, हेम फुलारा, जाकिर हुसैन शामिल रहे।

नवनिर्वाचित संचालक मण्डल ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। बाजपुर सहकारी क्रय-विक्रय समिति लि. के नवनिर्वाचित संचालक मण्डल को सोमवार को समिति सचिव एवं एडीओ सहकारिता संजय म्यान ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस

दौरान संचालकों ने समिति के हित में निष्ठापूर्वक कार्य करने का संकल्प लिया।

प्रथम बैठक में किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने तथा खाद वितरण अनुमति के लिए बाजपुर के कृषि अधिकारी को अधिकृत किए जाने का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही समिति की खाली दो दुकानों को टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से उच्चतम बोलीदाता को आवंटित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

बैठक में समिति अध्यक्ष कुलविन्दर कौर, उपाध्यक्ष गुलवेश आलम, संचालक शशीबाला सरना, विपिन गर्ग, मंजीत कौर, मोहम्मद उमर, राजीत सिंह तथा नामित संचालक वीरेन्द्र बिष्ट सहित अन्य मौजूद रहे।

उत्पीड़न के खिलाफ फैक्ट्री कर्मियों ने किया प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। सिडकुल स्थित एक फैक्ट्री के कर्मचारियों ने फैक्ट्री प्रबंधन के उत्पीड़न सहित अन्य मांगों को लेकर फैक्ट्री गेट पर जोदार प्रदर्शन किया। जानकारी मिलने पर सिडकुल चौकी पुलिसकर्मियों के साथ ही फैक्ट्री के अधिकारी वहां पहुंचे और उन्होंने कर्मियों से वार्ता की।

रोषित कर्मियों ने बताया कि वह सेक्टर 9 में स्थित महालक्ष्मी पोलीपेक प्रा. लि. कम्पनी में कई वर्षों से काम कर रहे हैं। उनका आरोप है फैक्ट्री प्रबंधन उन्हें शासनादेशानुसार निर्धारित वेतन नहीं दे रहा है। उन्हें 5 हजार नगद और 10 हजार उनके खातों में दिए जा रहे हैं। इतना ही नहीं उन्हें कभी भी कोई छुट्टी नहीं दी जाती है। यदि किसी आवश्यक कार्य या बीमार होने काम पर नहीं आते हैं तो उनके वेतन में पैसा काट लिया जाता है। कर्मियों का यह भी आरोप है कि उन्हें कभी भी समय से वेतन नहीं दिया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रबंधन अपनी मर्जी से किसी न किसी मद को बताकर उनके वेतन में कटौती कर देता हैं, जिससे कर्मियों में भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा यदि उनकी मांगों का न्यायोचित समाधान नहीं किया गया तो वह आन्दोलन तेज करने को बाध्य होंगे जिसकी जिम्मेवारी फैक्ट्री प्रबंधन की होगी। समाचार लिखे जाने तक वार्ता जारी थी। इस दौरान मसूद खान, सच्चिदादन्द यादव, मुकेश, रामअनुज यादव, विनोद यादव आदि मौजूद थे।

रुद्रपुर के 'उड़ान ए प्ले स्कूल' को मिला 'बेस्ट प्ले स्कूल' सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। महानगर के प्रतिष्ठित उड़ान ए प्ले स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है। विद्यालय को देहरादून में आयोजित "शिक्षा रत्न सम्मान 2026" समारोह में "बेस्ट प्ले स्कूल इन रुद्रपुर" अवार्ड से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान विद्यालय द्वारा प्रारंभिक शिक्षा, बच्चों के समग्र विकास, नवाचारपूर्ण शिक्षण पद्धतियों तथा गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के लिए प्रदान किया गया। समारोह में उत्तराखंड के विभिन्न जिलों से शिक्षा जगत से जुड़े प्रतिष्ठित संस्थानों एवं शिक्षाविदों ने भाग लिया। विद्यालय की निदेशक एवं प्रबंधन टीम ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के समर्पित शिक्षकों, सहयोगी स्टाफ, अभिभावकों तथा विद्यार्थियों को दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को सुरक्षित, आनंदमय एवं रचनात्मक वातावरण प्रदान करना विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है और यह सम्मान उसी दिशा में किए गए प्रयासों की पहचान है। इस अवसर पर विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल रहा। विद्यालय प्रबंधन ने भविष्य में भी शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

राहुल गांधी के अल्मोड़ा दौरे को लेकर दिनेशपुर में कांग्रेस की रणनीतिक बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

दिनेशपुर। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आगामी 4 जून को अल्मोड़ा आगमन को लेकर दिनेशपुर कांग्रेस कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बड़ी

संख्या में अल्मोड़ा पहुंचकर राहुल गांधी के कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री ममता हालदार ने कहा कि राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा प्रदेश की जनता की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती देने तथा जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि राहुल गांधी का यह दौरा संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेगा तथा प्रदेश के विकास और जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने का अवसर देगा। बैठक में नगर अध्यक्ष नारायण हालदार, ब्लॉक अध्यक्ष चंदन नयाल, पूर्व विधायक प्रेमानंद महाजन, किशोर हालदार, निमाई मंडल, अजय राय, भीम तुकाराल, आशुतोष राय, कृष्ण पद, तारक बाछड़ तथा तिर्नाथ विश्वास सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आदित्य ने 1875 वीं रैंक हांसिल कर जे ईई एडवांस में सफलता पाई

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। ऑल इंडिया जे ईई एडवांस में खटीमा के आदित्य सिंघल ने 1875वीं रैंक हांसिल कर सफलता प्राप्त की है। आदित्य ने इसी साल सेठ आनंद राम जयपुरिया स्कूल सितारगंज से 92.6% अंक हांसिल कर इंटर परीक्षा उत्तीर्ण की है। आदित्य सिंघल के पिता नवीन सिंघल नगर के एक व्यवसायी हैं। आदित्य की इस सफलता पर उनके परिवार में खुशी का माहौल है।

प्रशिक्षण को लेकर विधानसभावार एलएमटी/नोडल आईटी/मास्टर ट्रेनर नामित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि 01 जुलाई, 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए बीएलओ, सुपरवाईजरों को द्वितीय प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु विधानसभावार एलएमटी/नोडल आईटी/मास्टर ट्रेनर नामित करते हुए तिथियों का निर्धारण किया गया है।

उन्होंने बताया कि दो जून को विधानसभा जसपुर में प्रशिक्षण हेतु एसएलएमटी/उप जिलाधिकारी जसपुर, गदरपुर हेतु एसएलएमटी/उप जिलाधिकारी किच्छा, सितारगंज हेतु उप जिलाधिकारी खटीमा एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी नोडल आईटी नामित किया गया है। इसी तरह 03 जून को विधानसभा काशीपुर हेतु एसएलएमटी/उप जिलाधिकारी जसपुर, रूद्रपुर हेतु उप जिलाधिकारी किच्छा, नानकमत्ता हेतु उप जिलाधिकारी खटीमा एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी नोडल आईटी, 04 जून को विधानसभा बाजपुर के प्रशिक्षण हेतु एसएलएमटी/उप जिलाधिकारी जसपुर, किच्छा हेतु उप जिलाधिकारी किच्छा तथा खटीमा हेतु उप जिलाधिकारी खटीमा एवं जिला सूचना विज्ञान अधिकारी नोडल आईटी नामित किया गया है।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिये है कि सम्बन्धित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/तहस. लिदार अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण में उपस्थित रहना सुनिश्चित करेंगे।

नालों की सफाई को लेकर पालिकाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

जलभराव से मुक्ति के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में भी होगी नालों की सफाई, पालिकाध्यक्ष ने दिया आश्वासन

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में नगर पालिका द्वारा किए जा रहे विकास व स्वच्छता कार्यों से प्रभावित होकर ऊँची महुवट, सन्तना, चाँदा और मुन्डेली क्षेत्र के ग्रामीणों ने पालिक. ाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी से उनके आवास पर मुलाकात की।

इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हें ज्ञापन सौंपकर ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाले नालों की सफाई कराने की मांग

की, ताकि बरसात में जलभराव की समस्या न हो।पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जनहित सर्वोपरि है।

नगर क्षेत्र में सफाई कार्य पूरा होते ही उपलब्ध संसाधनों से ग्रामीण क्षेत्रों के नालों की सफाई भी जल्द शुरू कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के मार्गदर्शन में खटीमा क्षेत्र का विकास जनता की उम्मीदों के अनुरूप किया जा रहा है।

इस मौके पर दीपक सामंत, पूरन सिंह, जीवन सिंह, हयात सिंह अधिकारी आदि मौजूद रहे।

12वां श्री श्याम महोत्सव की तैयारियां पूर्ण

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा । नवयुवक श्री श्याम गुणगान मंडल द्वारा 12वां श्री श्याम महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। तराई बीज विकास निगम के मैदान में 2 जून को होने वाले श्री श्याम महोत्सव की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कार्यक्रम में कोलकाता के शुभम रूपम, मुंबई की गिन्नी कौर व काशीपुर की निशा अरोड़ा अपनी शानदार प्रस्तुति देंगे। एक निशान बाबा श्याम के नाम के तहत राधा कृष्ण खाटू श्याम देवालय लोहियाहेड रोड से कार्यक्रम स्थल तराई बीज विकास निगम मैदान तक हर्षोल्लास के साथ भव्य निशान यात्रा निकाली गई। 2 जून मंगलवार को रात्रि 8:00 बजे से अलौकिक श्रृंगार - भव्य दरबार सजेगा।

फेसबुक पर आपत्तिजनक टिप्पणी व धमकी से भड़का आक्रोश

आक्रोशित सफाई कर्मचारियों ने घेरी कोतवाली, जमकर प्रदर्शन

पुलिस को दी तहरीर, आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। पूर्व दर्जा राज्य मंत्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक और धमकी भरी टिप्पणियों के विरोध में सफाई कर्मचारियों में भारी आक्रोश फैल गया। कर्मचारियों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली में प्रदर्शन किया और कार्रवाई न होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी कर दी।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पूर्व पुराने तहसील में बनाए गए डंपिंग जोन में कुर्बानी के जानवरों के अवशेष मिलने के बाद विवाद शुरू हुआ था। इस मामले को लेकर एक संगठन के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। सफाई कर्मचारियों का आरोप है कि इस दौरान नगरपालिका के ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक तोताराम के साथ मारपीट की गई तथा जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया गया। घटना के बाद सफाई कर्मचारी और वाल्मीकि समाज के लोग नगरपा. लिका परिसर में एकत्र हुए और विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों की ओर से संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को तहरीर भी सौंपी गई। इसी क्रम में रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक वीडियो प्रसारित होने के बाद मामला और गरमा गया। वीडियो में पूर्व दर्जा राज्य मंत्री और कुछ अन्य लोगों के बीच तीखी बहस दिखाई गई। आरोप है कि वीडियो पर की गई कुछ टिप्पणियों में अभद्र और आपत्तिजनक भाषा तथा जान से मारने की धमकियां दी गईं।

सोमवार को सफाई कर्मचारी यूनियन की शाखा अध्यक्ष ग्रेस देवी के नेतृत्व में कर्मचारियों ने नगरपा. लिका में बैठक कर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद जुलूस की शक्ल में कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई। कर्मचारियों ने कोतवाल विजेंद्र शाह को ज्ञापन सौंपते हुए फेसबुक पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के स्क्रीनशॉट और अन्य साक्ष्य भी उपलब्ध कराए। कोतवाल ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। सफाई कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, उनकी हड़ताल जारी रहेगी। इस मौके पर रामू भारती, अनिल कुमार, विनोद कुमार, विक्की, मदन, विक्रम, संजय, रवि, चंदन, महेश, मनोज, कमलेश, लक्ष्मी, अनीता, रजनी, विनीता, काजल तथा शालू आदि उपस्थित रहे।

प्रतिष्ठित मंगलम स्वीट्स की नई शाखा का हुआ उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। प्रतिष्ठित मंगलम स्वीट्स की नई शाखा का उद्घाटन' रुद्रपुर गाबा चौक पर शहर की प्रतिष्ठित मंगलम स्वीट्स के नवीन ब्रांच का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक शिव अरोड़ा के द्वारा दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर नए प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया गया। प्रतिष्ठान के स्वामी अंकुर अग्रवाल ने बताया कि यहां पर ग्राहकों को उचित रेट पर स्वादिष्ट एवं ताजी मिठाइयां उपलब्ध की जाएंगी एवं ग्राहक यहां पर परिवार के साथ आकर शुद्ध ताजा नाश्ता एवं भोजन का आनंद ले सकते हैं।

विधायक शिव अरोड़ा ने अंकुर अग्रवाल को नए प्रतिष्ठान की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राहुल गांधी की जनसभा को लेकर कांग्रेसियों ने बनाई रणनीति

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का उत्तराखंड दौरा प्रदेश की राजनीति में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। यह बात राहुल गांधी के 4 जून कों अल्मोड़ा में आयोजित रैली एवं जनसभा की तैयारी कों लेकर कांग्रेस कार्यालय रामनगर में आयोजित बैठक में पूर्व विधायक रणजीत रावत नें कही।

उन्होंने बताया कि राहुल गांधी 4 जून को अल्मोड़ा में जनसभा एवं रैली को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ केंद्रीय और प्रदेश स्तरीय नेता भी शामिल होंगे। रणजीत सिंह रावत ने कहा कि कुमाऊँ मंडल के विभिन्न जिलों से हजारों कार्यकर्ता

रैली भाग लेंगे। रामनगर से भी बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता अल्मोड़ा पहुंचेंगे। रैली को सफल बनाने के लिए संगठन स्तर पर बड़ी तैयारी की जा रही है। बैठक में नगर एवं ब्लॉक स्तर के साथ बूथ स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने कहा कहा की राहुल गांधी के प्रति युवाओं, महिलाओं, किसानों एवं कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। पार्टी को विश्वास है कि अल्मोड़ा की यह सभा उत्तराखंड की सबसे बड़ी राजनीतिक सभाओं में शामिल होगी। बैठक में अनिल अग्रवाल खुलासा, भुवन शर्मा, देशबंधु रावत, ललिता उपाध्याय, ऊषा जोशी, भुवन पाण्डेय, चांद खान, मोईन खान, जावेद खान, नजाकत अली, बीना रावत, विमला आर्या, दीप्ति भारद्वाज, योगिता गोस्वामी, गिरधारी लाल, अनीस खान, आसिम अली, शेर खान आदि मौजूद रहे।

ताइक्वांडो चैंपियनशिप में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। हल्द्वानी में स्थित इंदि. रा गांधी इंटर नेशनल स्टेडियम आयोजित 13वीं ओपन नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप में रामनगर ताइक्वांडो अकादमी के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया।

प्रतियोगिता में अकादमी के खिलाड़ी अंशु, आदित्य, हिमांशु, ऋतिक नौटियाल, हार्दिक खड़का, श्रेयश तथा कला रावत ने प्रतिभाग किया।प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। अंशु ने कांस्य पदक, आदित्य ने स्वर्ण पदक और कला रावत ने रजत पदक जीतकर अकादमी और क्षेत्र को गौरवान्वित किया।अकादमी के प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संबन्ध विच्छेद

मैंनें अपने पुत्र मौ. फुरकान को उसके गलत चाल-चलन के कारण उससे अपने व अपने अन्य परिजनों के सभी सम्बंध विच्छेद कर उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया हैं। मेरा व मेरे किसी भी परिजन का अब पुत्र मौ.फुरकान ईशान से कोई सम्बंध या वास्ता सरोकार नहीं है। जो भी व्यक्ति पुत्र मौ. फुरकान से किसी भी प्रकार का कोई सम्बंध या वास्ता सरोकार या लेन-देन के व्यवहार रखेगा तो उसके लिए वह व्यक्ति स्वयं जिम्मेदार होगा, मैं या मेरा कोई भी परिजन मौ. फुरकान के किसी भी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।

वफाउरहमान पुत्र स्व. अब्दुल रहमान निवासी-वार्ड नं.-25, प्रीत विहार कालोनी, फाजलपुर महरौला, रुद्रपुर, जिला उधमसिंह नगर

ठेका प्रथा के खिलाफ संगठन ने दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज संगठन के प्रांतीय प्रभारी इंद्रपाल सिंह के नेतृत्व में एक ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजा है। ठेका प्रथा आउटसोर्सिंग उपनल मोहल्ला समिति अन्य से पीड़ित दस सूत्रीय मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा गया।

दिए गए ज्ञापन में उन्होंने बताया कि भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज संगठन ने उत्तराखंड सरकार से मांग की है की ठेका प्रथा उपनल आउटसोर्सिंग मोहल्ला समिति संविदा जैसी कुप्रथाओं को समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के लिए बने चरण बद्ध तरीके से ठोस नीति इन ऐजेन्सियों के माध्यम से कर्मचारियों का शोषण हो रहा है और बीच में दलाल उनका हक मार जाते हैं। सभी कर्मचारियों को नियमित किया जाए क्योंकि कर्मचारी लंबे समय से कार्य करते-करते बूढ़े हो चुके हैं।उनके बुढ़ापे के सहारे के लिए पेंशन की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट की विशेष नीति निर्णय सरकार अगर चाहें तो मंत्रालय ठेका प्रथा मोहल्ला समिति आउटसोर्सिंग संविदा उपनल सभी कर्मचारियों को यथावत स्थिति में नियमित करने के लिए स्पेशल प्रस्ताव की मंजूरी दे सकती है। कर्मचारियों को बिना शर्त के नियमित किया जाए। इस दौरान शुभम कुमार, अंकुश कुमार, राहुल कुमार, सौरभ कुमार, शुभम, लक्ष्य कुलश्रेष्ठ, अक्षय मनराल, प्रिंस कुमार, ध्रुव विशाल, मुकुल लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

पुष्कर सोसायटी की पूनम गुप्ता बनी चेयरपर्सन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। पुष्कर सोसाइटी की वार्षिक कार्यकारणी बैठक में तीन वर्षीय कार्यकारणी के लिए पूनम गुप्ता को पुनः चेयरपर्सन व नीतू चौहान को सचिव का दायित्व सोंपा गया।

पूनम गुप्ता के निवास पर सम्पन्न हुई बैठक में निष्क्रिय पदाधिकारियों व सदस्यों को हटाते हुये सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए उनके अलावा उपाध्यक्ष के लिए भावना कांडपाल, कोषाध्यक्ष पद पर बिमला जोशी, कनिष्ठ सचिव पद पर प्रीति गोला, कार्यकारणी सदस्य पद पर मधु ध्यानी योगाचार्य, अनुभा शर्मा अध्यापक, भावना शर्मा आदि को मनोनित किया गया।

जनसमस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान के उद्देश्य से सोमवार को जिला सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार ने जनपदवासियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में जनपद के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। कुल 74 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें अधिकांश का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष मामलों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों को भेजा गया।

जनसुनवाई के दौरान पेयजल, बिजली, सड़क, प्रधानमंत्री आवास योजना, घरेलू गैस सिलेंडर, कृषि, उद्यान, सिंचाई और उरेड़ा विभाग से जुड़े मामलों की भरमार रही। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकरण को लंबित न रखा जाए।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लाप. रवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी संवेदनशीलता, जवाबदेही और गंभीरता के साथ शिकायतों का निस्तारण करें, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जी.एस. खाती, अपर जिलाधिकारी कृष्ण नाथ गोस्वामी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. देवेश चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी आदि मौजूद रहे।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। गंगापुर मार्ग पर स्थित वसुंधरा कालोनी अपने भाई के घर में आई एक नवविवाहिता बहन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने उसके ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतका का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मृतका का विवाह करीब तीन माह पूर्व होने के कारण

मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया गया। चिकित्सक का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

परिजनों के अनुसार मूल रूप से फतेहगंज पश्चिम, बरेली निवासी दो भाईयों की इकलौती बहन 24 वर्षीय काजल पुत्री राजवीर पिछले करीब दो वर्षों से सिडकुल की एक कम्पनी में काम करती थी। इस वर्ष परिजनों ने उसका रिश्ता पंजाबी मौहल्ला, किच्छा निवासी एक युवक से किया था। परिजनों का आरोप है विवाह से पूर्व ही ससुरालियों द्वारा 15 लाख रुपये नगद और बुलेट मोटर साईकिल की मांग की जाने लगी। 18 फरवरी 2026 को सम्पन्न हुए विवाह के बाद ससुरालियों द्वारा अपनी मांग को लेकर काजल का उत्पीड़न किया जाने लगा।

आरोप है उसके साथ मारपीट की जाती थी और कई धमकियां दी जाती थीं। परिजनों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व काजल की सास उसे गंगापुर रोड़ वसुंधरा कालोनी निवासी उसके भाई पवन के घर छोड़ गई। जहां काजल ने भाई को सारी आप बीती बताई । तब से काजल हमेशा मानसिक तनाव में रहती थी। रविवार की रात्रि काजल की हालत अचानक बिगड़ गई। भाई पवन ने उसे उपचार के लिए तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन भी आ पहुंचे। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतका काजल का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भिजवाया और मृतका के नवविवाहिता होने के कारण इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मृतका का पंचनामा भर पोस्टमार्टम कराया गया। मृतका काजल द्वारा किसी विषाक्त पदार्थ के सेवन कर लेने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भाई पवन ने बताया कि काजल की मौत के बाद उसके पति का एक करीबी रिश्तेदार उसके घर आ धमका और कोई भी कार्रवाई करने पर तमंचा दिखाकर धमकी देने लगा। इतना ही नहीं वह पुन: पोस्टमार्टम हाऊस आकर धमकी देकर गया है। मामले की जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर मामले की जानकारी ली और परिवार को ढांढस बंधाया।

एक नजर

मनिहारगोठ में फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनाने को लगा कैंप

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। ग्राम पंचायत मनिहारगोठ में किसानों की सुविधा के लिए फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनाने हेतु विशेष कैंप का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान शाहाना खातून के कार्यालय में आयोजित इस कैंप में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी फार्मर रजिस्ट्री बनवाई।

कैंप के दौरान ग्राम पंचायत अधिकारी रीता बिष्ट एवं लेखपाल सुनील बुराठी ने किसानों की आवश्यक जानकारी दर्ज करने, दस्तावेजों के सत्यापन तथा रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को फार्मर रजिस्ट्री के लाभों की जानकारी भी दी। कैंप में किसानों और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की तथा व्यवस्था की सराहना की। ग्रामीणों का कहना था कि ऐसे शिविरों से उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में आसानी होगी। आयोजन के दौरान सभी पात्र किसानों को फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनवाने के लिए प्रेरित किया गया।

मनिहारगोठ में भूमि विवादों से ग्रामीण परेशान, समाधान की मांग तेज

शाह टाइम्स संवाददाता

मनिहारगोठ (चंपावत)। ग्राम पंचायत मनिहारगोठ में भूमि संबंधी विवाद लगातार बढ़ते जा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। क्षेत्र में ऐसे कई मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें जमीन का नाम राजस्व अभिलेखों में किसी अन्य व्यक्ति के नाम दर्ज है, जबकि वर्षों से उस पर कब्जा किसी और का है। इस स्थिति के कारण ग्रामीणों को विभिन्न प्रशासनिक और कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि भूमि अभिलेखों और वास्तविक कब्जे में अंतर होने से आए दिन विवाद उत्पन्न हो रहे हैं। कई मामलों में न्यायालयों में वाद भी विचाराधीन हैं, जिससे प्रभावित परिवारों को लंबे समय तक निर्णय का इंतजार करना पड़ रहा है। पूर्व सदर शाफिकुर रहमान ने इस गंभीर समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन से ऐसे प्रकरणों का जल्द से जल्द समाधान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भूमि विवादों के कारण ग्रामीण मानसिक, आर्थिक और सामाजिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। पूर्णागिरि तहसील की तहसीलदार पिंकी आर्य ने कहा कि भूमि संबंधी शिकायतों का नियमानुसार निस्तारण किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को अभिलेखों या कब्जे को लेकर समस्या है तो वह राजस्व विभाग में प्रार्थना पत्र दे सकता है। विभाग शिकायतों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करेगा।

टनकपुर में बंद पड़े सीसीटीवी कैमरे चालू कराने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुकेश जोशी ने पुलिस क्षेत्राधिकारी निहारिका सेमवाल को ज्ञापन सौंपकर नगर क्षेत्र में बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को शीघ्र संचालित कराने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि नगर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर लगे कई कैमरे बंद होने से सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वर्तमान में मां पूर्णागिरि मेले के दौरान प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं का आवागमन हो रहा है, ऐसे में कैमरों का सुचारु रूप से कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने जनहित और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए संबंधित विभागों को निर्देश देकर कैमरों को जल्द चालू कराने की मांग की है। ज्ञापन की प्रति जिलाधिकारी चम्पावत को भी भेजी गई है।

वरिष्ठ व्यवसायी दीपक शारदा ने श्रद्धालुओं के लिए लगवाया वाटर कूलर

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। भीषण गर्मी के बीच नगर क्षेत्र के वरिष्ठ व्यवसायी दीपक शारदा ने जनहित में सराहनीय पहल करते हुए अपने निवास स्थान के बाहर ठंडे पेयजल की व्यवस्था के लिए अत्याधुनिक कूलिंग मशीन युक्त वाटर कूलर स्थापित कराया है। उनकी इस पहल से स्थानीय लोगों के साथ-साथ माँ पूर्णागिरि धाम आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को भी राहत मिलेगी।

गर्मी के मौसम में शीतल पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगाए गए इस वाटर कूलर का लाभ राहगीरों, व्यापारियों, यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को प्रतिदिन मिलेगा। क्षेत्रवासियों ने दीपक शारदा के इस सामाजिक कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए इसे मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्णागिरि मेले के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु टनकपुर पहुंचते हैं, ऐसे में ठंडे पानी की यह व्यवस्था उनके लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। दीपक शारदा ने कहा कि समाज और श्रद्धालुओं की सेवा करना उनका दायित्व है तथा भविष्य में भी जनहित से जुड़े कार्यों में उनका सहयोग जारी रहेगा।

पहाड़पुर क्षेत्र में तेंदुए की दहशत, ग्रामीणों ने वन विभाग से लगाई सुरक्षा की गुहार

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। ग्राम पहाड़पुर क्षेत्र में तेंदुए की लगातार मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार अमृतपाल सिंह, मनजीत सिंह और मनिंदर सिंह के खेतों के आसपास पिछले कई दिनों से तेंदुआ दिखाई दे रहा है, जिससे क्षेत्र के लोगों में दहशत व्याप्त है। बताया जा रहा है कि तेंदुआ सुबह और शाम के समय खेतों के आसपास घूमता नजर आ रहा है। इसके चलते किसान, मजदूर एवं अन्य ग्रामीण खेतों में जाने से घबरा रहे हैं। लोगों को आशंका है कि तेंदुआ किसी भी समय जान-माल का नुकसान पहुंचा सकता है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मामले का संज्ञान लेकर तत्काल आवश्यक कदम उठाने तथा क्षेत्र में गश्त बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि तेंदुए की गतिविधियों पर निगरानी रखकर ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र में बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं वन विभाग से जल्द राहत दिलाने की मांग की जा रही है।

जेईई एडवांस में चमके खटीमा के लाल

पुलकित को 2634वीं, कृष को 4237वीं और योगेश को मिली 6177वीं रैंक

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। सीमांत क्षेत्र खटीमा के छिनकी फार्म स्थित डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी के छात्रों ने ऑल इंडिया जेईई एडवांस परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम पूरे देश में रोशन किया है।

विद्यालय के छात्र पुलकित जोशी ने ऑल इंडिया स्तर पर 2634वीं रैंक, कृष जोशी ने 4237वीं रैंक और योगेश इगराल ने 6177वीं रैंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्र के सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों की इस उच्च स्तरीय सफलता पर पूरे क्षेत्र और विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक धीरेन्द्र चंद्र भट्ट ने छात्रों, उनके अभिभावकों और मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों ने अपनी बार. हवीं कक्षा की पढ़ाई के साथ-साथ यह मुकाम कड़े परिश्रम से हासिल किया है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, प्रेमा भट्ट, मनीष चंद, विक्टर आईवन, हरीश भट्ट, अशोक जोशी, मानवेंद्र सिंह, अरुण कुमार, अरुण पाल, बलजीत सिंह, सुरेश ओली, दिगंबर भट्ट, मनीष ठाकुर, सुरेंद्र रावत, भरत बिष्ट, डॉ. बलवंत ऐरी, कल्पना चंद, नीतू चंद, ऊषा चौसाली, हेमलता बोरा, शिल्पा सक्सेना सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्रों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

स्मैक तस्करों पर चंपावत पुलिस का करारा प्रहार

14.25 ग्राम स्मैक के साथ शातिर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। उत्तराखंड को नशा मुक्त बनाने के अभियान में चंपावत पुलिस लगातार तस्करों की कमर तोड़ रही है। इसी कड़ी में टनकपुर पुलिस ने एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी के कारोबार पर जोरदार चोट की है। पुलिस ने 14.25 ग्राम अवैध स्मैक के साथ एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के सख्त निर्देशों पर जिलेभर में नशा

तस्करों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। सोमवार को क्षेत्राधिकारी टनकपुर निहारिका सेमवाल के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक चेतन रावत के नेतृत्व में चलाए गए सघन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस टीम ने पूर्णागिरि राइस मिल के पीछे स्थित खाली प्लॉट के पास से गौरव कुमार उर्फ गुड्डू निवासी वर्मा लाइन, वार्ड नंबर-3 टनकपुर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 14.25 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने तत्काल आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक तेज कुमार, हेड कांस्टेबल कमल कुमार एवं कांस्टेबल दीपक सिंह मौजूद रहे।

51 हजार रुपये से भरा पर्स लौटाकर नफीस अहमद ने पेश की ईमानदारी की मिसाल

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। आज के दौर में जहां अक्सर लोगों का भरोसा टूटने की खबरें सामने आती हैं, वहीं गदरपुर क्षेत्र के मजरा शीला निवासी नफीस अहमद अंसारी ने ईमानदारी और मानवता की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी हर ओर सराहना हो रही है।

जानकारी के अनुसार रजपुरा नंबर-2 निवासी महिला किरन अपने घर लौट रही थीं। इसी दौरान रास्ते में मजरा शीला के पास उनका पर्स कहीं गिर गया। पर्स में लगभग 51 हजार रुपये की नकदी के साथ-साथ कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी रखे हुए थे। घर पहुंचने से पहले ही जब उन्हें पर्स के गुम होने का एहसास हुआ तो उनकी चिंता बढ़ गई। पर्स में रखी बड़ी

रकम और जरूरी कागजात को लेकर वह काफी परेशान हो गईं। महिला ने अपने स्तर पर पर्स की तलाश शुरू की। उन्होंने रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली और विभिन्न स्थानों पर जानकारी जुटाई। तलाश करते-करते वह मजरा शीला स्थित एक किराना दुकान पर पहुंचीं। उसी दौरान दुकान पर पहुंचे नफीस अहमद अंसारी ने महिला की परेशानी को देखा और उनसे कारण पूछा। महिला ने अपना पर्स खोने की बात बताई।

यह सुनते ही नफीस अहमद उन्हें अपनी दुकान पर ले गए और सुरक्षित रखा हुआ वही पर्स उन्हें सौंप दिया। पर्स की जांच करने पर उसमें रखी पूरी नकदी और सभी दस्तावेज सही-सलामत मिले। अपना खोया हुआ सामान वापस पाकर महिला की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

उन्होंने नफीस अहमद का आभार व्यक्त करते हुए उनकी ईमानदारी की सराहना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि नफीस अहमद का यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है। ऐसे समय में जब लोग छोटी-छोटी बातों पर स्वार्थ को प्राथमिकता देते हैं, नफीस अहमद ने यह साबित कर दिया कि ईमानदारी और इंसानियत आज भी जीवित हैं। उनका यह सराहनीय कदम समाज में विश्वास और भाईचारे को मजबूत करने का काम करेगा तथा दूसरों को भी नेक कार्य करने की प्रेरणा देगा।

छत से गिरकर युवक की मौत बिना पुलिस को सूचना दिए परिजनों ने किया अंतिम संस्कार

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। ग्राम कंचनपुरी में एक चौकाने वाला मामला प्रकाश आया है। रात में छत पर सो रहे एक युवक की नीचे गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परि. जनों ने कानूनी करवाई से बचने के चलते पुलिस को सूचना दिए बिना ही आनन फानन में युवक का अंतिम संस्कार कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कंचनपुरी निवासी एक युवक की शनिवार की रात छत से गिरकर मौत हो गई। मृतक छत पर सोया हुआ था। देर रात नींद में बाथरूम करने के लिए उठा। संतुलन बिगड़ने के कारण वह सीधे छत से नीचे गिर गया और पूरी रात वहीं पड़ा रहा ।सुबह जब परिजन उसे उठाने गए तो वह मौके पर नहीं था। तलाश करने पर मकान के पीछे बेसुध अवस्था में पड़ा मिला। परिजन उसे इलाज के लिए डाक्टर के पास ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत के बाद घर में को. हराम मच गया, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि परिवार के लोगों ने इस घटना की जानकारी स्त्रहमील पुलिस को नहीं दी और शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। अचानक की घटना से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। इधर चौकी प्रभारी राकेश राय ने बताया कि घटना से संबन्धित पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिली।

धामी सरकार की पहल से मनिहारगोठ में जगमगाए रास्ते

30 सौर ऊर्जा लाइटों से ग्रामीणों को मिली बड़ी राहत

शाह टाइम्स संवाददाता

टनकपुर। ग्राम पंचायत मनिहारगोठ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के प्रयास लगातार धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत मनिहारगोठ में पथ प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 30 सौर ऊर्जा संचालित स्ट्रीट लाइटें पंचायत निधि से स्थापित की गई हैं, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

ग्राम पंचायत अधिकारी विवेक वर्मा एवं ग्राम प्रधान शाहाना खातून ने बताया कि गांव के विभिन्न मार्गों और सार्वजनिक स्थानों पर सौर ऊर्जा लाइटें लगाए जाने से रात के समय आवागमन सुरक्षित और सुगम हो गया है। पहले अंधेरे के कारण ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब गांव के रास्ते रोशनी से जगमगा उठे हैं। ग्रामीणों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा लाइटों की स्थापना से न केवल बिजली की बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्राम प्रधान शाहाना खातून, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष मुवशिशर अली (गोलू) उप प्रधान नजीर हुसैन ने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह

धामी का आभार व्यक्त किया।

सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य नितिन चरण बाल्मीकी का महुआडाबरा में स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। नगर पंचायत महुआडाबरा कार्यालय में उत्तराखंड सरकार के सफाई कर्मचारी आयोग सदस्य नितिन चरण बाल्मीकी के आगमन पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत के पर्यावरण मित्रों ने अपनी विभिन्न समस्याओं, मांगों एवं सुझावों से सदस्य को अवगत कराया। आयोग सदस्य ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कुछ समस्याओं का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे कर्मचारियों में प्रसन्नता का माहौल रहा। मीडिया से बातचीत में नितिन चरण बाल्मीकी जी ने सफाई

कर्मचारियों के कल्याण एवं उनके अधिकारों की सुरक्षा के लिए आयोग की प्रतिबद्धता दोहराई तथा सभी कर्मचारियों से अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर नगर पंचायत महुआडाबरा के अधिशासी अधिकारी आदित्य जोशी, लेखा लिपिक वंदिता सहित दर्जनों की संख्या में नगर पंचायत के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

68 लाभार्थियों को मिले आर्थिक राहत के चेक

शाह टाइम्स संवाददाता

चम्पावत। जनपद के जरूरतमंद एवं पात्र नागरिकों को त्वरित राहत एवं आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में सोमवार को जिला सभागार चम्पावत में मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के अंतर्गत स्वीकृत सहायता राशि के चेक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार ने 68 लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक वितरित कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य आमजन को योजनाओं एवं आर्थिक सहायता का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें समय पर सहायता मिल सके, इसी सोच के तहत स्वीकृत धनराशि सीधे लाभार्थियों के हाथों में सौंपी गई है।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनता मिलन कार्यक्रम, जन-जन की सरकार अभियान तथा जन समर्पण पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्र व्यक्तियों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप जरूरतमंदों को आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है और भविष्य में भी पात्र व्यक्तियों को इस प्रकार की सहायता मिलती रहेगी।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष उन लोगों के लिए आशा की किरण है जो गंभीर बीमारी, आर्थिक संकट, आकस्मिक दुर्घटनाओं अथवा अन्य विषम परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं के समाधान और राहत पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता प्राप्त करने वाले शेर सिंह, ईश्वर सिंह बिष्ट, मोहन चन्द्र पाण्डेय, ऊषा जोशी, मिलाप सिंह, प्रकाश नाथ, प्रेम बल्लभ सहित अन्य लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सीधे हाथों में सहायता राशि मिलने से संकट की घड़ी में उन्हें बड़ी राहत और भरोसा मिला है।

बीस गांव के भूमिधरी अधिकार मिलने तक जारी रहेगा संघर्ष: बाजवा

भूमि बचाओ मुहिम का स्थापना दिवस मनाया, संघर्ष जारी रखने का लिया संकल्प

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। भूमि बचाओ मुहिम का स्थापना दिवस आज श्रद्धा एवं संकल्प के साथ मनाया गया। बाजपुर के 20 गांवों की 5838 एकड़ भूमि की मिट्टी एकत्रित कर तैयार किए गए थाती कलशों का पूजन एवं तिलक कर किसानों, मजदूरों और व्यापारियों के भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया। भूमि बचाओ मुहिम के संयोजक किसान नेता जगतार सिंह बाजवा ने कहा कि बाजपुर क्षेत्र के 20 गांवों की 5838 एकड़ भूमि से जुड़े किसानों, मजदूरों और व्यापारियों के भूमिधरी अधिकार सरकार द्वारा लगभग छह वर्ष पूर्व छीन लिए गए थे। तब से प्रभावित लोग लगातार अपने अधिकारों की बहाली के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

और क्षेत्र के हजारों परिवार बर्बादी के कगार पर पहुंच गए हैं आधी सदी से भी अधिक समय से प्राप्त भूमि धरी

अधिकारों को छीनना कत्तई न्यायोचित नहीं है। उन्होंने कहा कि अनेक आंदोलनों, धरना-प्रदर्शनों तथा सरकार की ओर से मिले आश्वासनों के बावजूद आज तक भूमिधरी अधिकार बहाल नहीं किए गए हैं, जिससे क्षेत्र के हजारों परिवारों में निराशा और असंतोष व्याप्त है।

भूमि बचाओ मुहिम स्थापना दिवस पर सभी ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि जब तक प्रभावित लोगों को उनके भूमिधरी अधिकार वापस नहीं मिल जाते, तब तक आंदोलन और संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। बाजवा ने कहा कि भूमि केवल किसानों की आजीविका का साधन नहीं, बल्कि उनकी पहचान और भविष्य का आधार है।

यह भूमिधरी अधिकार बाजपुर के अस्तित्व का सवाल है इसलिए अधिकारों की बहाली के लिए हर लोकतांत्रिक स्तर पर संघर्ष किया जाएगा तथा सरकार को अपने वादे पूरे करने होंगे। स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित किसानों, मजदूरों, व्यापारियों एवं क्षेत्रवासियों ने थाती कलशों का पूजन कर भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट रहने का संकल्प दोहराया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद्, गदरपुर, ऊधम सिंह नगर

पत्रांक-122/नामा०सूचना/2026-27 दिनांक-1-6-2026

नामान्तरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गृहकर अभिलेखानुसार वार्ड नं.-04 क्रमांक 99 पर श्री श्याम चंद पुत्र श्री राझा राम का नाम अंकित है, जिसका गृहकर 380 रू० वार्षिक है। इकरारनामा बिक्रीनामें के आधार पर गृहकर अभिलेखों में श्री हरवंश लाल पुत्र श्री पंजूराम निवासी वार्ड नं. 04. सिनेमा रोड, गदरपुर, ऊधम सिंह नगर के जरिये अपने नाम से पत्रावली प्रस्तुत कर गृहकर नामान्तरण कराने के लिये अनुरोध किया गया है, जो कि प्रस्तावित है। उपरोक्तानुसार नामान्तरण करने पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि के 30 दिन के भीतर अपनी लिखित आपत्ति पालिका कार्यालय में मय साक्ष्यों सहित प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। विवाद की दशा में नामान्तरण स्वत: निरस्त समझा जायेगा, तथा सक्षम न्यायालय का आदेश मान्य होगा।

अधिशासी अधिकारी

ऑल सेंट्स कॉलेज में सांस्कृतिक संध्या

हिन्दुस्तानी ऑर्केस्ट्रा रहा विशेष आकर्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर के प्रतिष्ठित ऑल सेंट्स कॉलेज में सोमवार को आयोजित सांस्कृतिक संध्या रंगारंग प्रस्तुतियोंए मधुर संगीत और विद्यार्थियों की उत्कृष्ट प्रतिभा से सराबोर रही। कार्यक्रम का शुभारंभ भावपूर्ण प्रार्थना नृत्य से हुआ। विद्यार्थियों ने संगीत और मनोहारी भाव भंगिमाओं के माध्यम से ईश्वर के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और आस्था का सुंदर संदेश प्रस्तुत किया। इसके पश्चात मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध कवि रॉबर्ट साउदी की कविता द कैटरैट ऑफ लॉडोर की समूह काव्य प्रस्तुति दी। संगीतमय प्रस्तुतियों की श्रृंखला में विद्यालय के हिन्दुस्तानी गान दल ने भारतीय संगीत जगत की सुप्रसिद्ध गायिका आशा भोसले को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके लोकप्रिय गीतों की मनमो. हक प्रस्तुति दी। छात्राओं ने भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न हिंदुस्तानी नृत्य शैलियों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ भी दीं। इसके बाद अंग्रेजी गान दल ने सामूहिक संगीत की सुंदरता और एकता की भावना को दर्शाती मधुर प्रस्तुति देकर सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण हिन्दुस्तानी ऑर्केस्ट्रा रहा। इसके उपरान्त वायलिन वादन की प्रस्तुति ने दर्शकों को विशेष रूप से प्रभावित किया। सांस्कृतिक संध्या का मुख्य आकर्षण डिज्नी मूवी द लायन किंग का नाट्य रूपांतरण रहा। विद्यार्थियों ने अपने अभिनय कौशल, संवाद अदायगी और मंचीय अभिव्यक्ति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल ने विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और व्यक्तित्व विकास को नई दिशा प्रदान करते हैं। इस दौरान आगरा डायसेस चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया के सेक्रेटरी व शेरवुड कालेज के प्रधानाचार्य व ऑल सेंट्स कालेज की गवर्निंग बॉडी के सदस्य अमनदीप संधू, बिरला विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य ए के शर्मा व आशा शर्मा, लॉन्ग व्यू पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य भुवन त्रिपाठी, छात्राओं के अभिभावकों समेत कई गणमान्य व्यक्ति और विद्यालय के शुभचिंतक उपस्थित रहे। ऑल सेंट्स कालेज की प्रधानाचार्या एंजिना रिचर्ड्स ईश्वर के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए सभी शिक्षकों व कर्मचारियों समेत उपस्थित सभी दर्शकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन शिक्षिका नीमा उपाध्याय सहित छात्रा तनिष्का शाही, मलिया जोशी, प्रिशा चड्ढा, अर्पण कौर और गर्विता जोशी ने किया।

चिल्ड्रन पार्क भी हुआ जलमग्न

बारिश ने खोली जल निकासी की पोल, डीएसए मैदान भी हुआ था जलमग्न

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल में बारिश ने एक बार फिर नगर की जल निकासी व्यवस्था की हकीकत सामने ला दी है। बीते दिन बारिश के दौरान जहां डीएसए मैदान के जलमग्न होने के बाद उठे सवाल अभी थमे भी नहीं थे कि सोमवार सुबह मल्लीताल स्थित चिल्ड्रन पार्क में भी भारी जलभराव हो गया। इससे प्रशासन और नगर पालिका के दावों पर फिर सवाल खड़े हो गए हैं। बता दें सोमवार की सुबह हुई तेज बारिश के बाद डीएसए मैदान व चिल्ड्रन पार्क के कई हिस्सों में पानी भर गया। बारिश रुकने के बाद पार्क में घूमने और झूले झूलने पहुंचे बच्चों व अभिभावकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि कुछ बच्चे पानी के बीच ही झूलों का आनंद लेते नजर आए लेकिन पार्क परिसर में भरे पानी ने सुरक्षा और रखरखाव को लेकर चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़ी बात यह है कि डीएसए मैदान और चिल्ड्रन पार्क दोनों ही स्थल नगर पालिका कार्यालय से महज लगभग 200 मीटर की दूरी पर स्थित हैं। ऐसे में प्रशासनिक मुख्यालय के आसपास ही जलभराव की स्थिति उत्पन्न होना व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है। मामले में उपजिलाधिकारी नवाजिश खलिक ने कहा कि बारिश के कारण कुछ स्थानों पर जलभराव की सूचना मिली है। संबंधित विभागों को मौके पर भेजकर स्थिति का निरीक्षण कराया जा रहा है तथा जल निकासी की व्यवस्था सुचारू करने के निर्देश दिए गए हैं।

नैनी झील बारिश के साथ बहे कूड़े से हुई प्रदूषित

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। मानसून से पूर्व ही तेज बारिश ने नैनीताल की सफाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों से बहकर आया भारी मात्रा में कूड़ा तथा प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट सीधे जीवनदायिनी नैनी झील में समा गया। झील के किनारों पर तैरती गंदगी न केवल प्रशासनिक तैयारियों की पोल खोल रही हैए बल्कि यह भी बता रही है कि झील को प्रदूषण से बचाने के दावे धरातल पर कितने कारगर हैं। मामले में उप जिलाधिकारी नवाजिश खलिक ने बताया कि बारिश के दौरान कुछ स्थानों से कूड़ा बहकर नैनी झील में पहुंचने की सूचना मिली है। संबंधित विभागों को तत्काल सफाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि झील की स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

तेज हवाएं: घर के पास विद्युत लाइन में गिरा देवदार का पेड़

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश के बीच नगर के स्टाफ हाउस क्षेत्र में एक देवदार का पेड़ जड़ से टूटकर बिजली की लाइन को क्षतिग्रस्त करते हुए आंगन में गिर गया। संयोगवश पेड़ घर के गेट में फंस गया। यदि पेड़ सीधे नीचे की ओर गिरता तो घर के नीचे बना टीनशेड और आसपास की संपतियों को भारी नुकसान पहुंच सकता था। बता दें सोमवार की सुबह पेड़ गिरने से क्षेत्र की विद्युत लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं जिससे आसपास के घरों में बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। स्थानीय निवासी रश्मि आर्य ने बताया कि प्रभावित घर में दिव्यांग सदस्य सहित परिवार निवास करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में कई पुराने और खोखले हो चुके पेड़ लंबे समय से लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। इस संबंध में वन विभाग और जिला प्रशासन को कई बार प्रार्थना पत्र देकर ऐसे पेड़ों को हटाने तथा खतरा बने पेड़ों की लॉपिंग कराने की मांग की गईए लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। वहीं तल्लीताल में भी हवा से एक पेड़ टूटने से बिजली की लाइन क्षतिग्रस्त हो गई। ऊर्जा निगम के एसडीओ प्रियंक पांडे ने बताया कि नैनीताल शहर में क्षतिग्रस्त लाइनें दुरुस्त कर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी है।

नैनीताल में दिनभर जाम से लोग रहे परेशान– पर्यटन सीजन के चलते सोमवार को नैनीताल की प्रमुख सड़कों पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रही। तल्लीताल, माल रोड, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी रोड और भवाली मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं, जिससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोअर माल रोड पर चल रहे कार्य के कारण अपर माल रोड पर टू-वे यातायात और पैदल पर्यटकों की भीड़ से समस्या और बढ़ गई। स्थानीय लोगों ने अव्यवस्थित पार्किंग को जाम का प्रमुख कारण बताया। एसपी डा. जगदीश चंद्र ने कहा कि बढ़ते वाहन दबाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और यातायात सुचारु रखने के प्रयास जारी हैं।

एक नजर

हेम चन्द्र आर्य ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

नैनीताल। भाजपा जिला कार्यकारिणी के सदस्य हेम चंद्र आर्य के नेतृत्व में ग्रामीणों के शिष्टमंडल ने सोमवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल को ज्ञापन सौंपकर नैनीताल जिले के रामगढ़ विकास खंड के ग्राम हली शेरा में अधूरे पड़े नाले के निर्माण कार्य को जल्द पूरा करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। शिष्टमंडल में पान सिंह, नंदन सिंह, नैन सिंह, इंदर सिंह बिष्ट समेत कई ग्रामीण शामिल रहे।

सड़क किनारे पार्क वाहनों पर कसा शिकंजा

नैनीताल। नैनीताल में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिस ने तल्लीताल सड़क किनारे वाहन खड़े कर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने 45 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। तल्लीताल क्षेत्र में चलाए गए विशेष अभियान के तहत सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटाया गया और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान किए गए। पुलिस की इस कार्रवाई से कुछ समय के लिए सड़कें अवरोध मुक्त नजर आईं और यातायात संचालन में सुधार हुआ लेकिन पुलिस के जाते ही लोगों ने फिर सड़कों के किनारे वाहन पार्क कर दिए। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक हरपाल सिंह ने बताया कि सड़क किनारे वाहन पार्क कर यातायात प्रभावित करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है ताकि शहर में जाम की समस्या को कम किया जा सके।

कैरम: प्री.क्वार्टर व क्वार्टर फाइनल की जंग तेज

नैनीताल। जिला बार एसोसिएशन नैनीताल द्वारा स्व. प्रताप सिंह मौनी अधिवक्ता की स्मृति में आयोजित कैरम प्रतियोगिता के छठे दिन यानी सोमवार को रोमांचक मुकाबले खेले गए। खास बात यह रही कि खुद जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण बिष्ट ने स्वयं मैच रेफरी की भूमिका निभाते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। एसोसिएशन के क्रीड़ा सचिव डीएस दानू ने बताया कि सिंगल्स वर्ग में मनीष कांडपाल, हंसराज सिजवाली और चंद्रप्रकाश ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर प्री. क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है वहीं डबल्स वर्ग में राकेश सुयाल समेत संजय सुयाल व डीएस दानू व हंसराज सिजवाली की जोड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। बताया कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण की ओर बढ़ने के साथ खिलाडियों के बीच प्रतिस्पर्धा और रोमांच बढ़ता जा रहा है। प्रतियोगिता को देखने के लिए बार हॉल में अधिवक्ताओं और दर्शकों की अच्छी खासी भीड़ जुटी रही। इस दौरान एसोसिएशन के सचिव संजय सुयाल, उपाध्यक्ष कमल चिलवाल, उपसचिव नीरज गोस्वामी सहित कार्यकारिणी सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद रहे।

नगर आयुक्त हरिद्वार को 8 हफ्ते की मोहलत

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने नगर निगम हरिद्वार के विभिन्न क्षेत्रों में निर्माण कार्य पूर्ण होने के बावजूद भी अभी तक दो दर्जन से अधिक ठेकेदारों को नगर निगम हरिद्वार के द्वारा भुगतान नहीं करने को लेकर दायर करीब दो दर्जन याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की। बता दें मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा है कि वे इस संबंध में फिर से एक नया प्रयावेदन नगर आयुक्त हरिद्वार नगर निगम को दो सप्ताह के भीतर दें। कोर्ट ने नगर आयुक्त से कहा है कि वे इनके प्रत्यावेदन पर आठ सप्ताह के भीतर विधि अनुसार निर्णय लेकर उचित कार्यवाही करें। मामलों को सुनने के बाद कोर्ट ने सभी याचिकाएं निस्तारित कर दीं।

याचिकाकर्ता अपना नया प्रयावेदन दें: हाईकोर्ट

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने लोक निर्माण विभाग में कार्यरत वर्कचार्ज कर्मचारियों के द्वारा पूर्व में दैनिक श्रमिक के रूप में की गयी सेवाओं को पेंशन तथा ग्रेच्युटी व अन्य लाभों के लिए विभाग के द्वारा न जोड़ने के खिलाफ दायर कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने याचिकाओं को निस्तारित करते हुए याचिकाकर्ताओं से कहा है कि वे इस संबंध में अपना एक नया प्रयावेदन दो सप्ताह के भीतर संबन्धित अधिकारी को दें। संबन्धित अधिकारी उस प्रयावेदन पर दो माह के भीतर विधि अनुसार निर्णय लेकर उचित आदेश पारित करें।

अपहरण/हत्या मामले में आरोपी को जमानत

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एक कथित अपहरण और हत्या के मामले में जेल में बंद आरोपी रमेश राम की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की एकलपीठ में हुई। कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि मामले के दो अन्य सह आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है इसलिए समानता के सिद्धांत के आधार पर भी आवे. दक जमानत का हकदार है। यह मामला पिथौरागढ़ जिले के बेरीनाग थाना (राजस्व क्षेत्र कालासिला) के अंतर्गत वर्ष 2025 में अपहरण व हत्या के गंभीर आरोप लगाए गए थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार सुनीता देवी नामक एक महिला के लापता होने के बाद टनकपुर (चंपावत) से एक शव बरामद हुआ था जिसे लापता महिला का मानकर जांच आगे बढ़ाई गई थी। आरोपी 11 दिसंबर 2025 से ही जेल में बंद था और उसके वकीलों ने कोर्ट में दलील दी कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है। अदालत में मामले का रुख तब पूरी तरह बदल गया जब वैज्ञानिक साक्ष्यों को सामने रखा गया। डीएनए की जांच रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि टनकपुर से बरामद हुआ शव किसी महिला का नहीं बल्कि एक पुरुष का था।

ग्लोब बेकर्स एंड कैफे का उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। माल रोड में ग्लोब बेकर्स एंड कैफे नाम से एक नया कैफे खुल गया है। उद्घाटन विधायक सरिता आर्या ने किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल मल्लीताल के अध्यक्ष किशन सिंह नेगी तथा अध्यक्ष बाइक रेंटल संगठन संजय सिरोही व हीना टूर ओनर यूसुफ खान पंमी खान, नईम अहमद, जैन भाई, आरिश भाई, रबबानी इमरान, महेंद्र खाती, तारीख भाई, सुल्तान, कमल किशोर, भारत मेहरा, सोनू नेता तथा अन्य कई सामाजिक सामाजिक कार्यकर्ता एवं व्यापारी का उपस्थित रहे।

हल्द्वानी के सौंदर्यीकरण व सड़क चौड़ीकरण पर सुनवाई 4 को

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हल्द्वानी में शहर के सौंदर्यीकरण और सड़क चौड़ीकरण के लिए निजी संपतियों को तोड़े जाने को लेकर दायर कई याचिक. ाओं पर एक साथ सुनवाई की। सभी याचिकाओं को खण्डपीठ ने एक साथ सुनवाई करते हुए पूर्व में दिए गए अंतरिम आदेश को अगली तिथि तक बढ़ा दिया। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ती सुभाष उपाध्याय की खण्डपीठ में हुई। खण्डपीठ ने मामले की अगली सुनवाई हेतु 4 जून की तिथि नियत की है। मामले के अनुसार हल्द्वानी के ओके होटल व होटल हैप्पी होम सहित कई अन्य ने उच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर कर कहा है कि हल्द्वानी मंगल पड़ाव से लेकर रोडवेज बस स्टेशन तक सड़क चौड़ीकरण किया जा रहा है जिसकी जद आ रही निजी संपतियों धारकों को अल्प समय का नोटिस देकर उन्हें तोड़ने के आदेश जारी किए है जो नियमविरुद्ध है। उनका पक्ष सुनने का उचित समय तक उन्हें नहीं दिया जा रहा है। याचिकाओं में यह भी कहा है कि वे वर्षों से यहां व्यवसाय कर रहे हैं, अब निगम व प्रशाशन उन्हें अतिक्रमण के नाम पर हटा रही है। उनको सुनवाई के मौका तक नहीं दिया गया। याचिकाओं में कोर्ट से प्रार्थना की है कि उनका पक्ष सुने बिना उन्हें नहीं हटाया जाए जबकि निगम की तरफ से कहा गया अतिक्रमणकारियों को नोटिस दिया गया है और उनका पक्ष सुनने के बाद ही अतिक्रमण हटाया जा रहा है जबकि प्रशासन व निगम द्वारा रोड के चौड़ीकरण करने के लिए सरकारी भूमि पर बने दीवारों आवासों को हटाया गया है।

जिले में राशन कार्डो का सत्यापन

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सूबे के सीएम पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर इन दिनों नैनीताल जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में राशन कार्ड सत्यापन अभियान

प्राथमिकता से चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा नैनीताल तहसील में उप जिलाधिकारी नवाजिश खलिक को शहरी क्षेत्र में राशन कार्ड सत्यापन हेतु नोडल अधिकारी और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सुरेन्द्र सिंह बिष्ट को सहायक नोडल अधिकारी नामित करते हुए अधिशासी अधिक. ारी पूर्ति निरीक्षक को सदस्य बनाया गया है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी बिष्ट ने बताया कि टीम को राशन कार्ड सत्यापन के दौरान कई घरों में ताला मिलने से संबंधित राशन कार्ड का सत्यापन नहीं हो पा रहा है जिन्हें भी अपने राशन कार्ड का सत्यापन जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय में आकर करवाना होगा। कहा कि जिन राशन कार्ड धारकों द्वारा अभी तक ई केवाईसी नहीं कराई गई है वे संबंधित राशन की दुकान में जाकर अथवा घर बैठे भी प्ले स्टोर से मेरा ई केवाईसी एप डाउनलोड कर राशन कार्ड की ई केवाईसी कर सकते हैं। बिष्ट के मुता. बिक जनपद नैनीताल में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत प्राथमिक परिवार के कुल 113642, अंत्योदय अन्न योजना के 17834 और राज्य खाद्य योजना के कुल 101104 राशन कार्ड और उन राशन कार्डों में दर्ज यूनिट का सत्यापन कराया जा रहा है। नैनीताल तहसील के अंतर्गत गठित टीमों द्वारा अभी तक शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत प्राथमिक परिवार के 4281, अंत्योदय अन्न योजना के 363, और राज्य खाद्य योजना के 4508 राशन कार्डों का सत्यापन किया जा चुका है जिसमें से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अन्तर्गत प्राथमिक परिवार के 160, अंत्योदय अन्न योजना के 11 राशन कार्ड और राज्य खाद्य योजना के 143 राशन कार्ड पात्रता की श्रेणी से बाहर हो जाने के कारण इन्हें विभाग द्वारा निरस्त करने की कार्यवाही की जा रही है।

शैले हॉल में माता की चौकी 7 जून को

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नगर की प्रतिष्ठित लेक सिटी वेलफेयर क्लब की बैठक सोमवार को क्लब की अध्यक्ष कविता त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में तय कया गया कि 7 जून (रविवार) को नगर के राज्य अतिथि गृह के शैले हाल में माता की चौकी का भव्य आयोजन किया जाएगा। बैठक में क्लब की सचिव डा. प्रगति जैन ने बताया कार्यक्रम की कामयाबी के लिए उर्मिला चौहान को संयोजक जबकि रानी शाह सीमा सेठ एवं रमा लोहनी को सह संयोजक नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया इस बार रुद्रपुर से राजीव तूफानी एवं शुभम गुप्ता की मंडली को कीर्तन के लिए बुलाया गया है। बताया कि कार्यक्रम रविवार 7 जून को अपराह्न 20 बजे से प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि माता की चौकी को लेकर नगर में विशेष उत्साह का माहौल है। बताया कि

क्लब पिछले 10 सालों से माता की चौकी का नगर में भव्य आयोजन करते आ रहा है। कार्यक्रम की तैयारी बैठक में रानी शाह, आभा शाह, हेमा भट्ट, दीपा पांडे, दया कुंवर, रमा भट्ट, तुषी शाह, अनुराधा भट्ट, विनीता पांडे, जीवंती भट्ट, गीता साह, मंजू बिष्ट, दीपिका बिनवाल, प्रेमा अधिकारी, प्राची आर्या, कविता गंगोला, सविता कुलौरा, अमिता शाह, अमिता शेरवानी, ज्योति ढौढियाल, मधुमिता, तनु सिंह, मीनू बुधलाकोटी, लीला राज, रमा तिवारी, नीलम गुप्ता, रेखा पंत, संगीता श्रीवास्तव, नीरू शाह, रेखा जोशी, मीनाक्षी कीर्ति, दिव्या शाह, पल्लवी, सोनू शाह, मानसी गर्ग, ज्योति वर्मा, जूही अग्रवाल, भावना शाह, वंदना जोशी, पुष्पा कांडपाल, सीमा नौटियाल, विमलेश गोस्वामी तथा कंचन जोशी आदि सदस्य उपस्थित थी। अंत में क्लब की सचिव डा. प्रगति जैन ने सभी का आभार जताया।

डा. अफरोज़ अहमद करेंगे पर्यावरणीय मुद्दों की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) की नई दिल्ली स्थित प्रधान पीठ के सदस्य एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीश स्तर के अधिकारी डा. अफरोज अहमद मंगलवार (आज) नैनीताल पहुंचकर जनपद की पर्यावरणीय योजनाओं एवं विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों की समीक्षा करेंगे। दूसरी ओर इस संबंध में जिले के मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडेय ने संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किये हैं। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि दो जून (आज) को पूर्वाह्न 11 बजे नैनीताल क्लब में जनपद के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित होगी। बैठक में जिला पर्यावरण योजना के निर्माणए पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों तथा एनजीटी द्वारा समय. समय पर पारित आदेशों एवं निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा की जाएगी। बैठक के लिए वन विभाग एवं उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोडल विभाग नामित किया गया है। सभी विभागीय अधिकारियों को अद्यतन सूचनाओं एवं प्रगति प्रतिवेदन के साथ निर्धारित समय पर बैठक में प्रतिभाग करने के निर्देश दिए गये हैं। बैठक में जनपद के पर्यावरणीय प्रबंधन, संरक्षण उपायों तथा न्यायाधिकरण के निर्देशों के अनुपालन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है।

बॉडी बिल्डिंग में सूरज ने जीता गोल्ड

शाह टाइम्स संवाददाता

भवाली। आंध्र एसोसिएशन गोदावरी ऑडिटोरियम, दिल्ली में आयोजित बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता मसल मेनिया रीजनल 2026 में भवाली के 22 वर्षीय युवा खिलाड़ी सूरज नाथ ने 'मेन्स फिजीक जूनियर कैटेगरी' में गोल्ड मेडल जीतकर शहर का मान बढ़ाया है। इससे पहले सूरज साल 2024 में एनपीसी बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में भी गोल्ड मेडल जीत चुके हैं। सूरज ने बताया कि यह जीत उनके लिए बेहद बड़ी है क्योंकि साल 2024 में एनपीसी कम्पीटिशन जीतने के बाद उनकी कमर के निचले हिस्से में गंभीर चोट लग गई थी। इस चोट की वजह से उनका करियर करीब डेढ़ साल के लिए बिल्कुल रुक गया। हालात ऐसे थे कि उनके लिए रोजमर्रा

के काम भी मुश्किल हो गए थे। इन सबके बीच जिम जाने के बारे में तो वह सोच भी नहीं पा रहे थे। जब उन्हें इस प्रतियोगिता के बारे में पता चला तो उन्होंने कई महीने इलाज और रिकवरी के बाद दोबारा जिम ज्वाइन किया और पूरे मन से तैयारी में जुट गए। जिसके लिए उन्होंने बिना किसी कोच और प्रोफेशनल ट्रेनिंग के 2 महीने तक कड़ी मेहनत और कड़े अनुशासन के साथ तैयारी की। इसी पक्के इरादे के दम पर उन्होंने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और जूनियर कैटेगरी में पहला स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। सूरज ने बताया कि वह बॉडी बिल्डिंग में ही अपना करियर बनाना चाहते हैं। जिसके लिए वह रोजाना कड़ी मेहनत करते हैं. उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर फिटनेस अपनाने की अपील की है। गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता का आयोजन मसल मेनिया करवाती है, यह एक ऑर्गनाइजेशन है जो नेचुरल बॉडी बिल्डिंग को प्रमोट करने के लिए दुनिया भर में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाती है।

कौशल प्रशिक्षण लेकर पर्यटन से जुड़े 40 युवा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद तथा टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी स्किल काउंसिल के सहयोग से आयोजित 15 दिवसीय नेचुरलिस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का सोमवार को लोहाजंग में सफलतापूर्वक समापन हो गया। कार्यक्रम का संचालन समर्पित मीडिया सोसायटी द्वारा किया गया। बता दें समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वन विभाग लोहाँजुंग के वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप तौपाल उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथियों में हिमालयन ईको पर्यटन स्वायत सहकारिता के अध्यक्ष भुवन चन्द्र सिंह बिष्ट एवं पूर्व प्रधानाचार्य खड़क सिंह शामिल रहे। कार्यक्रम में समर्पित मीडिया सोसायटी के अध्यक्ष पंकज शर्मा समेत वन विभाग के अधिकारियों व स्थानीय जनप्रति. निधियों एवं गणमान्य नागरिकों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद की अपर निदेशक पूनम चन्द वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ीं। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर पर्यटन से जोड़ना उत्तराखण्ड सरकार की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।प्रशिक्षण कार्यक्रम में लोहाजंग, देवाल एवं आसपास के क्षेत्रों के 40 युवाओं ने सक्रिय भागीदारी की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को जैव विविधता, वन्यजीव संरक्षण, पक्षी पहचान, स्थानीय वनस्पतियों, प्रकृति व्याखया कौशल, पर्यटक प्रबंधन, संचार कौशल, अतिथि सत्कार व प्राथमिक उपचार, सुरक्षा प्रबंधन तथा जिम्मेदार पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रायोगिक प्रशिक्षण के अंतर्गत प्रतिभागियों को आजन टॉप मंडोली नेचर ट्रेल तथा बांक गांव नेचर ट्रेल का भ्रमण कराया गया। इस दौरान प्रशिक्षुओं ने क्षेत्र की जैव विविधता, प्राकृतिक संसाधनों, ट्रेकिंग मार्गों तथा पर्यटन संभावनाओं का प्रत्यक्ष अध्ययन किया और प्रकृति आधारित पर्यटन की बारीकियों को समझा। प्रशिक्षण में शामिल अधिक. ांश प्रतिभागी पहले से ही ट्रैकिंग एवं नेचर गाइडिंग गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। इस प्रशिक्षण ने उनके अनुभव और स्थानीय ज्ञान को और अधिक सशक्त बनाया है जिससे वे पर्यटकों को बेहतर, सुरक्षित और ज्ञानवर्धक अनुभव प्रदान कर सकेंगे। मुख्य अतिथि प्रदीप तौपाल ने कहा कि प्रशिक्षित नेचुरलिस्ट भविष्य में वन विभाग और स्थानीय समुदाय के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बनेंगे। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण व स्थानीय आजीविका और पर्यटन विकास को एक साथ आगे बढ़ाने में इन युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगी। समारोह में सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल एक प्रमाण पत्र प्राप्त करने का माध्यम नहीं हैए बल्कि स्थानीय युवाओं को अपने प्राकृतिक संसाधनों, संस्कृति और पर्यटन संभावनाओं से जोड़ने का एक सशक्त प्रयास है। कार्यक्रम के अंत में यह संकल्प लिया गया कि आने वाले समय में वन विभाग, स्थानीय समुदाय और प्रशिक्षित नेचुरलिस्ट मिलकर लोहाजंग क्षेत्र में जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देंगे व पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करेंगे तथा स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर विकसित करेंगे।

पांच फीसदी वैज्ञानिकों की ग्लोबल सूची में प्रो. अनीता सिंह

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय की तकनीकी संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. अनीता सिंह को साइंसरैंक ग्लोबल द्वारा वर्ष 2025 हेतु जारी सूची में विश्व के शीर्ष 5 प्रतिशत वैज्ञानिकों में स्थान मिला है। प्रतिवर्ष जारी होने वाली यह सूची वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट शोध कार्यों, उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों और वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के आधार पर तैयार की जाती है। इस सूची में स्थान बनाने वाली प्रो. अनीता सिंह भीमताल भरतपुर निवासी हैं एवं वे भेषज विज्ञान विभाग की प्राध्यापक होने के साथ इस विभाग की विभागाध्यक्ष भी रहीं हैं और वर्तमान में विश्वविद्यालय के तकनीकी संकाय की संकायाध्यक्ष हैं। उनके द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में 90 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए गए हैं। उनके निर्देशन में 15 से अधिक शोधार्थियों ने पीएचडी की डिग्री प्राप्त की है। उनको मिली अहम कामयाबी पर विश्व. विद्यालय के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत, निदेशक आईक्यूएसी प्रो. संतोष कुमार यादव, डीएसबी परिसर नैनीताल की निद. शक प्रो नीता बोरा शर्मा, परिसर निदेशक भीमताल प्रो. एलके सिंह समेत संकायाध्यक्ष बायोमेडिकल प्रो. महेंद्र सिंह राणा, विभागाध्यक्ष भेषज विज्ञान विभाग प्रो. कुमुद उपाध्याय समेत प्रो. अर्चना नेगी साह, प्रो. तीरथ कुमार तथा डा. राजेश्वर कमल कांत व डा. बामाप्रसाद दत्त सहित कुविवि परिवार ने बधाइयां दी।

स्मैक के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी। नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत बनभूलपुरा पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक युवक को 8.33 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार बनभूलपुरा प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र फर्त्याल के नेतृत्व में बीते रविवार की रात पुलिस टीम क्षेत्र में शांति व्यवस्था, गश्त और संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान चोरगलिया रोड स्थित रेलवे फाटक के पास एक संदिग्ध युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 8.33 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी की पहचान मो. दानिश अंसारी पुत्र मो. तौफीक अंसारी निवासी पानी की टंकी के पास मालिक का बगीचा इंदिरानगर बनभूलपुरा के रूप में हुई। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी पहले भी नशीले पदार्थों की तस्करी के मामलों में जेल जा चुका है।

वैभव सूर्यवंशी को मिली ऑरेंज कैप

आईपीएल 2026 के मोस्ट वैल्युबल खिलाड़ी के साथ ही जीते पांच अवॉर्ड

अहमदाबाद, वार्ता। राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के एमवीपी और इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के पुरस्कार से नवाजा गया। इसके साथ ही वह एक ही सीजन में यह दोनों पुरस्कार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा 16 मुकाबलों में 776 रन बनाने के साथ ही ऑरेंज कैप भी उन्हें हासिल हुई।

रविवार रात रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब अपने नाम किया। मुकाबले के बाद हुए पुरस्कार वितरण समारोह में वैभव सूर्यवंशी को इन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस टूर्नामेंट में सूर्यवंशी ने 237.30 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से बन बनाए। उन्होंने 72 छक्के लगाए और ऐसा करते हुए उन्होंने एक सीजन में क्रिस गेल (59) के सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यवंशी के प्रदर्शन ने राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। न्यू चंडीगढ़ में खेले गए क्वालीफायर-2 में उन्हें गुजरात टाइटंस के हाथों हार झेलनी पड़ी।

ऑरेंज कैप की सूची में दूसरे स्थान पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल थे जिन्होंने 732 रन बनाए, वहीं उनके सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन ने 722 रन के साथ सीजन समाप्त किया। पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे कगिसो रबाडा रहे जिन्होंने 17 मुकाबलों में 9-86 की इकॉनमी से सर्वाधिक 29 विकेट हासिल किए। भुवनेश्वर कुमार ने फाइनल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ दो विकेट हासिल कर पर्पल कैप हासिल कर लिया था क्योंकि उनकी इकॉनमी रबाडा से बेहतर थी। हालांकि रबाडा दूसरी पारी में देवदत्त पड़िक्कल का विकेट लेकर भुवनेश्वर से आगे निकल गए। भुवनेश्वर ने 16 मुकाबलों में 7.95 की इकॉनमी से 28 विकेट हासिल किए, जो कि एक सीजन में किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा लिए गए संयुक्त तौर पर दूसरे सर्वाधिक विकेट हैं। रबाडा ने दूसरी बार पर्पल कैप जीता। वह दो पर्पल कैप जीतने वालों की श्रेणी में शामिल हो गए जिसमें ड्वेन ब्रावो, भुवनेश्वर और हाल मौजूद हैं।

अगले आईपीएल सीजन में भी बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगा: सूर्यवंशी

अहमदाबाद, वार्ता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट और सबसे बहुमूल्य खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले राजस्थान रॉयल्य (आरआर) के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि वह अगले सीजन भी बेहतर प्रदर्शन करने का पूरा प्रयास करेंगे। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद सूर्यवंशी ने कहा कि काफी अच्छा लग रहा है लेकिन इस समय मैं दबाव में हूं क्योंकि इंटरव्यू के लिए आया हूं।

मैं अगले साल भी बेहतर प्रदर्शन करने की प्रयास करुंगा। अब मैं दूध नहीं पीता हूं (हंसते हुए)। मैं अपने गेम पर भरोसा जताता हूं और मैं सोचता हूं कि अगर पहली गेंद को हिट कर सकता हूं तो फिर ऑल आउट हिट के लिए जा सकता हूं। सूर्यवंशी ने यह तो बताया ही कि उन्हें इस सीजन क्या सीखने को मिला लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि वह अपनी फिटनेस पर काम करेंगे और चोट से बचने का पूरा प्रयास करेंगे।

उन्होंने ने कहा कि मैंने यह सीखा है कि आप हमेशा आक्रमण नहीं कर कर सकते हैं। आपको दबाव में खेलना होता है और परिस्थितियों और टीम के हिंसाब से भी खेलना होता है। मुझे अपनी फिटनेस पर काम करना होगा और चोट से बचना होगा। उल्लेखनीय है कि सूर्यवंशी ने इस सीजन 237-30 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से बन बनाए। उन्होंने 72 छक्के लगाए और ऐसा करते हुए उन्होंने एक सीजन में क्रिस गेल (59) के सर्वाधिक छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सूर्यवंशी के प्रदर्शन ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को प्लेऑफ में पहुंच. ाने में अहम भूमिका निभाई।

मध्यमक्रम ने कोहली को खुलकर खेलने की दी आजादी: वरुण

अहमदाबाद, वार्ता। पूर्व भारतीय क्रिकेट वरूण ऐरन का मानना है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के भरोसेमंद मध्यमक्रम के कारण स्टार बल्लेबाज विराट कोहली खुलकर खेल पाए।

ईएसपीएन टाइम आउट कार्यक्रम के दौरान ऐरन ने यह बात कही। कार्यक्रम में लखनऊ सुपर जायंट्स के ग्लोबल डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट में टॉम मूडी ने कहा कि कोहली ने मैच में अपनी बल्लेबाजी का आनंद लिया। वहीं वरुण ऐरन का मानना है कि इसकी मुख्य वजह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मजबूत मध्यक्रम है। उनके अनुसार, वह ज्यादा आनंद इसलिए ले पा रहे हैं क्योंकि उनके पास भरोसेमंद मध्य क्रम है, जिसने कोहली को खुलकर खेलने की आजादी दी है। मूडी कहा कि इस साल कोहली के बारे में जो बात मुझे सबसे अलग लगती है, वह यह है कि वह बल्लेबाजी करते हुए वह इसका लुत्फ उठा रहे हैं। मुझे लगता है कि पिछले कुछ वर्षों में वह बल्लेबाजी को एक बिजनेस की तरह ले रहे थे। वह उस बिजनेस को बस संभाल रहे थे। लेकिन इस सीजन में मुझे ऐसा खिलाड़ी दिखा, जो सब कुछ छोड़कर सिर्फ खेल का लुत्फ उठा रहा है। उनकी प्रतिभा और क्लास की वजह से हर चीज बेहतर हो रही है, बाउंड्री, स्ट्राइक रेट, सब कुछ, क्योंकि उनके पास परफेक्ट गेम है। उन्होंने खुद को खुला छोड़ दिया है और वह लुत्फ उठा रहे हैं। इसका फायदा सभी को हो रहा है, आरस. ीबी को भी, प्रशंसकों को और खेल को भी।

ऐरन का तर्क है कि बदलाव केवल कोहली में नहीं, बल्कि आरसीबी की बल्लेबाजी क्रम में भी आया है। लंबे समय तक आरसीबी की बल्लेबाजी क्रिस गेल, एबी डिविलियर्स और को. हली पर बहुत ज्यादा निर्भर रही। लेकिन अब रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल ऊपरी मध्यक्रम में, टिम डेविड और क्रुणाल पंड्या मध्यक्रम में और ऊपरी क्रम में फिल सॉल्ट व वेंकटेश अ"यर जैसे खिलाड़ियों के प्रभावशाली योगदान के कारण कोहली पर बोझ कम हो गया है। ऐरन ने कहा कि अब उन्हें पता है कि अगर वह आउट भी हो जाए तो दूसरे बल्लेबाज मौजूद हैं। हमने पावरप्ले में उनके इंटेंट की बात की है, लेकिन उनका फॉल्स-शॉट प्रतिशत भी बेहद ऊंचा है। यह 30 प्रतिशत से ऊपर के आसपास है। 24.82 प्रतिशत पिछले दस सीजन में सिर्फ दो बार इससे अधिक रहा है।

खेल विशेष

ऑस्ट्रेलिया फीफा विश्वकप में लगातार छठी बार लेगी हिस्सा

सिडनी, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया की फुटबॉल टीम 11 जून से शुरु होने वाले फीफा विश्वकप 2026 में लगातार छठी बार हिस्सा लेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम क्वालिफाइंग ग्रुप में जापान के बाद दूसरे स्थान पर रही थी। पिछली बार, कतर 2022 में,ऑस्ट्रेलिया की फुटबॉल टीम, जिसे सॉकरूज के नाम से भी जाना जाता है ने राउंड ऑफ 16 में पहुंचकर विश्वकप में अपना अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन दोहराया था। वहा, ऑस्ट्रेलिया को बाद में चैंपियन बनी टीम अर्जेंटीना के हाथों 2-1 से करीबी हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार कनाडा, मेक्सिको और अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट में वे और भी बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे।

गुलजार की तूफानी पारी से भवानी यूथ क्रिकेट क्लब की शानदार जीत

नई दिल्ली, वार्ता। भवानी यूथ क्रिकेट क्लब ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब को 8 विकेट से हराकर 51वें अखिल भारतीय गोस्वामी गणेश दत्त मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट (रजि-) के ग्रुप 'सी' मुकाबले में यादगार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाए। टीम की ओर से देव मेहरा ने शानदार संघर्षपूर्ण पारी खेलते हुए 53 गेंदों पर नाबाद 83 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और 2 छक्के शामिल थे। उनकी इस बेहतरीन पारी ने टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। प्रिंस मेहरा (29 रन) और मानव (25 रन) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

महाकाल का आशीर्वाद लेकर मैच की तैयारी में जुटी उज्जैन फाल्कन्स

(मध्य प्रदेश), वार्ता। उज्जैन फाल्कन्स ने मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी20 सिधिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत से पहले यहां स्थित पवित्र महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। टीम के खिलाड़ी, कोचिग स्टाफ, सहयोगी सदस्य और फ्रेंचाइजी प्रतिनिधि एक साथ मंदिर पहुंचे और आगामी सीजन के लिए भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। माधव तिवारी जैसे आईपीएल अनुभवी खिलाड़ी और युवा प्रतिभाओं से सुसज्जित फ्रेंच. इजी को लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल 2026 में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले माधव से टीम और मजबूती मिली है।

2026 एशियाई खेलों से पहले टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में 22 रोअर्स शामिल

नई दिल्ली, वार्ता। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने अपनी 174वीं बैठक में, 2026 एशियाई खेलों (आइची-नागोया में होने वाले) और अन्य आने वाले प्रतियोगिताओं से पहले, कई रोअर्स को टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया है। यह लिस्ट सालाना राट्रीय चयन ट्रायल्स और रोइंग फेडरेशन ऑफ ईंडिया (आरएफआई) द्वारा क्रू को अंतिम रूप दिए जाने के बाद तैयार की गई है। अब कुल 22 रोअर्स छह अलग-अलग नावों में टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप का हिस्सा हैं। यह क्रू अब रोइंग से जुड़े बड़े अंतर्राट्रीय मुकाबलों, जिनमें एशियाई खेल और विश्व कप सर्किट शामिल हैं,

के लिए तैयारी करेगा। शामिल किए गए प्रमुख नामों में पेरिस 2024 ओलंपियन बलराज पंवार, एशियाई खेल 2022 के रजत पदक विजेता अरविंद सिंह, एशियाई खेल 2022 के दोहरे पदक विजेता जसविदर सिंह और अन्य शामिल हैं। इन 22 रोअर्स को अलग-अलग नावों के ग्रुप में बांटा गया है, जिनमें पुरुषों की एकल स्कल्स (एम।एक्स), पुरुषों की युगल स्कल्स (एम 2 एक्स), पुरुषों की क्वाड्रपल स्कल्स (एम 4 एक्स), लाइटवेट पुरुषों की युगल स्कल्स (एलएम 2 एक्स), पुरुषों की कॉक्स्ड एट (एम 4-) और महिलाओं की कॉक्सलेस फोर्स (डब्ल्यू 4-) शामिल हैं। जहां शामिल किए गए ज्यादातर एथलीट्स को सीधे तौर पर 2026 एशियाई खेलों के चक्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए तैयार किया जा रहा है। इन कई भारतीय रोअर्स को टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल करना, केवल व्यक्तिगत पदक की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, कई नाव श्रेणियों में एक स्थाई बेंच स्ट्रेंथ बनाने का एक और प्रयास है। चूंकि भारत 2030 में राट्रमंडल खेलों के शताब्दी संस्करण की मेजबानी करने वाला है।

सिंगापुर ओपन में ऐतिहासिक जीत पर सात्विक-चिराग को बधाई दी

हैदराबाद, वार्ता। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए- रेवंत रेड्डी ने भारतीय बैडमिंटन सितारों सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को प्रतिठित सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में पुरुषों का युगल खिताब जीतने पर बधाई दी है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने इस भारतीय जोड़ी को ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की।

इस जोड़ी ने फाइनल में दुनिया की नंबर 3 इंडोनेशियाई जोड़ी को एक शानदार वापसी करते हुए हराया था। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सात्विक और चिराग सिंगापुर ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय डबल्स जोड़ी बन गए हैं, और उन्होंने इसे भारतीय बैडमिंटन के लिए एक गर्व का क्षण बताया।

आईपीएल में लगातार तीसरी बार ट्रॉफी जीतने पर होगा अब सारा फोकस: पाटीदार

गुजरात टाइटंस को हराकर सोमवार तड़के करीब एक बजे आईपीएल ट्रॉफी के साथ संवाददाता सम्मेलन में पहुंचे पाटीदार

अहमदाबाद, वार्ता। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने हम जीत का जश्न माना रहे लेकिन हमारा ध्यान अब इस बात पर है कि इस लगातार तीसरी बार यह कैसे किया जाए। गुजरात टाइटंस को हराकर सोमवार तड़के करीब एक बजे आईपीएल ट्रॉफी के साथ संवाददाता सम्मेलन में पहुंचे पाटीदार के चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान थी।

जो व्यक्ति आमतौर पर अपनी भावनाएं ज्यादा जाहिर नहीं करता, उसके लिए यह मुस्कान किसी भी शब्द से अधिक कह रही थी। उनके बगल में रखी ट्रॉफी को बीच-बीच में देखना और उसे महसूस करना उस कप्तान की संतुटि को दिखा रहा था। इस पल को और भी खास बनाने वाली बात इसका समय था। यह उनका 33वां जन्मदिन भी था। उन्होंने कहा कि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, यह शानदार एहसास है। आज मेरा जन्मदिन है और इससे बेहतर तोहफा नहीं हो सकता। मैं ऐसा इंसान हूं, जो हमेशा वर्तमान में जीने पर ध्यान देता है। हमने लगातार दो खिताब जीते हैं, इसका जश्न मनाएंगे, लेकिन अब ध्यान इस बात पर होगा कि लगातार तीसरी बार यह कैसे किया जाए। इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। जब आप ट्रॉफियां जीतते हैं, तो व्यक्तिगत प्रदर्शन नहीं देखते। इससे बड़ा कुछ नहीं है। जब उनसे दोनों खिताबी सफर की तुलना करने को कहा गया, तो पाटीदार को लगा कि 2026 का खिताब कहीं न कहीं पहले से तय सा लग रहा था, क्योंकि लीग चरण में टीम का दबदबा साफ दिखाई दिया था। उन्होंने कहा, पिछले साल काफी दबाव था इस साल मैं ज्यादा शांत था। पूरे टूर्नामेंट में हमने सिर्फ खेला नहीं, बल्कि दबदबा बनाया। मुझे भरोसा था कि अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो आरसीबी के लिए दूसरा खिताब जीत सकते हैं। कप्तान के तौर पर मैं बहुत ज्यादा भावनाएं जाहिर नहीं करता, लेकिन साथ ही मैच की परिस्थितियों को समझता हूं। बेशक आपको समर्थन की जरूरत होती है और मुझे टीम प्रबंधन व खिलाड़ियों से भरपूर समर्थन मिला। जिन चीजों पर उन्होंने सबसे ज्यादा मेहनत की, उनमें बल्लेबाजी और कप्तानी को अलग-अलग रखना शामिल था। बल्लेबाजी की तैयारी उन्होंने ऑफ-सीजन में दिनेश कार्तिक के साथ की थी, जिसका शानदार नतीजा सीजन के दौरान देखने को मिला। पाटीदार ने 192-69 के स्ट्राइक रेट से 501 रन बनाए। 2021 में डेब्यू के बाद किसी एक सीजन में यह उनका सर्वश्रेठ प्रदर्शन रहा। उन्होंने कहा कि मैंने कप्तान और बल्लेबाज दोनों भूमिकाओं में बहुत कुछ सीखा। मैं इस बात पर ध्यान देता हूं कि बल्लेबाजी के लिए खुद को कितना समय देता हूं। सीजन से पहले मैंने नेट्स में काफी समय बिताया केवल मैं और गेंदबाज। दिनेश कार्तिक भाई के साथ मेरी काफी बातचीत हुई।

ऑस्ट्रेलिया की फीफा विश्व कप टीम में वोल्पाटो को मिली जगह

सिडनी, वार्ता। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को 2026 फीफा विश्व कप के लिए अपनी टीम का की घोाणा कर दी है इस टीम में 17 ऐसे खिलाड़ी शामिल हैं जो पहली बार विश्व कप खेल सकते हैं और दो ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अभी तक कोई अंतर्राट्रीय मैच नहीं खेला है।

चयनकर्ताओं ने टीम में इटली में रहने वाले अटैकिंग प्लेमेकर क्रिस्टियन वोल्पाटो को भी शामिल किया गया है। वोल्पाटो ने अंतर्राट्रीय स्तर पर इटली के बजाय ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेलने का फैसला किया है और वह वर्ल्ड कप में अपना पहला सीनियर अंतर्राट्रीय मैच खेलने के लिए तैयार हैं। 22 साल के वोल्पाटो का जन्म ऑस्ट्रेलिया में हुआ था, लेकिन उन्होंने यूथ इंटरनेशनल स्तर पर इटली की तरफ से खेला था। टीम में उनके साथ ऐसे स्ट्राइकर टेटे एंगी भी शामिल हैं, जिन्होंने अभी तक कोई अंतर्राट्रीय मैच नहीं खेला है और जो जापान में क्लब फुटबॉल खेलते हैं। विश्व कप में टीम की कप्तानी गोलकीपर मैट रयान और विंगर मैथ्यू लेकी करेंगे। ए दोनों सॉकरूस के तीसरे और चौथे ऐसे खिलाड़ी बन जाएंगे जो चार वर्ल्ड कप में खेलेंगे। हेड कोच टोनी पोपो. विक ने एक बयान में कहा कि इस फाइनल वर्ल्ड कप टीम को चुनने में कई बातों का ध्यान रखा गया है। कुछ मुश्किल फैसले भी लेने पड़े, बड़े टूर्नामेंट्स में ऐसा ही होता है।

मोदी ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 19 पदक जीतने पर दी बधाई

शानदार प्रदर्शन भारत के युवा खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और उत्कृटता का प्रतीक है: मोदी

नई दिल्ली, वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण सहित कुल 19 पदक जीतने पर भारतीय दल को हार्दिक बधाई दी है। श्री मोदी ने सोमवार को सोशल मीडिया एक्स पर शुभकामना संद. `श पोस्ट करते हुए कहा कि यह शानदार प्रदर्शन भारत के युवा खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और उत्कृटता का प्रतीक है। उनकी यह उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व का विाय है। आशा है कि उनकी सफलता आने वाले वर्षों में और अधिक युवा भारतीयों को खेलों को अपनाने तथा उत्कृटता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री ने सभी खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल भविय और निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि एशियाई अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रविवार को भारतीय महिलाओं की 4गुना400 मीटर रिले टीम ने स्वर्ण पदक जीता। भारतीय दल ने चैंपियनशिप के अंतिम दिन तीन और स्वर्ण पदक जीते, जिससे कुल स्वर्ण पदकों की संख्या10 हो गई। भारतीय दल कुल 19 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। भारतीय टीम ने 10 स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक जीत के साथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अपना लौहा मनवाया। चीन इस चैंपियनशिप में 14 स्वर्ण, नौ रजत और दो कांस्य पदकों के साथ कुल 25 पदकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रहा और जापान कुल 18 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। क्वोयुक ने स्वियातेक को हराकर फ्रेंच ओपन में किया उलटफेर पेरिस। चार बार की फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियातेक चौथे राउंड में बाहर हो गईं, जबकि रोमानिया की सोराना सिर्स्टिया 17 साल में पहली बार रोलैंड गैरोस क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर महिलाओं के वर्ग में हुआ, जहां 15वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की मार्टा क्वोयुक ने तीसरी वरीयता प्राप्त पोलैंड की स्वियातेक को एक घंटे 39 मिनट में 7-5, 6-1 से हरा दिया। स्वियातेक, जो टूर्नामेंट में पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक थीं, पहले सेट में कड़े मुकाबले के बाद मैच पर दोबारा पकड़ बनाने के लिए संघर्ष करती रहीं। उन्होंने कहा कि मैंने मैच पर से अपना नियंत्रण खो दिया, और मेरे पास वापसी का कोई रास्ता नहीं था, क्योंकि मुझे लगातार बुरा महसूस हो रहा था। स्वियातेक ने कहा कि मैं आज इसलिए हारी क्योंकि मार्टा ने मौके का फायदा उठाया, और मैं बहुत अधिक तनाव में थी। मुझे यह विश्वास रखना होगा कि मैं इस मुश्किल से उबर सकती हूं और इतनी जल्दी विचलित नहीं होऊंगी। क्वोयुक क्वार्टरफाइनल में अपनी हमवतन यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से भिड़ेंगी। स्वितोलिना ने स्विट्जरलैंड की बेलिडा बेनसिक को हराकर निर्णायक सेट 6-0 से जीता।

रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी माथियास बो के साथ फिर से जुड़े

नई दिल्ली, वार्ता। भारत की शीर्ा युगल बैडमिंटन जोड़ी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, आने वाली बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप और एशियन गेम्स से पहले डेनमार्क के अपने पुराने कोच मैथियास बो के साथ फिर से जुड़ गए हैं। मैथियास बो, जो पुरुषों के डबल्स में लंदन 2012 ओलंपिक के रजत पदक विजेता हैं, ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर बताया कि उन्होंने अप्रैल में थॉमस कप शुरू होने से पहले ही भारत की टॉप पुरुषों की युगल बैडमिंटन जोड़ी के साथ चुपके से काम करना शुरू कर दिया था।

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति
कार्यालय, प्रथम तल, चारधाम यात्रा टांजिट कैम्प, नियर बस अड्डा,ऋषिकेश, देहरादून, 249201,
Email:ceo.bktcddn@gmail.com/www.badrinath-kedamath.gov.in

पत्रांक-249/प्रति०/2025-26 दिनांक 31.05.2026

विज्ञप्ति

श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति में रिक्त प्रचार अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। प्रतिनियुक्ति के लिए निर्धारित आवेदन पत्र प्रारूप, अहर्ताओं तथा अनुभव इत्यादि के सम्बन्ध में विवरण/जानकारी विभागीय वेबसाईट www.badrinath-kedarnath.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदन हेतु अन्तिम तिथि दिनांक 12 जून, 2026 सांय 5.00 बजे तक होगी। उक्त प्रक्रिया को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

मुख्य कार्याधिकारी

जाम की समस्या को लेकर दरगाह क्षेत्र में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

पुलिस ने सड़क से रेहड़ी, ठेली व अवैध कब्जों को हटाया

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। दरगाह क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण और जाम की समस्या को देखते हुए पुलिस ने रविवार देर शाम को अभियान चलाकर सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया। इस दौरान मुख्य मार्गों पर अव्यवस्थित ढंग से खड़ी रेडी-ठेलियां, बाइक और ई-रिक्शों को भी हटवाया गया। पुलिस की कार्रवाई से बाजार क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा।

जानकारी के अनुसार दरगाह क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण और जाम की समस्या को देखते हुए पुलिस ने रविवार देर शाम को अभियान चलाकर सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी ने पुलिसबल के साथ फव्वारा चौक, मुख्य बाजार, दरगाह मुख्य गेट और पहाड़ी बाजार समेत अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अभियान चलाया। पुलिस ने सड़क किनारे रखे सामान, अस्थायी दुकानों तथा यातायात में बाधा बने ई-रिक्शों, रेडी-ठेलियों और दोपहिया वाहनों को हटवाया।अभियान के दौरान दुकानदारों, रिक्शा चालकों और स्थानीय लोगों को चेतावनी देते हुए पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर अतिक्रमण न करने की अपील की। पुलिस का कहना है कि अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और दरगाह में आने वाले जायरीनों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी ने बताया कि दरगाह क्षेत्र को जाम और अव्यवस्था से मुक्त रखने के लिए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सबमर्सिबल लगाने को लेकर दो पक्षों में संघर्ष, 11 के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। कोतवाली क्षेत्र के मेहवड़ कला गांव में समर्सिबल लगाने को लेकर हुए विवाद के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर महिलाओं सहित 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मेहवड कलां गांव में शनिवार को संमर्सिबल लगाने दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया था। जिसमें दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए। पुलिस सभी घायलों का मेडिकल कराया।वहीं एक पक्ष के नरेश कुमार सैनी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि पारिवारिक संपत्ति के पुराने विवाद को लेकर विनयराज सिंह और उनके परिवार के सदस्य शनिवार सुबह करीब साढ़े दस बजे दुकानों के सामने संमर्सिबल लगाने पहुंचे और दुकान पर कब्जे का प्रयास किया। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए लाठी, लोहे की सरिया और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया गया जिसमें परिवार के कई लोग घायल हो गए। वहीं दूसरे पक्ष के विनयराज सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि वह घर के बाहर संमर्सिबल नलकूप का काम करा रहे थे तभी दूसरे पक्ष के लोग पहुंचे और विवाद के बाद लाठी-डंडों से हमला कर दिया। दोनों पीड़ितों ने एक दूसरे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी ने बताया एक पक्ष की ओर से विनयराज, विशाल,विनीत,अलका,शीतल और दूसरे पक्ष की ओर से अनिल कुमार, नरेश कुमार, प्रिंस, मुनेश, पूनम और बबली के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अफसोस: शादी से तीन दिन पहले युवती प्रेमी संग हुई फरार

प्रेमी से रचाई शादी, कल आनी थी दूसरी जगह से बारात

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। कस्बा निवासी एक युवती प्रेम प्रसंग के चलते कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी एक युवक के साथ फरार हो गई ।जबकि युवती की बारात 3 जून को दूसरी जगह से आनी थी ।वहीं दूसरी और कोतवाली क्षेत्र के गांव की भी एक युवती घर से अपने प्रेमी के यहां चली गई तथा बिना मां-बाप को बताएं युवक के साथ विवाह कर लिया है । कस्बा निवासी युवती के पिता तथा गांव निवासी युवती के भाई द्वारा कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। कस्बा निवासी एक व्यक्ति द्वारा थाने में तहरीर देकर बताया कि उसकी पुत्री चार दिन पूर्व घर से कहीं चली गई थी। उन्होंने समाज के डर से स्वयं ही अपनी बेटी का पता लगाने का प्रयास किया। पता चला कि उसकी पुत्री कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी एक युवक के साथ फरार हो गई है ।युवती के परिजनों ने बताया कि युवती का रिश्ता दूसरी जगह तय कर दिया गया था तथा घर में शादी की तैयारी चल रही थी ।विवाह में दहेज मे देने के लिए पूरा सामान भी बेटी की पसंद का ही लाया गया था ।3 जून को घर में बारात आनी थी शादी की खुशियां बेटी के जाते ही गम में बदल गई । दूसरी ओर कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी एक युवक द्वारा कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसकी बहन पास के ही दूसरे परदेश के युवक के साथ चली गई। युवती के भाई ने बताया कि बहन ने वहाँ जाकर बिना परिजनों की मर्जी के युवक के साथ शादी कर ली है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि दोनों और से तहरीर आई है दोनों युवतीया बालिग है। तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

❖पिता ने दी आरोपी के खिलाफ तहरीर, इश्क के भूत के चलते युवती ने कर दी अपने परिवार व रिश्तेदारों की इज्जत खराब

देहरादून में आयोजित प्रदेश स्तरीय 100 मीटर हेडर्ल प्रतियोगिता में

आयशा रहमान ने जीता स्वर्ण पदक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। उत्तराखंड सीनियर एथलेटिक चौंपियन शिप 2026 देहरादून में आयोजित प्रदेश स्तरीय 100 मीटर हेडर्ल प्रतियोगिता में आयशा रहमान ने स्वर्ण पदक जीत कर अपने प्रदेश क्षेत्र व अपने समाज का नाम रोशन किया। आपको बतादे देहरादून में आयोजित दो दिवसीय उत्तराखंड सीनियर एथलेटिक चौंपियन शिप 2026 में रुड़की कस्बा लंढौरा की ड्रीम ओर्लपिक स्पोर्ट्स एकेडमी की छात्रा आयशा रहमान ने 100 मीटर हेडरल में प्रथम स्थान प्राप्त कर सवर्ण पदक हासिल किया एकेडमी के प्रबंधक गुलशन ने बताया आयशा रहमान एक होनहार लड़की हैंआयशा रहमान ने प्रदेश अपने क्षेत्र अपने परिवार और ड्रीम ओर्लपिक स्पोर्ट्स एकेडमी का भी नाम रोशन किया आपको बता दे एकेडमी के प्रबंधक गुलशन भी प्रदेश स्तर के एक अच्छे कॉच माने जाते हैं। आयशा रहमान हिमगिरि स्पोर्ट्स कॉलेज की भी वर्तमान में अध्यनरत हैं।

ऑपरेशन कालनेमि में 40 बाबा गिरफ्तार, भेजा जेल

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। ऑपरेशन कालनेमी अभियान के तहत क्षेत्र में अवैध गतिविधि यों और संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ चलाकर कलियर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 40 कथित "कालनेमि बाबाओं" को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी बाबाओं के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए चालान कर न्यायालय पेश किया गया है।

कलियर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी ने बताया कि एसएसपी हरिद्वार के निर्देश पर ऑपरेशन कालनेमी के तहत दरगाह क्षेत्र और आसपास के इलाकों में विशेष अभियान चलाकर ऐसे लोगों की पहचान कर कार्रवाई की गई, जो साधु-संत का वेश धारण कर लोगों को गुमराह करने और संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए। पकड़े गए सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई की गई है और उन्हें न्यायालय में पेश कर किया गयाकोतवाली प्रभारी का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए इस प्रकार के अभियान आगे भी जारी रहेंगे। पकडे गए कालनेमी 1. लड्डन पुत्र मौ0 इजाजुद्दीन निवागी ग्राम मोरना बिजनौर उम्र 54 वर्ष,2. अकबर पुत्र अनवर निवासी ग्राम सीताकेम मुबंई उम्र 60 वर्ष,3. नजीर पुत्र कबीर निवासी अलीगढ उम्र 60 वर्ष, 4. वसीम पुत्र रसीम निवासी बुरादाबाद उम्र 55 वर्ष,5. मदरु पुत्र अलाराजी निवासी रसोली बदायू उम्र 55 वर्ष, 6. यामीन पुत्र रसीद निवासी अमरोहा उम्र 50 वर्ष,7. शकील पुत्र शीद्दकी निवासी इलाहबाद उम्र 60 वर्ष, 8. शमीर पुत्र अब्दुल निवासी कलीसिया सहारनपुर उम्र 30 वर्ष,9. अफ्तार पुत्र ईशक निवासी सहारनपुर उम्र 40 वर्ष,10. नईम पुत्र यामीन निवासी भिकमपुर मुरादाबाद उम्र 35 वर्ष,11. विकास पुत्र प्रेमपाल निवासी बुलन्द शहन उम्र 23 वर्ष,12. सलमान पुत्र नूर मौहम्मद निवासी नोयडाफेस दिल्ली उम्र 26 वर्ष ,13. आमिर पुत्र कल्लू निवासी गाजियाबाद उम्र 30 वर्ष,14. छोटू पुत्र उमा निवासी खरखडी गाजियाबाद उम्र 23 वर्ष,15. शंकर सिंह पुत्र भगवानसिह निवासी अजमेर उम्र 55 वर्ष,16. महताब पुत्र नईम निवासी लोगिया राजस्थान उम्र 48 वर्ष,17. राजेन्द्र पुत्र किशनसिंह निवासी ग्राम रामपुर मुरादाबाद उम्र 40 वर्ष,18. अबदुल्लाह पुत्र रजाक निवासी मिलगाडा सलदा उम्र 57 वर्ष, 19. राजू पुत्र रमेश निवासी फरीदाबाद आगरा उम्र 40 वर्ष,20. अखलेश पुत्र वीरमपाल निवासी मेवपुरी उम्र 35 वर्ष, 21. राजा पुत्र रमेश निवासी फरीदाबाद उम्र 45 वर्ष,22. मेराज अहमद उर्फ गुड्डू पुत्र अशफाख निवासी बनारस उम्र 48 वर्ष,23. फेजआलम पुत्र मनसूर आमलम उम्र 66 वर्ष, निवासी कलियर द रगाह,24. शिव गोपाल पुत्र राम हरक उम्र 46 वर्ष निवासी कलियर द रगाह,25. राशिद पुत्र वफाती उम्र 47 वर्ष निवासी कलियर द रगाह,26. इमरान पुत्र मौलामिया उम्र 60 वर्ष निवासी कलियर द रगाह, 27. मोजबील पुत्र बीरबल निवासी कलियर द रगाह28. रंणजीत पुत्र करमचंद उम्र 45 वर्ष निवासी कलियर द रगाह,29. शाबुद्दीन पुत्र जमालुद्दीन उम्र 60 वर्ष निवासी कलियर दरगाह,30. जुबेर अंसारी पुत्र मारुदीन उम्र 43 वर्ष निवासी कलियर दरगाह,31. याकुब पुत्र नौशाद उम्र 40 वर्ष निवासी कलियर द रगाह,32. जान मोहम्मद पुत्र रजबूला 60 वर्ष निवासी कलियर द रगाह,33. मौ0 इमरान पुत्र मौ0 इस्लाम उम्र 35 निवासी पश्चिम बंगाल कलकत्ता ,34. शंकर सिहं पुत्र भगवान सिह निवासी अजमेर भगवानगंज राजस्थान, 35. जसप्रीत सिहं जसवीर सिंह निवासी दमूटा तन्दोला गांव थाना आदमपुर जिला जालन्धंर, 36. शहनवाज पुत्र रजाक निवासी हापुड़ थाना बाबूगंज हापुड़ 30प्र0, 37. मौहम्मद हासिम पुत्र कासिम निवासी उन्नीस सेक्टर चण्डीगढ़ पंजाब, 38. अब्दुल हसन पुत्र सलातुला निवासी कसरावल थाना इचोलिया जनपद लखीमपुर खीरी 39. असलम पुत्र इस्माईल निवासी सासनी थाना कोत0 जिला अलीगढ, 40. कादिर पुत्र रशीद निवासी पहासू थाना सिकारपुर जिला बुलन्दशहर हैं।

युवक पर चाकू से हमला, गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कोतवाली क्षेत्र के ढंढेरा में एक युवक पर चाकूओं से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया जिस बाबत परिजनों ने थाने पर तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कडी कार्यवाही की मांग की है।

जानकारी के अनुसार सुरेश निवासी ढंडेरा ने तहरीर देकर बताया कि उसका पुत्र राहुल शनिवार शाम छह बजे क्षेत्र में एक दुकान पर चाऊमीन खा रहा था। तभी तीन युवक धारदार हथियार लेकर पुत्र के पास पहुंचे और गाली-गलौज कर पुत्र पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर उसे गंभीर रूप से लहूलुहान कर दिया। पुत्र की छाती, पेट और शरीर के अन्य स्थानों पर चाकू लगे जिससे वह लहूलुहान होकर अधमरी अवस्था में घटनास्थल पर गिर गया। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। खुद को क्षेत्र के लोगों से घिरता देख हमलावर धारदार हथियार लहराते हुए घटनास्थल से फरार हो गए। सूचना मिलने पर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए और घायल को प्राथमिक उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने घायल को पहले तो देहरादून रेफर कर दिया। वहां भी हालत में सुधार नहीं हुआ तो अब एम्स में घायल का उपचार चल रहा है।

परिवार के मुताबिक अब भी हालत चिंताजनक बनी हुई है। इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह बिष्ट ने बताया कि पुलिस ने अभिषेक निवासी रुड़की समेत तीन हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। हमलावरों की तलाश को संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

सीवर टैंकर ट्रैक्टरों पर जल संस्थान सख्त बिना रजिस्ट्रेशन नहीं चल पाएंगे सीवर टैंकर

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। बिना रजिस्ट्रेशन रुड़की में नहीं चलेगा कोई भी टैंकर । सहायक अभियंता जुनैद गौड ने बताया सीवर टैंकर को नियमानुसार रजिस्ट्रेशन कराने के बाद सीवर एस टी पी में छोड़ना होगा खुले में सीवर डालने पर होगा जुर्माना। अधिशाषी अभियंता द्वारा सख्त निर्देश दिए गए इसलिए एक सप्ताह में सभी सीवर ट्रैक्टर संचालक रजिस्ट्रेशन करा ले और खुले में सीवर डालने पर होगी जुर्माना कारवाई। सहायक अभियंता जुनैद गौड ने बताया कनिष्ठ अभियंता मोहित राणा एवं सीवर सुपरवाइजर चौधरी चरण सिंह उक्त का अनुपालन सुनिश्चित कराएंगे एवं कोई भी टैंकर खुले मे सीवर डालता पकड़ा गया तो होगी कारवाई सीवर का पानी एस टी पी में डालने की अनुमति है इसलिए सभी टैंकर संचालक एक सप्ताह में नगर निगम कार्यालय पहुंचकर रजिस्ट्रेशन करा ले अन्यथा सीवर टैंकर चालक पर सुसंगत नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी उन्होंने बताया अधिशाषी अभियंता ने बताया वर्तमान में भूपतवाला क्षेत्र अंतर्गत अनधिकृत सीवेज टैंकर द्वारा उत्तराखंड जल संस्थान का नाम टैंकर पर लिखकर अपशिष्ट जल सीधे तौर पर नाले में प्रवाहित किया जा रहा था। उक्त प्रकरण स्थानीय मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से वर्तमान में चर्चा का विषय बना रहा। अधिशाषी अभियंता महोदय के निर्देशानुसार अपर सहायक अभियंता जॉन प्रथम द्वारा उक्त व्यक्ति के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर दी गई, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए वर्तमान में वाहन चालक को गिरफ्तार कर उक्त टैंकर को सील कर दिया गया है। भविष्य में इस प्रकार के प्रकरण के रोकथाम हेतु अधिशासी अभियंता द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में प्रत्येक जोनवार/ क्षेत्रवार, सहायक अभियंता स्तर पर तीन सदस्यों की फील्ड विजिलेंस टीम गठित की जानी है जोकि किसी भी अनधिकृत सीवेज टैंक, जो विभाग की बिना अनुमति के सीवरेज विभागीय नेटवर्क में डाल रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए वाहनों को जब्त कर तत्काल प्राथमिकी निकटतम थाने में दर्ज कराएंगे। विभाग द्वारा बनाई गई जोनवार टीम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि विभाग द्वारा सीवेज टैंकर सेक्शन हेतु दी जाने वाली सुविधा के बारे में स्थानीय समाचार पत्र एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रचार एवं प्रसार करें।

दो पक्षों में अभद्रता व मारपीट दोनों तरफ से दी तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। रविवार देर शाम ग्राम कोटवाल आलमपुर के पास तीन व्यक्तियों में गाली गलौज व मारपीट हो गई। एक पक्ष द्वारा कोतवाली झबरेड़ा तथा दूसरे पक्ष की ओर से कोतवाली मंगलौर में तहरीर देकर कार्रवाई करने की मांग पुलिस से की है। झबरेड़ा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बताया कि ग्राम कोटवाल आलमपुर के पास ग्राम बसवा खेड़ी निवासी तीन व्यक्तियों में किसी बात को लेकर रविवार देर शाम झगड़ा हुआ था ।ग्राम बसपा खेड़ी घर जाने के बाद भी दोनों पक्षों में मारपीट व पथराव हो गया था। दोनों पक्षों में से एक पक्ष की ओर से झबरेड़ा कोतवाली में तहरीर दी गई है जबकि दूसरे पक्ष की ओर से मंगलौर कोतवाली में तहरीर दी गई है। झबरेड़ा कोतवाली में दी गई तहरीर को मंगलौर कोतवाली में भेज दी गई है तथा तहरीर देने वाले पक्ष को भी मंगलौर कोतवाली में भेज दिया गया है।

कलियर पुलिस दो जुआरी दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। कोतवाली क्षेत्र में जुआ और सट्टेबाजी पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में दो जुआरियों और एक सट्टा खाईबाड़ी करने वाले को गिरफ्तार किया है।जबकि दो आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने नगदी, ताश की गड्डी, फड़ और सट्टा सामग्री बरामद कर आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमल मोहन भंडारी ने बताया कि रहमतपुर रोड पर पानी की टंकी के पास कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारकर कुर्बान और गुलजार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को देखकर दो आरोपी फरार हो गए पुलिस ने मौके से 52 पत्तों की ताश की गड्डी, जुआ खेलने में प्रयुक्त फड़ और 6700 रुपये की नगदी भी बरामद की है और फरार आरोपी गुलसेर और आस मोहम्मद के खिलाफ भी सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। वहीं पुलिस ने चेकिंग के दौरान दरगाह क्षेत्र से एक युवक को सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए गिरफ्तार किया। मुखबिर की सूचना पर पहुंची टीम को देखकर युवक भागने लगा लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया और तलाशी लेने पर उसके पास से 2240 रुपये की नगदी, सट्टा पर्ची, पेन, गत्ता और डायरी बरामद की है। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम जहांगीर बताया। आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी टीम में धनौरी चौकी प्रभारी पुष्कर सिंह चौहान,हेड कॉन्स्टेबल सोनू कुमार, इसरार अली,अमित कुमार, प्रकाश मनराल, होमगार्ड अमरीश कुमार शामिल रहे।

लक्सर ब्लॉक सभागार में एसआईआर को लेकर एसडीएम का आदेश

कर्मचारी ईमानदारी व जिम्मेदारी से पूरा करें अपना काम: शुक्ला

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर ब्लॉक सभागार में आज एसआईआर के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में क्षेत्र के सभी संबंधित बीएलओ को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। बैठक की अध्यक्षता कर रहे लक्सर के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) अनिल कुमार शुक्ला ने सभी कर्मचारियों को निर्धारित समयावधि (टाइम बाउंड) के भीतर पूरी ईमानदारी और सही तरीके से अपना काम निपटाने के कड़े निर्देश दिए हैं।

लक्सर उप जिलाधिकारी अनिल कुमार शुक्ला ने बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि सभी बीएलओ के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि वे सर्वे या जांच के दौरान प्रत्येक घर पर कम से कम तीन बार जरूर जाएं। उन्होंने कहा: सभी बीएलओ हर घर पर तीन बार जरूर जाएं ताकि बाद में कोई भी नागरिक यह शिकायत न कर सके कि उनके घर पर कोई संबंधित कर्मचारी नहीं आया था। अभद्र व्यवहार करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई-एसडीएम ने आम जनता से भी अपील की है कि वे इस कार्य में बीएलओ का पूरा सहयोग करें। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा ड्यूटी पर तैनात बीएलओ के साथ किसी भी प्रकार का अभद्र व्यवहार या बदतमीजी की गई, तो उस व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जाएगीसमय सीमा और सटीकता पर जोरबैठक में मौजूद सहायक नोडल अधिकारी कुलदीप सिंह ने बताया कि सभी बीएलओ को कार्य की बारीकियों से अवगत कराया गया है। सरकार द्वारा इस कार्य के लिए एक निश्चित समय सीमा तय की गई है, और उसी टाइम बाउंड के अंदर एस आई आर का काम पूरा करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद अहम और संवेदनशील कार्य है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर कोई त्रुटि गलती नहीं होनी चाहिए। प्रशासन ने जनता से भी इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को सफल बनाने में सहयोग की अपेक्षा की है।

देश की जनता का ब्रेनवाश कर गुमराह कर रही है भाजपा सरकार : आलोक शर्मा

नीट पेपर लीक कर युवाओं व देश की स्वास्थ्य सेवा के साथ किया धोखा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। महानगर कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेंद्र चौधरी के कैंप कार्यालय पर रुड़की पहुंचे कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने कहां की भाजपा देश की जनता का ब्रेनवास कर गुमराह करने का काम कर रही। बढ़ती महंगाई और परीक्षाओं के लीक होते पेपर पर वह खामोश है। देश में महिलाओं पर अत्याचार और भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है।

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कैंप कार्यालय पर आलोक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की जनता का ब्रेन वास कर उन्हें गुमराह करने का काम करती चली आ रही है। जबकि देश में बढ़ती महंगाई पर उनका कोई कंट्रोल नहीं है। उन्होंने कहा कि लगातार पेपर लीक हो रहे हैं लेकिन इसके बावजूद भी कोई कार्यवाही आरोपियों पर नहीं हो रही है। देश में बढ़ती महंगाई ने आमजन की कमर तोड़ रखी है। देश में महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं लेकिन भाजपाई अपनी मस्ती में मत दिखाई दे रहे हैं। नीट का पेपर हो या एसएससी का सभी लीक हो रहे हैं। जिससे छात्राओं का भविष्य अंधकार में होता दिखाई दे रहा है लेकिन भाजपा सरकार इस ओर कोई कार्रवाई करने को नहीं दिखाई दे रही है। कार्यालय पहुंचने पर जिलाध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी एडवोकेट ने आलोक शर्मा का गुलदस्ता देकर स्वागत किया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

मंगलवार, 2 जून 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

दूरगामी फैसला

अपने आप में यह एक महत्वपूर्ण एवं दूरगामी निर्णय हो सकता है कि सुप्रीम कोर्ट ने आगामी 21 जून को फिर से होने वाली नीट-यूजी परीक्षा को कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) प्रारूप में आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को निर्देश देने से सोमवार को इन्कार कर दिया और मौजूदा पेन-एंड-पेपर (ऑफलाइन) मोड को ही बरकरार रखने का फैसला किया। स्पष्ट है कि न्यायालय के इस फैसले से नीट-यूजी की दोबारा होने वाली परीक्षा के सीबीटी मोड में कराने की किसी भी संभावना पर फिलहाल विराम लग गया है। बताते चलें कि सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, सीबीएसई, और एनसीईआरटी को नोटिस जारी करके हाल ही में यह निर्देश दिया है कि वे 1 जुलाई 2006 से सभी सीबीएसई स्कूलों में नौवीं के विद्यार्थियों के लिए तीन-भाषा फार्मूला लागू करने के अपने इंतजामात के बारे में विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करें। बीते 27 मई को, सीबीएसई के इस कदम को चुनौती देने वाली याचिक. ाओं को सुनते हुए, शीर्ष अदालत ने तुरंत कोई स्थगनादेश देने से मना कर दिया था, लेकिन यह माना कि कठिनाई और असु. विधा को लेकर चिंताओं की समीक्षा की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट 15 और 16 जुलाई को दलीलें सुनेगा। जिस अगंभीर ढंग से सरकार अपनी विवादास्पद भाषा नीति लागू करने के लिए सीबीएसई का इस्तेमाल कर रही है, वह एक बार फिर विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के प्रति पूर्ण उपेक्षा-भाव को दिखाता है। इसी 15 मई को, सीबीएसई ने एक परिपत्र जारी कर 1 जुलाई से नौवीं के विद्यार्थियों के लिए तीन भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य कर दिया। इसके लिए नयी शिक्षा नीति द्धएनईपीऋ 2020 और स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2023 के साथ संगति का हवाला दिया गया। तीन में से कम-से-कम दो देशी भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। फ्रेंच या जर्मन जैसी विदेशी भाषाएं तीसरी भाषा के रूप में केवल तभी ली जा सकेंगी, जब पहली दो भाषाएं भारतीय हों, या फिर वैकल्पिक चौथे विषय के रूप में ली जा सकेंगी। विद्यार्थियों के सामने खड़ी की गयी कठिनाई पर पर्दा डालने की तुच्छ कोशिश में, सीबीएसई ने दसवीं के बोर्ड इम्तिहान से तीसरी भाषा को छूट दे दी, जिसका मूल्यांकन स्कूल-आधारित आंतरिक मूल्यांकनों के जरिए किया जायेगा। हालांकि, इसके अंक अंतिम प्रमाणपत्र में अब भी मौजूद रहेंगे।

मूल्यांकन प्रक्रिया में त्रुटियों का बोझ छात्रों पर

सीबीएसई की गलती से नंबर गलत आएं, तो उसकी कीमत छात्रों को चुकानी पड़ती है, डिजिटल स्कैन कॉपी, री-टोटलिंग और री-इवैल्यूएशन के लिए अलग-अलग शुल्क देना पड़ता है, अपनी ही उत्तर पुस्तिका की सही जांच कराने के लिए एक छात्र को हजारों रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं, मूल्यांकन प्रक्रिया में त्रुटियों का बोझ छात्रों पर डाला जा रहा है, गलती सीबीएसई करती है और इसकी सजा बच्चे को मिलती है और सरकार इससे कमाई करती है, जब शिक्षा को सेवा नहीं, बल्कि कारोबार बना दिया जाता है, तो गलतियां सुधरने के बजाय व्यवस्था का हिस्सा बन जाती हैं और इसकी सबसे बड़ी कीमत बच्चों को अपने समय, आत्मविश्वास और भविष्य से चुकानी पड़ती है।

-राहुल गांधी
नेता विपक्ष, लोकसभा

अपने विचार रखें...

हम पाठकों, वरिष्ठ स्तंभकारों और लेखकों को सम्पादकीय पेज हेतु आलेख अथवा जनमानस से जुड़े मुद्दों पर राय भेजने के लिए आमंत्रित करते हैं, यहां प्रकाशित किसी भी लेख से सम्पादक अथवा संस्थान का सहमत होना आवश्यक नहीं है, यह लेखक के अपने निजी विचार होते हैं।

सम्पादकीय डेस्क

(सुजडू चुंगी, मेरठ रोड मुजफ्फरनगर, पिन कोड-251003)

महंगाई की मार झेलता आम आदमी, मजे में जिंदगी जीता एक वर्ग!

आर्थिक दबाव अब सिर्फ खातों की गणना नहीं रहा, यह जीवन की सोच और मनोस्थिति तक उतर आया है। बेहतर जीवन की चाह में लोग कर्ज और ईएमआई के ऐसे जाल में उलझते जा रहे हैं, जहां इच्छाएं बार-बार टलती हैं और जरूरतें आगे खिसकती जाती हैं।

प्रो. आर.के. जैन

भारत की आर्थिक कहानी में एक ऐसा पात्र है जो हर अध्याय में मौजूद रहता है, लेकिन जिसकी पीड़ा अक्सर फुटनोट बनकर रह जाती है। यह पात्र है मध्य वर्ग। यह वही जीवन है जो हर सुबह उम्मीद जोड़ता है और हर रात हिसाब में उलझकर टूटता थोड़ा और है। विकास, कर और उपभोग की सबसे भारी जिम्मेदारी इसी के कंधों पर है, फिर भी सुविधाएं इसके हिस्से में हमेशा कम पड़ जाती हैं। न यह इतना कमजोर है कि योजनाओं का पूरा लाभ ले सके, न इतना सक्षम कि महंगाई और करों का दबाव सहज झेल पाए इसलिए यह लगातार सिकुड़ती आर्थिक खाई में फंसता जा रहा है। वर्ष 2026 में स्थिर आय, बढ़ती कीमतें और ईंधन का बोझ इसे और अधिक नीरव पीड़ा में धकेल रहे हैं।

अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाने वाला मध्य वर्ग आज उसी व्यवस्था के सबसे तीखे दबाव में है विडंबना यह कि जिस मशीन को वह चलाता है, उसका सबसे भारी बोझ भी वही उठाता है। उपभोग, कर और नकदी प्रवाह की धुरी होने के बावजूद उसकी आय का अधिकांश हिस्सा रोजमर्रा खर्चों में ही समाप्त हो जाता हैय शहरों में किराया कमाई को निगलता है, ईएमआई आय को जकड़ती है, राशन और शिक्षा का बढ़ता खर्च लगातार दबाव बनाता है। कर राहतें महंगाई की रफ्तार के आगे कमजोर पड़ जाती हैं, जिससे बचत घटती है और भविष्य और अधिक अनिश्चित होता जाता है।

कीमतों की चुपचाप उठती लहरें सबसे पहले मध्य वर्ग की जेब से टकराती हैं, क्योंकि उसके पास बचाव की गुंजाइश सबसे कम होती है। पेट्रोल.डीजल महंगा होता है तो असर सिर्फ गाड़ी तक नहीं रहता परिवहन से लेकर रसोई, बाजार और हर जरूरी सेवा की कीमतें ऊपर चढ़ जाती हैं। सब्जी, दूध, दाल और रोजमर्रा का सामान लगातार बजट को अस्थिर करता रहता है, जबकि आय उसी रफ्तार से नहीं बढ़ती। चिकित्सा खर्च तेजी से बढ़ रहा है और शिक्षा की लागत भी हर साल नई ऊंचाई छू रही है। न मुफ्त इलाज का सहारा है, न पूरी तरह सस्ती शिक्षा का विकल्प हर सेवा का पूरा मूल्य चुकाकर ही यह वर्ग अपनी जरूरतें पूरी करता है।

करों की अदृश्य परतें जब आम जीवन पर चढ़ती हैं, तो सबसे पहले मध्य वर्ग की सांसें भारी हो जाती हैं। आयकर का सबसे बड़ा हिस्सा देने के बावजूद यह वर्ग लाभों की कतार में अक्सर पीछे रह जाता है। एक ओर गरीब वर्ग को योजनाओं और सब्सिडी का सहारा मिलता है, दूसरी ओर संपन्न वर्ग कर-योजनाओं से राहत निकाल लेता है पर इनके बीच खड़ा मध्य वर्ग न पर्याप्त सहायता पा पाता है, न कर बचाने की सुविधा। बिजली, पानी, किराया और हर उपभोग वस्तु पर सीधे-परोक्ष करों का दबाव उसकी जेब को लगातार हल्का करता रहता है। नतीजतन, आय बढ़ने के बावजूद उसकी वास्तविक खरीद क्षमता धीरे-धीरे घटती जाती है।

सपनों की बुनियाद माने जाने वाले आवास और शिक्षा आज मध्य वर्ग के लिए सबसे बड़ी आर्थिक चुनौती बन चुके हैं। महानगरों में किराया इतना बढ़ गया है कि आय का बड़ा हिस्सा सिर्फ छत बचाने में ही निकल जाता है, जबकि घर खरीदने का सपना लंबी ईएमआई और भारी ब्याज के बोझ में उलझकर रह जाता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी अब सस्ती नहीं रही स्कूल फीस, परिवहन, कोचिंग और गतिविधियों के खर्च मिलकर परिवार के बजट को लगातार दबाते रहते हैं। इसी तरह स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ते बीमा प्रीमियम और सीमित कवरेज हर अचानक बीमारी को आर्थिक अस्थिरता का कारण बना देते हैं, जिससे वर्षों की योजना पल भर में बिखर सकती है।

आर्थिक दबाव अब सिर्फ खातों की गणना नहीं रहा, यह जीवन की सोच और मनोस्थिति तक उतर आया है। बेहतर जीवन की चाह में लोग कर्ज और ईएमआई के ऐसे जाल में उलझते जा रहे हैं, जहां इच्छाएं बार-बार टलती हैं और जरूरतें लगातार आगे खिसकती जाती हैं। भविष्य के लिए बचत और निवेश की योजनाएं आज के खर्चों के सामने कमजोर पड़ जाती हैं, जिससे सुरक्षा की भावना धीरे-धीरे धुंधली होती जाती है। युवा पीढ़ी इस असंतुलन को देखकर भरोसे की जगह उलझन महसूस कर रही है शिक्षा, नौकरी और स्थिरता के पुराने भरोसे अब पहले जैसे मजबूत नहीं रहे। यह स्थिति केवल आय-व्यय का अंतर नहीं, बल्कि उम्मीदों और हकीकत के बीच गहराती खामोश दूरी का संकेत है।

यह स्थिति केवल घरों की सीमाओं में कैद नहीं रहती, बल्कि पूरे देश की आर्थिक धड़कन को प्रभावित करती है। जैसे ही मध्य वर्ग की क्रय शक्ति घटती है, बाजार की रफ्तार धीमी पड़ने लगती है, उपभोग कम होता है और विकास की गति पर सीधा असर दिखता है। इसलिए इसकी समस्याओं को व्यक्तिगत बोझ मानकर नजर. अंदाज नहीं किया जा सकता। जरूरत है वास्तविक कर सुधार, महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण, स्वास्थ्य.शिक्षा में लक्षित राहत, ईंधन करों में संत. ुलन और किफायती आवास नीतियों की। अगर अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले इस वर्ग को स्थिरता नहीं मिली, तो विकास की पूरी संरचना धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकती है।

राष्ट्र निर्माण की धुरी अब एक नए दृष्टिकोण की मांग कर रही है, जहां मध्य वर्ग को केवल करदाता नहीं बल्कि वास्तविक भागीदार माना जाए। वर्षों से यह वर्ग विकास की कीमत चुकाता आया है, लेकिन अब उसके धैर्य और क्षमता दोनों की सीमाएं स्पष्ट होने लगी हैं। जो वर्ग अर्थव्यवस्था को गति देता है, वही यदि असुरक्षा, कर्ज और अनिश्चितता के दबाव में आ जाए, तो यह स्थिति पूरे देश के लिए चेतावनी बन जाती है। जैसे शरीर की ताकत रीढ़ पर टिकी होती है, वैसे ही किसी राष्ट्र की स्थिरता मध्य वर्ग पर निर्भर करती है और यदि यही रीढ़ कमजोर पड़ जाए, तो विकास की चमक भी लंबे समय तक कायम नहीं रह सकती।

बंगाल में अब भाजपा के राज में हिंसा जारी

सवाल यह है क्या इस तरह की हिंसा को जनता का प्रतिरोध या गुस्सा कहकर नजर. अंदाज किया जा सकता है? पश्चिम बंगाल के एक मंत्री कह रहे हैं कि यह भी देखना चाहिए कि टीएमसी के राज में क्या होता था। क्या एक मंत्री की यही जिम्मेदारी है कि वह इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान दें? क्या इस हिंसा के पीछे इसके एक सोची समझी साजिश है? राजनीति में पर्दे के पीछे भी कई तरह के खेल होते हैं। धर्म और संस्कृति के नाम ऊपर से साफ-सुथरे दिखाई देने वाले कई राजनेता अंदर से इतने गंदे होते है कि अंदाजा नहीं लगाया जा सकता।

रोहित कौशिक

किसी भी दौर की राजनीति में हिंसा राजनीति का मूल तत्व नहीं हो सकती है। हम इसलिए हिंसा का समर्थन नहीं कर सकते कि तुम्हारी पार्टी के राज में हिंसा होती थी, इसलिए हमारी पार्टी के राज में हिंसा होगी। विडम्बना यह है कि इस दौर में यदि किसी एक पार्टी के राज में हिंसा या फिर किसी अन्य गलत काम का विरोध किया जाता है तो उस पार्टी के कार्यकर्ता अक्सर यह कहते हैं कि इससे पहले के राज में कौन सा रामराज्य था? पहले राज में भी तो यही हाल था। अगर पहले राज में यही हाल था तो ही जनता ने बदलाव किया लेकिन अगर इस राज में भी ऐसा ही होगा तो फिर बदलाव कहां हुआ? इस दौर की राजनीति में हिंसा का तत्व बढ़ता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है यह है कि राजनीति में जानबूझकर नफरत को बढ़ावा दिया जा रहा है। कभी हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर नफरत परोसी जाती है तो कभी क्षेत्र के नाम पर नफरत परोसी जाती है। पश्चिम बंगाल में हिंसा का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन सरकार बदलने के बाद भी वहां हिंसा जारी है। भाजपा द्वारा चुनाव जीतने के बाद वहां जिस तरह से टीएमसी के कार्यालय और टीएमसी कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई, वह यह दिखाता कि सत्ता बदलने के बाद भी इस दौर की राजनीति की मूल प्रवृत्ति बदल नहीं रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सांसदों के खिलाफ जनाक्रोश की घटनाएं लगातार दूसरे दिन भी देखने को मिलीं। शनिवार को टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के साथ हुई मारपीट और पथराव की घटना के बाद रविवार को तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी के साथ दुर्व्यवहार और पथराव किया गया।

पश्चिम बंगाल में अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर हुए हमले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अभिषेक बनर्जी चुनाव के बाद हुई हिंसा में मारे गए एक पार्टी कार्यकर्ता के आवास पर गए थे। भीड़ ने उन पर अंडे और जूते फेंके जबकि सुरक्षाकर्मी उन्हें बचाने का प्रयास करते रहे। भीड़ के विरोध और हिंसा को देखते हुए अभिषेक बनर्जी को हेलमेट पहनाया गया। उन पर पत्थर भी फेंके गए। अंडे लिए हुए महिलाओं ने कहा कि वे तब तक नहीं जाएंगी जब तक कि हिसाब बराबर नहीं कर लिया जाता। भीड़ ने कई मुद्दों पर अपनी नाराजगी जाहिर की। सोनारपुर मे यह गतिरोध एक घंटे से अधिक समय तक जारी रहा। पुलिस और केन्द्रीय बलों के मौके पर पहुंचने पर उन्हें घर से बाहर निकाला गया। अगर सुरक्षा बलों की मौजूदगी में इस तरह की घटनाएं हो रही हैं तो इससे शर्मनाक और कुछ नहीं हो सकता। सवाल यह है कि सुरक्षा बलों ने पथराव करने वाले लोगों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? सुरक्षा बलों ने ऐसे लोगों पर डंडे क्यों नहीं बरसाए? इस घटना के बाद तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने कहा कि शासक हत्यारे बन गए हैं, भाजपा पर शर्म आती है। इस हमले की निंदा करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार और केन्द्र सरकार को सभी विपक्षी नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद के कारण किसी भी प्रकार की हिंसा को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

दरअसल इस मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष ने सटीक सवाल उठाए। क्या विरोधी विचारधारा वाले इंसान के साथ हिंसा को इस आधार पर जायज ठहराया जा सकता है कि कोई कि वह दूसरी विचारधारा से संबंध रखता है? असहमति तो लोकतंत्र का मूलभूत तत्व है। असहमति के आधार पर हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस घटना को भाजपा की प्रतिशोध की राजनीति का घृणित प्रदर्शन बताया। अभिषेक बनर्जी के साथ हुई मारपीट की घटना के विरोध में कल्याण बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल चंडीतला थाने में ज्ञापन सौंपने जा रहा था। इसी दौरान कुछ लोगों ने पहले काले झंडे दिखाकर विरोध किया और उसके बाद पत्थर फेंके गए। पत्थर लगने से कल्याण बनर्जी घायल हो गए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

भयंकर गर्मी में बिजली की आपूर्ति सुचारू ढंग से कैसे हो

विनीत नारायण

उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता से बिजली की खपत कम करने की अपील की है। हालांकि उन्होंने यह भी आश्वा. सन दिया है कि बिजली की आपूर्ति में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली मिलेगी। उनका यह आश्वासन सराहनीय है। मगर जमीनी हकीकत कुछ और ही बयान कर रही है। इसी हफ्ते टीवी पर एक शो में बहस के दौरान पत्रकारों ने बताया कि नोएडा में बिजली का भारी संकट चल रहा है।

बहुमंजलीय इमारतों में रहने वाले लोग भी बेहाल हैं, क्योंकि उन्हें पॉवर बैक-अप नहीं मिल रहा। उत्तर प्रदेश के अनेक शहरों में बिजली कमी को लेकर जगह-जगह जन-आंदोलन चल रहे हैं। इसी बीच उत्तर प्रदेश में बिजली के 'स्मार्ट मीटर' का बड़ा घोटाला भी सामने आया है। इन मीटरों को लगवाने का निर्णय योगी सरकार के पहले कार्यकाल में ऊर्जा मंत्री कांत शर्मा के नेतृत्व में लिया गया था। इन मीटरों को लेकर जनता की शुरू से ही यह शिकायत रही है कि उनके बिल खपत से कई गुना ज्यादा आ रहे हैं। अब जब पानी सर के ऊपर से गुजर गया तो उत्तर प्रदेश की त्रस्त जनता ने 'स्मार्ट मीटर' उखाड़ कर फेंकने शुरू कर दिए और आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई। योगी सरकार ने अब इन मीटरों को ना लगाने का फैसला किया है। वैसे तो हर साल गर्मियों में खास कर कर उत्तर भारत में बिजली का संकट बहुत बढ़ जाता है। क्योंकि बांधों में जल का स्तर तेजी से घटता है और नदियां भी सूखने लगती हैं। कारण पहाड़ों पर चल रहे सड़कों के विस्तार ने वृक्षों की अंधाधुंध कटाई की है। जिससे वर्षा की मात्रा तेजी से गिर गई है। पहाड़ ही क्यों मैदानों में भी जंगलों की अविवेकपूर्ण कटाई ने देश का हरित क्षेत्र खतरनाक स्तर तक कम कर दिया है। जब ज्यादा हरियाली होती है तो वातावरण में नमी पैदा होती है और उससे वर्षा होती है। उधर अमरीका-इसराइल-इराक युद्ध हो या रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इन युद्धों में जो गोला बारूद रात-दिन आग उगल रहा है, उससे भी 'ग्लोबल वार्मिंग' बढ़ रही है। इसका प्रमाण है, उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव पर तेजी से घटते हिमखंड। कुछ वर्ष पहले तक यूरोप के लोग गर्मी का नाम ही नहीं जानते थे। वहां के घरों में पंखे या एसी नाम का उपकरण नहीं लगाया जाता था। आज यूरोप के इन देशों को भीषण गर्मी की मार झेलनी पड़ रही है। पर किसी भी देश की सरकार पर्यावरण के इस मुद्दे पर गंभीरता से कोई ठोस काम नहीं कर रही। अगर बिजली की खपत पर लौट कर आएं तो योगी जी की ए चिंता निर्मूल नहीं है। एक जमाने में खघ्स के पर्दे से ही भवन ठण्डे किए जाते थे। फिर कूलर का दौर आया और आज तो घर-घर ए सी लग गए हैं। पर एसी की जितनी खपत आम नागरिक करते हैं उससे कई गुना ज्यादा सरकारी और व्यवसायिक प्रतिष्ठान करते हैं। योगी जी अगर अपने मंत्रालयों के भवनों का औचक निरीक्षण करें तो पाएंगे कि जब अफसर और बाबू कमरों में नहीं होते तब भी वहां कई-कई ए सी फालतू चलते रहते हैं। यही हाल अन्य प्रांतों के सरकारी दफ्तरों का भी होता है। इसलिए बिजली की खपत कम करने की पहल जितनी नागरिकों की तरफ से जरूरी है, उतनी ही शासक वर्ग से भी है। हाइड्रो पॉवर या थर्मल पॉवर की बिजली बनाने की अनेकों सीमाएं हैं। इनसे उत्पादन बढ़ाना आसान नहीं होता। बिजली की आपूर्ति को सुनिश्चित करने का सबसे बढ़िया उपाय है, सोलर एनर्जी। भारत जैसे विशाल भूभाग वाले क्षेत्र में भवनों की छतों पर सोलर पैनल लगा कर प्रदूषण मुक्त बिजली पैदा की जा सकती है। चीन इस दिशा में बहुत आगे बढ़ गया है। वो अपनी आवश्यकता से कहीं ज्यादा बिजली सोलर पैनलों से पैदा कर रहा है। कोचीन का अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पूरी तरह सोलर एनर्जी पर निर्भर है। इसलिए शेष प्रांतों में भी इस दिशा में तीव्रता से काम करने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि मई 2026 में उत्तर प्रदेश ने 31,824 MW का रिकॉर्ड पीक डिमांड पूरा करने का दावा किया है। ऊर्जा मंत्री ए।के। शर्मा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे राष्ट्रीय रिकॉर्ड बताते हुए कहा कि शहरों में 24 घंटे और गांवों में 18-22 घंटे बिजली दी जा रही है। केंद्र सरकार भी पूरे देश में 270 GW से अधिक पीक डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा करने का दावा कर रही है। 2012 के बड़े ब्लैकआउट की तुलना में यह प्रगति प्रभावित करती है, लेकिन इन आंकड़ों की चमक जमीनी हकीकत को छुपा नहीं पा रही। वास्तविकता यह है कि यूपी में ललितपुर व घाटमपुर जैसे थर्मल प्लांटों के बंद पड़े रहने से बिजली का संकट गहराया है। कोयला आपूर्ति की कमी और ट्रांसमिशन-डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के पुरानेपन ने स्थिति और बिगाड़ दी है। ग्रामीण क्षेत्रों में 6-12 घंटे तक बिजली गुल रहने की शिकायतें आम हैं। लखनऊ, गोंडा, वाराणसी जैसे शहरों में भी रात के समय बिजली की कटौती हो रही है। यहां तक कि भाजपा के विधायक भी इस मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछ रहे हैं। सरकार का दावा है कि मांग बढ़ने के कारण समस्या है, न कि उत्पादन की कमी। लेकिन सवाल उठता है कि जब हर साल गर्मी आती है और मांग बढ़ती है, तो तैयारी क्यों नहीं होती? पिछले वर्षों में क्षमता में वृद्धि हुई है, लेकिन वितरण व्यवस्था में सुधार अपर्याप्त रहा। ओवरलोडेड ट्रांसफार्मर, पुरानी लाइनें और शाम के समय सोलर जनरेशन घटने के बाद की कमी को प्रबोधित करने की ठोस योजना नजर नहीं आती। ऊर्जा एक्सचेंज से भी पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही। क्योंकि पूरे उत्तर भारत में बिजली की मांग समान रूप से बढ़ी हुई है। यह संकट केवल गर्मी का नहीं, बल्कि नीतिगत विफलता का भी है। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के बावजूद, बैटरी स्टोरेज और स्मार्ट ग्रिड पर पर्याप्त निवेश नहीं हुआ। किसान, छोटे उद्योग और आम घरेलू उपभोक्ता सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। गर्मी में बिजली न होने से स्वास्थ्य, पानी की आपूर्ति और आजीविका सब प्रभावित हो रही है। सरकार को अब संख्याओं से आगे बढ़कर समाधान पर ध्यान देना चाहिए। थर्मल प्लांटों का तुरंत रखरखाव, नई ट्रांसमिशन लाइनों का तेजी से निर्माण, डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम का आधुनिकीकरण और मांग प्रबंधन की बेहतर रणनीति जरूरी है। विद्युत क्षेत्र में प्रगति निश्चित रूप से हुई है, लेकिन संकट के समय यह प्रगति जनता तक नहीं पहुंच रही। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य की जिम्मेदारी भारी है। सरकार को अब दावों से हटकर वास्तविक सुधार पर ध्यान देना होगा अन्यथा गर्मी के साथ-साथ जनाक्रोश भी बढ़ता रहेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कोलकाता। राज्यव्यापी महिला मुफ्त बस यात्रा योजना लागू होने के बाद यात्रियों का टिकट देखती महिला कंडक्टर।

जापान ने की ईरान से होर्मुज स्ट्रेट जल्द खोलने की मांग

टोक्यो। जापान की प्रधानमंत्री ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात की और अमेरिका के साथ समझौता करने के लिए सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की। ताकाइची ने कहा कि मौजूदा हालात में ईरान के पास समझौते का अच्छा मौका है और उसे इसका फायदा उठाना चाहिए। उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को जल्द से जल्द खोलने की भी मांग की। जापान का कहना है कि इस रास्ते से एशिया और दुनिया के कई देशों के जहाज गुजरते हैं, इसलिए वहां आवाजाही सुरक्षित और सामान्य होनी चाहिए।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा संबंधों को और मजबूत किया

दोनों देशों में समुद्री सुरक्षा और रक्षा उद्योग सहयोग पर नई पहलों पर सहमति बनी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने अपनी रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मजबूती से आगे बढ़ाते हुए समुद्री सुरक्षा, रक्षा उद्योग, परस्पर सैन्य संचालन क्षमता और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। दोनों देशों ने हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने सोमवार को यहां दूसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा मंत्री संवाद की सह अध्यक्षता की। सिंह ने बैठक के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ मेरी एक बेहतरीन बैठक हुई। हमने मिलकर द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा की और इसे और आगे बढ़ाने के तरीकों और साधनों पर चर्चा की। भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा साझेदारी आने वाले वर्षों में लगातार प्रगति करने के लिए पूरी तरह तैयार है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने पिछले

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने सोमवार को यहां दूसरे भारत व ऑस्ट्रेलिया रक्षा मंत्री संवाद की सह अध्यक्षता की

वर्ष अक्टूबर पहले संवाद के बाद से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के क्षेत्र में प्रगति की समीक्षा की। दोनों मंत्रियों ने संयुक्त समुद्री सुरक्षा सहयोग रूपरेखा को अंतिम रूप देने के प्रयासों का समर्थन किया और समुद्री गश्ती विमानों के बीच अधिक सहयोग के माध्यम से समुद्री क्षेत्रीय जागरूकता बढ़ाने पर सहमति जताई। साथ ही समुद्र के भीतर निगरानी के अवसरों का पता लगाने का भी निर्णय लिया गया। दोनों पक्षों ने भारतीय तटरक्षक बल और ऑस्ट्रेलिया की समुद्री सीमा कमान के बीच गहरे सहयोग का भी समर्थन किया। उन्होंने स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अपने साझा दृष्टिकोण के अनुरूप नौवहन और हवाई मार्ग की स्वतंत्रता, निर्बाध व्यापार तथा समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि सहित अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के पालन के प्रति अपना समर्थन दोहराया। मंत्रालय ने बताया कि भारत और ऑस्ट्रेलिया, हिंद महासागर रिम एसोसिएशन के समुद्री सुरक्षा पर कार्य समूह के सह-अध्यक्ष के तौर पर, हिंद महा. सागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए इस महीने चेन्नई स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र में संयुक्त रूप से एक 'खोज और बचाव' तथा 'टेबलटॉप अभ्यास' आयोजित करने के लिए तैयार हैं।

दोनों पक्षों ने 2020 के 'पारस्परिक लॉजिस्टिक्स सहायता समझौते' के आधार पर अभ्यासों और अभियानों के लिए प्रक्रियात्मक अंतर-संचालनीयता को बढ़ाने के लिए व्यवस्थाओं का पता लगाने का संकल्प लिया। उन्होंने परिचालन संबंधी समझ और तालमेल बनाने के लिए एक-दूसरे के क्षेत्रों से विमानों की तैनाती जारी रखने पर भी सहमति व्यक्त की। मंत्रियों ने घोषणा की कि भारत और ऑस्ट्रेलिया रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने के अगले कदम के रूप में 'रक्षा सामग्री और रक्षा सेवाओं के प्रावधान' से संबंधित एक समझौता ज्ञापन को भी अंतिम रूप देने पर काम करेंगे। उन्होंने रक्षा औद्योगिक सहयोग और संपर्क के रणनी. तिक महत्व को रेखांकित किया, और इसे द्विपक्षीय रक्षा उद्योग संबंधों में हो रही वृद्धि का एक प्रतिबिंब माना।

अमेरिका ने ईरान की रडार-ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर किया हमला

ईरान ने जवाबी हमले में सीरिक आइलैंड के पास अमेरिकी ऑपरेशन में इस्तेमाल एयरबेस को निशाना बनाया

वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका-ईरान के बीच जारी संघर्षविराम को आगे बढ़ाने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के उद्देश्य से किए गए प्रस्तावित समझौते में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से कुछ बदलाव सुझाकर उसे वापस भेजने के बावजूद ईरान और अमेरिका के बीच हमलों और जवाबी हमलों का सिलसिला जारी है।

अमेरिका और ईरान के बीच सप्ताहांत में हुए इस ताजा सैन्य टकराव के बीच, परदे के पीछे राजनयिक प्रयास भी जारी हैं ताकि एक व्यापक समझौता किया जा सके और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नए सिरे से बातचीत की रूपरेखा तैयार की जा सके। यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने कहा कि उसने 'ईरान की आक्रामक कार्रवाइयों' के जवाब में शनिवार और रविवार को ईरानी सैन्य ठिकानों के खिलाफ 'आत्मरक्षा में हमले' किए। इस कार्रवाई के तहत दक्षिणी ईरान में रडार प्रणालियों और ड्रोन कमांड-एंड-कंट्रोल केंद्रों को निशाना बनाया गया। यह कार्रवाई ईरान द्वारा अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र के ऊपर उड़ान भर रहे एक अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराए जाने के कथित दावे के

अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरान की हवाई रक्षा प्रणालियों, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो हमलावर ड्रोनों को नष्ट कर दिया

बाद की गई। सेंटकॉम ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरान की हवाई रक्षा प्रणालियों, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो हमलावर ड्रोनों को नष्ट कर दिया, जो क्षेत्रीय जलक्षेत्र से गुजरने वाले वाणिज्यिक और सैन्य जहाजों के लिए खतरा बने हुए थे। अमेरिकी सेना ने यह भी स्पष्ट किया कि इस अभियान के दौरान किसी भी अमे. रिकी कर्मी को चोट नहीं आई है। ईरान की ओर से भी इस पर जवाबी कार्रवाई की गई। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि उसने दक्षिणी ईरान पर हुए हमले के जवाब में अमेरिकी सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले एक हवाई ठिकाने (एयर बेस) को निशाना बनाया, हालांकि उन्होंने उस स्थान का नाम नहीं बताया।

ईरान ने यह भी दावा किया कि उसने एक ऐसे अमेरिकी एयर बेस पर हमला किया है जिसका इस्तेमाल खाड़ी में स्थित सिर्री द्वीप पर एक दूरसंचार केंद्र पर हमले करने के लिए किया गया था। आईआरजीसी ने इस बेस के स्थान की पहचान उजागर नहीं की, लेकिन चेता. वनी दी कि अमेरिका की तरफ से किसी भी अगली सैन्य कार्रवाई का इससे कहीं अधिक कड़ा जवाब दिया जाएगा। यह घोषणा कुवैत द्वारा दिए गए उस बयान के तुरंत बाद आई, जिसमें अमेरिकी बेस की मेजबानी करने वाले कुवैत ने कहा था कि उसकी हवाई रक्षा प्रणालियों ने दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों को हवा में ही रोक दिया है। हालांकि, कुवैती अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि ए मिसाइलें और ड्रोन कहां से दागे गए थे। यद्यपि अप्रैल की शुरुआत में संघर्षविराम लागू होने के बाद से दोनों पक्षों के बीच कई बार गोलीबारी हुई है, लेकिन हालिया घटनाओं ने इन चिंताओं को बढ़ा दिया है कि यदि राजनयिक प्रयास धीमे पड़े तो यह युद्धविराम टूट सकता है। अस्थायी संघर्षविराम को एक अधिक स्थायी समझौते में बदलने के उद्देश्य से चल रही बातचीत ने हाल के हफ्तों में गति पकड़ी है। ट्रम्प ने बार-बार भरोसा जताया है कि समझौता जल्द ही हो सकता है। सोमवार को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में उन्होंने आलोचकों से 'आराम से बैठने' का आग्रह करते हुए

ईरान ने राष्ट्रपति पेजेशकियान के इस्तीफे की खबरों का खंडन किया

तेहरान। ईरान ने राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के इस्तीफा देने की खबरों का खंडन किया है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने रविवार को मीडिया की उन खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि मसूद पेजेशकियान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय में संचार मामलों के उप-प्रमुख सैयद मेहदी तबातबाई ने 'एक्स' पर लिखा कि राष्ट्रपति पेजेशकियान लोगों की सेवा करने से पीछे नहीं हटेंगे, ठीक वैसे ही जैसे ईरानी राष्ट्र एकजुटता और प्रतिरोध के मार्ग से पीछे नहीं हटेगा। यह टिप्पणी तब आई जब लंदन स्थित मीडिया संस्थान 'ईरान इंटरनेशनल' ने दिन में पहले यह रिपोर्ट दी थी कि पेजेशकियान ने सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के कार्यालय में अपना इस्तीफा सौंप दिया है। रिपोर्ट में एक अधिकारी का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया कि उस पत्र में 'इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स' की आलोचना की गई थी।

ईरान परमाणु समझौता चाहता है आलोचक शांत व निश्चित रहें: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को कहा कि ईरान अमेरिका के साथ एक समझौते पर पहुंचने के लिए उत्सुक है और उम्मीद है कि किसी भी संभावित समझौते से अमे. रिका तथा उसके सहयोगी दोनों को लाभ होगा। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में राजनीतिक विरोधियों और अपनी ही पार्टी के कुछ सदस्यों की आलोचना करते हुए कहा कि जारी बातचीत पर सार्वजनिक टिप्पणियां राजनयिक प्रयासों को और ज्यादा कठिन बना रही है। उन्होंने कहा कि ईरान वास्तव में समझौता करना चाहता है और यह समझौता अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने डेमोक्रेट्स और कुछ रिपब्लिकन पर बातचीत को कमजोर करने का आरा. ेप लगाया क्योंकि वे बार-बार अलग-अलग दृष्टिकोणों की वकालत कर रहे हैं, जिनमें बातचीत को तेज करना और सैन्य कार्रवाई करना शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि बस आराम से बैठिए क्योंकि अंत में सब कुछ ठीक हो जाएगा-हमेशा ऐसा ही होता है। ट्रम्प की ये टिप्पणियां पश्चिम एशिया में जारी राजनयिक प्रयासों एवं बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के बीच आई हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान के साथ प्रस्तावित समझौते में और संशोधन करने की मांग की है जिसका उद्देश्य युद्धविराम को बढ़ाना और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर नए सिरे से बात. चीत के लिए परिस्थितियां बनाना है।

कहा कि ईरान 'वास्तव में समझौता करना चाहता है' और इसका परिणाम अंततः अमेरिका के पक्ष में होगा। खबरों के मुताबिक, समझौते के नवीनतम मसौदे में 60 दिनों के लिए युद्धविराम को बढ़ाने, होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने के उपाय और ईरान की परमाणु गतिविधियों पर बातचीत को दोबारा शुरू करने का एक ढांचा शामिल है। हालांकि, अभी तक किसी अंतिम समझौते की घोषणा नहीं की गई है।

समझौते को कानूनी सुरक्षा देने का प्रावधान भी प्रस्तावित समझौते में शामिल: बघाई

तेहरान। ईरान और अमेरिका ने मौजूदा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संभावित समझौते में एक ऐसा प्रावधान शामिल किया है, ताकि इस समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के माध्यम से कानूनी सुरक्षा मिल सके। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा कि हम अभी भी सामान्य प्रावधानों पर चर्चा कर रहे हैं।

इन 14 बिंदुओं में एक प्रावधान यह भी है कि यदि कोई समझौता होता है, तो उसे सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का रूप लेना चाहिए ताकि उसे कानूनी सुरक्षा मिल सके। राजनयिक ने यह भी कहा कि ईरान ऐसा नहीं मानता कि केवल सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव ही समझौते के लागू होने की गारंटी होगा, क्योंकि ईरान अतीत में इसके विपरीत अनुभव कर चुका है। इस बीच, कुवैत द्वारा

ईरान ऐसा नहीं मानता कि केवल सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव ही समझौते के लागू होने की गारंटी होगा

मिसाइल और ड्रोन हमलों की एक श्रृंखला की रिपोर्टों के बाद, बघाई ने क्षेत्रीय ठिकानों और संपत्तियों पर जवाबी कार्रवाई करने के ईरान के अधिकार का बचाव किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पड़ोसी देशों के ठिकानों से शुरू की गई अमेरिकी हमले के खिलाफ आत्मरक्षा के अपने अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए ईरान को दोषी ठहराने वाला यूरोपीय संघ (ईयू) का बयान चुनिंदा नैतिक आक्रोश का एक उदाहरण है, यह पाखंडी और लापरवाही भरा है। बघाई ने कहा कि यूरोपीय संघ को कानून के शासन और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के उन सिद्धांतों के प्रति वफादार रहना चाहिए जिनका वह लंबे समय से समर्थन करने का दावा करता आया है। उसे हमलावरों को खुश करना बंद करना चाहिए और उन लोगों को दोष देना बंद करना चाहिए जो अवैध हमलों का जवाब दे रहे हैं। प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि देशों का यह स्थापित कानूनी दायित्व है कि वे अपने क्षेत्र या संपत्ति का उपयोग दूसरे देशों पर आक्रमण करने के लिए न होने दें।

मलेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर रोक

कुआलालम्पुर। मलेशिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट बनाने पर रोक लगाने वाले नए नियम लागू कर दिए हैं। अब फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटाक और यूटयूब जैसे प्लेटफार्म को उम्र जांचने की व्यवस्था करनी होगी। 16 साल से कम उम्र के यूजर्स अकाउंट नहीं बना सकेंगे। नियम तोड़ने पर कंपनियों पर 25 लाख डालर यानी करीब 24 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। हालांकि अगर बच्चे किसी तरह नियम तोड़कर अकाउंट बना लेते हैं, तो उनके माता-पिता पर कार्रवाई नहीं होगी। सरकार का कहना है कि यह कदम बच्चों को हानिकारक कंटेंट, साइबर बुलिंग और सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए उठाया गया है।

शादी के दिन हेलीकॉप्टर क्रैश में पायलट की मौत

अमेरिका में हादसा, पत्नी का 6 घंटे बाद मलबे से रेस्क्यू, केरल के रहने वाले थे डेव फिजी

जार्जिया। अमेरिका के जार्जिया में शादी के कुछ घंटों बाद भारतीय मूल के पायलट की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत हो गई। उनकी पत्नी घायल हो गईं और करीब 6 घंटे तक मलबे में फंसी रहीं। डेव फिजी और जेस्नी की शादी 29 मई को डासनविल के 'द रिवेरे' वेडिंग वेन्यू में हुई थी।

समारोह में करीब 400 मेहमान शामिल हुए थे। नवविवाहित जोड़ा शादी के बाद हेलीकॉप्टर से अटलांटा के लिए रवाना हुआ था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अमेरिका की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) इस मामले की जांच कर रही है। हालांकि, एजेंसी ने अभी तक दुर्घटना की वजह नहीं बताई है। शुरुआती जांच रिपोर्ट अगले 30 दिनों में आने की उम्मीद है। भारतीय मूल के पायलट डेव

फिजी की जेस्नी के साथ 29 मई को शादी हुई। डेव फिजी और जेस्नी के शादी समारोह में 400 से ज्यादा मेहमान शामिल हुए थे। डेव के पिता जार्ज फिजी ने बताया कहा कि मेरा बेटा बहुत खुश था। मैं उसे देख रहा था और उसकी खुशी महसूस कर रहा था। वह बेहद हैंडसम लग रहा था। जार्ज के मुताबिक, डेव और जेस्नी की दोस्ती चर्च के जरिए हुई थी। दोनों परिवारों का संबंध अमेरिकी राज्यों साउथ कैरोलीना और जार्जिया के चर्च समुदायों से रहा है। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और दोनों ने जीवनसाथी बनने का फैसला किया। परिवार के मुताबिक, डेव फिजी बचपन से ही पायलट बनना चाहता था। उसने कड़ी मेहनत से अपना सपना पूरा किया और बाद में डेल्टा एयर लाइंस में फर्स्ट आफिसर बना। डेव को उड़ान और विमानों से बेहद लगाव था। परिवार ने बताया कि वह एक अनुशासित, जिम्मेदार और अपने काम के प्रति समर्पित पायलट था। 25 साल के डेव फिजी डेल्टा एयरलाइंस में फर्स्ट आफिसर थे। हादसे से पहले डेव ने खराब मौसम को लेकर चिंता जताई थी। उनके पिता ने बताया कि शादी खत्म होने तक इलाके में घना को. हरा और बारिश हो रही थी, जिससे साफ देख पाना मुश्किल हो गया था। परिवार के मुताबिक, डेव ने हेलीकॉप्टर पायलट से कहा था कि ऐसी स्थिति में उड़ान नहीं भरनी चाहिए। हालांकि पायलट ने भरोसा दिलाया कि वह ज्यादा ऊंचाई पर उड़ान भरेगा, जिसके बाद यात्रा जारी रखी गई। उड़ान भरने के कुछ समय बाद हेलीकॉप्टर डासनविल के पास जंगल वाले इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घने पेड़ों और कठिन भूभाग के कारण राहत दलों को दुर्घटनास्थल तक पहुंचने में काफी समय लगा। डेव के पिता जार्ज फिजी ने बताया कि हेलीकॉप्टर का मलबा खोजने में कई घंटे लग गए। इसी वजह से बचाव अभियान भी देर से शुरू हो सका।

भारतीय जमीन कब्जाने के दावे का नेपाली संसद में विरोध

विपक्ष बोला: पीएम बालेन सबूत दें, या बयान वापस लें

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने रविवार को कहा था कि सिर्फ भारत ने ही नेपाली जमीन पर कब्जा नहीं किया, बल्कि नेपाल ने भी कुछ भारतीय इलाकों पर कब्जा किया है। इस बयान का आज नेपाल की संसद में जमकर विरोध हुआ, विपक्षी दलों ने बालेन शाह से भारत से जुड़े इस विवादित दावे पर जवाब मांगा।

विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री से कहा कि या तो वे अपने बयान को वापस लें या फिर इसके समर्थन में ठोस सबूत पेश करें। विपक्ष का आरोप है कि प्रधानमंत्री का यह दावा नेपाल के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाला

प्रधानमंत्री का यह दावा नेपाल के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाला है

है। सांसदों का कहना है कि बिना पर्याप्त सबूत के इस तरह का बयान देश की विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों पर असर डाल सकता है।

युद्ध के मुकाबले बातचीत ज्यादा सुरक्षित रास्ता

फिलहाल इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है: लेबनान

बेरूत। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने कहा है कि इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच संघर्ष खत्म करने के लिए बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि युद्ध की तुलना में बातचीत ज्यादा सुरक्षित रास्ता है और फिलहाल इसके अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

जोसेफ आउन ने कहा, बात. चीत से समस्या तुरंत हल नहीं होगी, लेकिन यही एक रास्ता है। बातचीत में देरी हो सकती है या कुछ रुकावटें आ सकती हैं, फिर भी यह आगे बढ़ रही है। यूरोपीय संघ (ईयू) ने इजरायल से लेबनान में बढ़ती सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की है। यह बयान ऐसे समय आया है जब इजरायली

यूरोपीय संघ (ईयू) ने इजरायल से लेबनान में बढ़ती सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बेरूत के दक्षिणी इलाकों में और हमले करने का आदेश दिया है। ईयू के प्रवक्ता ने कहा कि इजरायल को लेबनान में सैन्य तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाई बंद करनी चाहिए। इजरायल को लेबनान की संप्रभुता और उसकी क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। सऊदी अरब ने कुवैत पर हुए ईरानी हमले की कड़ी निंदा की है। सऊदी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि वह इस हमले को पूरी तरह खारिज करता है। मंत्रालय के अनुसार, यह कुवैत की संप्रभुता का उल्लंघन है और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। सऊदी अरब ने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने की कोशिशों को कमजोर करती हैं और तनाव को और बढ़ाती हैं।

कुवैत कीवायु रक्षा प्रणाली ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को रोका

कुवैत। कुवैत की वायु सेना ने देश को लक्ष्य बनाकर दागी गई ईरानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों को रोक दिया है। यह घटनाक्रम सप्ताहांत में ईरानी सैन्य ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के बाद बढ़ते तनाव के बीच सामने आया है कुवैती सेना के जनरल स्टाफ ने यह जानकारी दी है। जनरल स्टाफ ने सोमवार को एक बयान में कहा कि फिलहाल, कुवैती वायु रक्षा प्रणालियां दुश्मन की मिसाइलों और ड्रोन हमलों को रोक रही हैं। जनरल स्टाफ ने निवा. सियों से सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। यह घोषणा तब की गई जब अमेरिका ने कहा कि उसने आत्मरक्षा और क्षेत्रीय शिपिंग मार्गों की सुरक्षा का हवाला देते हुए गोरुक और केशम द्वीप पर स्थित ईरानी रडार और ड्रोन कमांड-एंड-कंट्रोल सुविधाओं पर हमला किया है। गौरतलब है कि कुवैत में अमेरिका का एक बड़ा सैन्य अड्डा स्थित है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसकी एयरोस्पेस फोर्स ने जवाबी कार्रवाई करते हुए एक अमेरिकी अड्डे को निशाना बनाया है। आरोप है कि इस अड्डे का इस्तेमाल होर्मोजगान प्रांत में ईरान के सीरिक द्वीप पर हमले करने के लिए किया गया था।

यौन समस्याएं
यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें
डा. सम्राट
नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अफीम, चरस, डोडे पोस्त इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।
नावल्टी सिनेमा चौक
मुजफ्फरनगर (यू.पी.)
M-9412211108